

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 5, 1975 (आषाढ़ 14, 1897)

No. 27]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 1975 (ASADHA 14, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई, 1975

सं० 16-17/14-एस०-1—राष्ट्रपति जी स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में भारतीय भेषज समिति के सहायक सचिव श्री एम० रविकान्त को चिकित्सा भंडार संगठन में उप सहायक महानिदेशक (चि० भंडार) के पद पर 11 अप्रैल 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर राजकीय चिकित्सा भंडार डिपो, हैदराबाद में नियुक्त करते हैं।

संगत सिंह,

उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 9-26/74-एडमिन-1—अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर राजकुमारी अमृतकौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली के प्रशासन अधिकारी श्री करम चन्द 31 मार्च, 1975 के अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गए।

स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक ने श्री बी० एच० होत चन्द को 31 मार्च 1975 के अपराह्न से राजकुमारी अमृतकौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय

कृषि विभाग

विस्तार निदेशालय

• नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

सं० मि० 2(6)/71-सिखंडी (प्रथम)—श्री के० एल० इस्सर विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 28 फरवरी 1975 से आगे 30 जून, 1975 तक या जब तक पद स्थायी रूप से न भरा जाए, जो भी पहल हो, विशेष अधिकारी (प्रायोजना) द्वितीय श्रेणी राजपत्रित (अलिपिक-वर्गीय) के पद पर स्थानापन्न तदर्थ रूप से कार्य करते रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद 500040, दिनांक 1975

सं० ना० ई० सं०/प्रशा०/34/19—विशेष-कार्य-अधिकारी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, अस्थायी पर्यवेक्षक (विद्युत) श्री एस० लक्ष्मी-नारायणा को 1 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक

के लिए, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-श्रेणी एस० बी०, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 मई, 1975

सं० ना० ई०, सं०/प्रशा०/22/13(1)/672—विशेष-कार्य-अधिकारी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, वरिष्ठ आणुलिपिक श्री सी० एच० बी० एस० एस० एन० शर्मा को 5-5-1975 से 23-6-1975 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० ना० ई०, सं०/प्रशा०/22/13(1)/674—विशेष-कार्य-अधिकारी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, वरिष्ठ आणुलिपिक श्री एम० एस० हरनाथ शर्मा को, 19-5-1975 से 2-7-1975 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से, सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पी० म्हात्रे,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

तमिलनाडु, दिनांक 3 मई 1975

सं० एम० ए० पी० पी०/3(341)/67-प्रशासन/पी०-490—महालेखापाल, महाराष्ट्र के कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री एन० एच० वेंकटकृष्णन को 27 दिसम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० बालाकृष्णन,
प्रशासन-अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक 26 मई 1975

सं० संदर्भ एस०/2939/स्था० 5/435—इस अनुसंधान केन्द्र के अधिसूचना सं० एस०/2939/स्था० 5/278, दिनांक 18-11-1974 के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, के नियंत्रक, गृह मंत्रालय की हिन्दी शिक्षण योजना कार्यालय के स्थाई हिन्दी शिक्षक श्री चन्द्र देव सिंह को इसी केन्द्र के सहायक कार्मिक अधिकारी (हिन्दी) के रूप में स्थानापन्न रूप से 30 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से और एक वर्ष के लिए नियुक्त करते हैं।

ए० शांतकुमार मेनन,
उप-स्थापना अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1975

सं० ए० 32013/5/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	पद जिस पर नियुक्ति की गई	नियुक्ति की तारीख	तैनात स्टेशन
1	2	3	4	5
1	श्री ए० जगदेसन, सहायक तकनीकी अधिकारी	तकनीकी अधिकारी	4-3-75	वै० सं० स्टेशन, नई दिल्ली
2	श्री डी० एस० श्रीवास्तव सहायक तकनीकी अधिकारी	तकनीकी अधिकारी	4-3-75	वै० सं० स्टेशन दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
	श्री जे० सी० गुप्ता सहायक तकनीकी अधिकारी	तकनीकी अधिकारी	3-3-75	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली, एयरपोर्ट, पालम।

सं० ए० 38013/1/75-ई० सी०—संचार नियंत्रक, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री पी० सी० सक्सेना, सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन प्राप्ति कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31 मार्च, 1975 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक मई 1975

सं० ए०-32014/4/73 ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नामों के सामने दिए गए विवरणों के अनुसार सहायक संचार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन	नियुक्ति की तारीख	निम्नलिखित के स्थान पर
1	2	3	4	5
1.	श्री टी० वी० नटराजन सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई	12-5-74	श्री एन० एस० मोनी, सहायक संचार अधिकारी, जिन्हें 12-5-1974 से 50 दिन की अर्जित छुट्टी दी गई।
2.	श्री एन० एस० पिल्लै सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	15-4-74	श्री के० के० सिद्धार्थ, सहायक संचार अधि- कारी जिन्हें 15-4-74 से 75 दिन की अर्जित छुट्टी दी गई।

दिनांक 1 मई 1975

सं० ए०-38012/1/74-ई० सी०—नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री दलीप सिंह, वरिष्ठ संचार अधिकारी ने निर्वर्तन आय प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31 मार्च, 1975 (अप्रराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 6 मई 1975

सं० ए०-32013/1/74 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री डी० एस० श्रीवास्तव, सहायक तकनीकी अधिकारी, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली को 13-12-1974 से 7-2-75 तक श्री एस० पी० जैन, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली की छुट्टी रिक्ति में तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-24013/98/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री के० मृतुकृष्णन, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली को मूल नियम 56(ट) के अधीन 31-3-75 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

दिनांक 8 मई 1975

सं० ए०-12025/4/74-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० दास गुप्ता को 28 जनवरी, 1975 (पूर्वाह्न) से अगला देश जारी होने तक अंशांकन एकक नागर विमानन विभाग, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर पाइलट के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक मई 1975

सं० ए०-12025/4/74-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एस० बी० मुल्हकर को नागर विमानन विभाग, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के अंशांकन यूनिट में 4 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर सह पाइलट के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 28 मई 1975

सं० ए०-32014/1/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	श्री पी० के० सेनगुप्ता	14-8-1974	वैमानिक संचार स्टेशन, लीलाबाड़ी, उत्तरी-लखीमपुर, असम
2.	श्री मनोहर सिंह	5-4-1975	वैमानिक संचार स्टेशन, कुद

हरबंस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1975

सं० ए०-31014/2/75- ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में 1 मई, 1975 से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किये हैं :—

क्रम सं० नाम

1. श्री बी० एस० अहलुवालिया
2. श्री आर० आदिशेषन
3. श्री बी० के० बत्स
4. श्री पी० एस० वेंकटरामन
5. श्री टी० आर० शास्त्री
6. श्री एम० अरुलडोस

क्रम सं० नाम

होने तक नागर विमानन विभाग में परियोजना अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

7. श्री टी० एन० मेहता
8. श्री द्रिया लाल सूरी
9. श्री के० चन्द्रभूषण
10. श्री आर० पी० मोहिन्द्रा
11. श्री आर० सी० शर्मा
12. श्री एन० आर० एन० आर्यंगर
13. श्री सी० एल० मलिक
14. श्री एस० तिरुपलै
15. श्री एच० ए० शेटी
16. श्री के० एन० एस० मणि
17. श्री बी० के० डे
18. श्री ए० शनुभुगम
19. श्री के० आर० रामानुजन
20. श्री ओ० पी० छाबडा
21. श्री वी० एस० भिजा
22. श्री के० रंगाचारी
23. श्री एम० एल० धर
24. श्री वेङ्गुस्वामी सुब्रह्मनयम
25. श्री पी० डी० खन्ना
26. श्री बी० एन० चावला
27. श्री एस० डी० बंसल
28. श्री के० एस० नारायणस्वामी
29. श्री जी० बी० दामले
30. श्री एच० एस० सी० राव
31. श्री एस० पी० साहनी
32. श्री डी० एस० गिल
33. श्री श्रवण कुमार (अनुसूचित जाति)
34. श्री पी० बी० सुब्रह्मनयम
35. श्री आर० एन० दत्त
36. श्री आर० एस० संघू
37. श्री एस० राजारामन
38. श्री सी० डी० गुप्ता

दिनांक 22 मई 1975

सं० ए-31013/4/74-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री के० बी गणेशन, निदेशक, अनुसंधान और विकास को 22-8-74 से नागर विमानन विभाग में निदेशक अनुसंधान और विकास के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवास,
सहायक निदेशन प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1975

सं० ए-32013/8/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री बी० जी० सिंधी, विमानन क्षेत्र अधिकारी को 28 अप्रैल, 1975 से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थापना रूप में वरिष्ठ विमानन क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। उन्हें सिविल विमानक्षेत्र अहमदाबाद में तैनात किया जाता है।

दिनांक 7 मई 1975

सं० ए-26015/1/74 ई० ए० महानिदेशक नागर विमानन एतद्वारा सर्व श्री के० आर० वर्मा और विलियम मिश्र को 1 जुलाई 1974 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में रु० 650-30-740-35-810 रु० 35-880-40-1000 रु० 40-1200 के वेतनमान में अस्थायी रूप से सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, श्रेणी-II राजपत्रित पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० ए-24015/1/70-ई० सी०—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 (1) के अधीन सेवा समाप्ति की सूचना।

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम 1 का अनुपालन करते हुए मैं एतद्द्वारा श्री के० एस० चावला, रेडियो टेकनीशियन को सूचित करता हूँ कि उनके द्वारा इस सूचना के प्राप्त होने की तारीख से एक मास की अवधि की समाप्ति की तारीख से उनकी सेवाएं समाप्त की जाती हैं।

गौतम ऋषि कठपालिया,
उप महानिदेशक नागर विमानन
नागर विमानन महानिदेशालय

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन
क्षेत्र महानिदेशक
नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1975

सं० ए-12025/1/74-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री भूषण कुमार को 30 अप्रैल, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० ई० (1) 06389—वेधशालाओं के महानिदेशक एतन्-
रा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के अधीन लखनऊ
मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक श्री राम स्नेही को 7-3-1975
अपराह्न से नवासी दिनों की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से
सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री राम स्नेही 7-3-1975
से निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली के अधीन
लखनऊ मौसम केन्द्र में ही तैनात रहे हैं।

नूतन दास,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

सं० 11/3/17/75-ई० 2—राजमुन्द्री स्थित समाकलित मंटल
कार्यालय, राजमुन्द्री के एम० ओ० आर०-11, के केन्द्रीय उत्पाद
शुल्क विभाग के श्रेणी 11 के स्थायी अधीक्षक श्री वैकटराय, वार्धक्य
के कारण 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

एस० के० श्रीवास्तव
समाहर्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अप्रैल 1975

सं० 24—कलकत्ता चतुर्थ डिवीजन के द्वितीय निरीक्षण
दल के समापन पर श्री अयानेश्वर भट्टाचार्य, द्वितीय श्रेणी परीक्षक,
मध्यम पूर्व दिनांक 1/3/75 को उपर्युक्त डिवीजन के अंतर्गत कोन-
द्वार के नवनिर्मित पोर्ट विलियम रेंज का भार ग्रहण किये।

सं० 25—दिनहाटा सीमा शुल्क सर्किल से बदली होने पर श्री
पी० एल० भौमिक, द्वितीय श्रेणी परीक्षक, अपराह्न दिनांक 22/3/75
को रायगंज सीमा सर्किल का भार ग्रहण कर श्री आई० एन० गुहा,
तृतीय श्रेणी परीक्षक, को दिनहाटा सीमा शुल्क सर्किल के लिए
स्थानान्तरित किये।

सं० 26—चन्दनगर डिवीजन के निरीक्षक दल के समापन
पर श्री एस० एम० गुहा, परीक्षक, उपर्युक्त डिवीजन के अंतर्गत

साहाय्य रेंज के लिए स्थानान्तरित किये गये और मध्यम पूर्व
दिनांक 19-8-75 को वहाँ का भार ग्रहण कर श्री एस० एम०
मालो, अतिरिक्त कार्य परीक्षक को मुक्त किये।

एन० एन० राय चौधरी,
समाहर्ता

निरीक्षण निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1975

सं० 10041/19/75—श्री के० के० भाटिया ने जो कि पिछले
दिनों सहायक समाहर्ता, अन्तर्राष्ट्रीय डाक घर नयी दिल्ली में समाहर्ता
के पद पर काम कर रहे थे, निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क एवं
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली में, निरीक्षण अधिकारी सीमा
शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-1 का कार्यभार दिनांक
16-5-75 (पूर्वाह्न) से संभाल लिया है।

2. इलाहाबाद/कानपुर, समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के
श्रेणी-II के अधीक्षक श्री के० के० शर्मा ने जो कि पहले तम्बाकू
उत्पाद शुल्क टैरिफ समिति में काम कर रहे थे, 17-5-1975 (पूर्वाह्न)
से निरीक्षण निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली
में निरीक्षण अधिकारी, श्रेणी-II, का कार्यभार संभाल लिया है।

बी० एस० चाबला,
निरीक्षण निदेशक
सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक मई 1975

सं० 32014/2/70-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति समिति
9 (श्रेणी-2) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग
अपने प्रसाद से श्री ए० के० मुखर्जी को केन्द्रीय जल आयोग में अति-
रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान
अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में नियमित रूप में 650-30
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-
1200 रुपये के वेतनमान में 21 दिसम्बर, 1973 से स्थानापन्न
रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री मुखर्जी अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/
सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में पूर्वोक्त
तारीख से दो वर्ष के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

सं० क-19012/207/70-प्रशा० 5—सहायक निदेशक,
केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली, के रूप में पदोन्नति हो जाने के फल-
स्वरूप श्री आर० पी० साहनी, अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय
जल आयोग, नई दिल्ली ने अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का
कार्यभार 18-2-75 (पूर्वाह्न) से त्याग दिया।

सं० क-19012/540/75-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एम० एल० मल्ला, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए रु० 650-30-740 35-810-द० रो०-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 18-2-75 से 26-4-75 तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एम० एल० मल्ला ने अतिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) केन्द्रीय जल आयोग के पद का कार्यभार 18-2-75 (पूर्वाह्न) से संभाल लिया है तथा 26-4-75 (अपराह्न) से वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक के पद पर लौटने पर कार्यभार त्याग दिया है।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नवतृतीकोरिन पत्तन

तृतीकोरिन-4, दिनांक 15 अप्रैल 1975

सं० ए-41013(1)/75/प्रशा/1715—नव तृतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक श्री एन० देव राजन को पहली अप्रैल, 1975 से अगला आवेश होने तक के लिए 650-30-740-35-810-द०-रो० 35-880-40-1000 द०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में नव तृतीकोरिन पत्तन में तदर्थ आधार पर अग्नि- एवं सहायक सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासन

चितरंजन रेलइंजन कारखाना, चितरंजन

बर्दवान, दिनांक मई 1975

सं० जी० एम० ए०/ जी एस/8 (मे०)—इस प्रशासन के निम्नलिखित डाक्टरों को चितरंजन रेलइंजन कारखाना के चिकित्सा विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अनन्तिम रूप से स्थायी किया जाता है :-

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पद जिस पर अन्तिम रूप से स्थायी किया गया है	अनन्तिम रूप से स्थायी करने की तारीख
1.	डा० ए० बी० राय	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	1-1-66 (पूर्वाह्न)
2.	डा० एम० सी० सरकार	सहायक चिकित्सा अधिकारी (सामान्य)	1-1-66 (पूर्वाह्न)
3.	डा० डी० बी० सेन	सहायक चिकित्सा अधिकारी (रेडियो लाजी)	1-1-66 (पूर्वाह्न)

एस० सी० मिश्र,
महा प्रबंधक

इन्दौर कोच फैक्ट्री
महा प्रबंधक का कार्यालय
मद्रास, दिनांक मई 1975

सं० पी० बी०/जी जी/9 मिसलेनियस/II—श्री बी० पार्थसारथी स्थानापन्न सहायक उत्पादन इंजीनियर/योजना/शेल (श्रेणी-II) को, जो जाम्बिया की उपनियुक्ति के लिए चुने गये ता० 11-4-75 के अपराह्न से भारमुक्त किया गया।

श्री आर० सी० टंडन, स्थानापन्न अतिरिक्त यांत्रिक इंजीनियर (ब० मा०) (स्तर-II) को ता० 7-4-1975 के पूर्वाह्न इस प्रशासन से मुक्त किया गया और उसी पद पर दक्षिण रेलवे को स्थानांतरित किया गया।

श्री पी० बी० राममूर्ति, विशेष कार्य अधिकारी, रेल डिब्ब बनाने की परियोजना, इज्जतनगर, इस प्रशासन के ता० 7-4-1975 के पूर्वाह्न को काम पर आये और उन्हें अतिरिक्त मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (ब० मा०) (स्तर II) के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री सी० एस० वेंकटरामन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/खरीद/शेल (श्रेणी-II) को स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक/खरीद/फर० (ब० मा०) के रूप में तदर्थ रूप में ता० 28-4-75 से पदोन्नति किया गया है।

श्री एस० बालसुब्रह्मण्यम, भंडार निरीक्षक/श्रेणी-III को स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/खरीद/शेल (श्रेणी-II) के रूप में ता० 28-4-75 से पदोन्नति हुआ है।

एस० सुब्रह्मण्यम,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महाप्रबंधक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स जीवन लाल गिरधर लाल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक

सं० 560/119—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स जीवन लाल गिरधरलाल एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

(म० बा० शार)

प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और फ्रेंड्स एण्ड कं० एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 24 - 5 - 75

सं० 12000/560/(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फ्रेंड्स एण्ड कं० एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्राधिकारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाए, और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओवरसीज एजेंसीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

तारीख 28-5-75

सं० 13450/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओवरसीज एजेंसीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण प्रकट न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कटक, दिनांक 1975

सं० एल 491/73—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और आईडियाल एजेंट्स एंड डिस्ट्रीबुटरस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 5 को 1973 में ओडिशा उच्च न्यायालय के दिनांक 15-4-1975 के आदेश द्वारा आईडियाल एजेंट्स एंड डिस्ट्रीबुटरस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना।

सं० एल-311/75—कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले में और बि० पटनाएक माइनस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 1 आफ 1973 में ओडिशा स्थित उच्च न्यायालय की दिनांक 9-4-75 के आदेश द्वारा बि० पटनायक माइनस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना

एस० एन० गुहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओडिशा

कार्यालय आयकर आक्त आयुदेश सं० 2/रा०अधि० 1975-76
नई दिल्ली, दिनांक

सं स्थापना-1 / पदोन्नति/आय० अधि० (II) /75-76/837—निम्नलिखित निरीक्षकों को द्वितीय श्रेणी आयकर अधिकारी के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। यह आदेश उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगा।

1. श्री आर० पी० शर्मा
2. श्री गोविन्द राम

वे इस बात का ध्यान रखें कि यदि रिक्त स्थानों की समीक्षा करने के बाद यह ज्ञात हुआ कि ये पदोन्नतियां उपलब्ध रिक्त स्थानों से अधिक है तो उन्हें किसी भी समय परावर्तित किया जा सकता है।

इनकी पदोन्नति के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तत्काल करने के लिए आदेश दिये जाते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	कहां से	कहां पर	केफियत
1.	श्री आर० पी० शर्मा	नवनियुक्त आयकर अधिकारी	आयकर अधिकारी (संगठन और समन्वय-1)	श्री ए० एल० गर्ग को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।
2.	श्री गोविन्द राम	—वही—	आयकर अधिकारी निजी वेतन सर्किल-4	श्री एन० के० जैन के बदले जिनका स्थानांतरण कर दिया गया है।
3.	श्री एन० के० जैन	आयकर अधिकारी निजी वेतन सर्किल-4	आयकर अधिकारी जिला-II (9)	श्री के० के० मल्होत्रा को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।

अवतार सिंह,
आयकर आयुक्त

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काथोलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1975

निर्देश सं० ई० 1/98/1-8/अप्रतूबर 1974—

अतः मुझे ग० सी० राव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1619 भाजकला डिब्हीजन
(क्लबरोड) से ज्ञात है, जो मराठा मंदीर रोड के उत्तर में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 17-10-1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद हुसैन इब्राहिम और अन्य

(अन्तरक)

2. कुमारी सदा बहार को-आणरटीहू हाऊसिंग सी० ली०
(अन्तरिती)

3. सोसायटी के मेंबर्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि-
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पट्टा जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका पट्टेदार सुधा-
ट्रस्ट के शहर के लिए निक्षेपधारक है, माप में 595 वर्ग मीटर या
भासपास है और भूराजस्व के संग्रहक द्वारा, नया सर्वेक्षण नं०
3527(1) और जिसका कैंडस्टज सर्वेक्षण नं० 1619
भाजकला खंड के अन्तर्गत पंजीकृत है साथ में वहां पर बने निवास
वाटीका या भवन जो "बहार" नाम से ज्ञात है और बम्बई
महानगर पालिका द्वारा ई०-वार्ड नं० 4108 (4) पूर्वत-
गली नं० 12 लेकिन अभी नं० 8 द्वारा निर्धारित सभी जगहों
जो उत्तरी मराठा मंदीर मार्ग पूर्वतः (क्लब रोड) के नाम से
ज्ञात, भाजकला, बम्बई-8, बोर्ड का अग्रीपाडा अस्टेट जो प्लॉट
नं० 12 अग्रीपाडा (पश्चिम) इस्टेट के नाम से ज्ञात है, रजिस्-
ट्रेशन उप-जिला बम्बई में स्थित है, और पूर्वकी ओर से सलेमान
लकड़ावाला एंण्ड कं०, उक्त अग्रीपाडा इस्टेट के प्लॉट नं०
13 के नाम से ज्ञात द्वारा, पश्चिम की ओर से उक्त अग्रीपाडा
इस्टेट के प्लॉट नं० 11 के नाम से ज्ञात ह्वाइट एंजल को-
आपरेटीव हाऊसिंग सोसायटी लि० द्वारा, उत्तर की ओर से
छोटे रास्ते द्वारा दक्षिण की ओर से उक्त मराठा मंदीर रोड
(क्लब रोड) द्वारा घिरा हुआ है।

ग० सी० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1 बम्बई

तारीख : 28 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-358(

16-6/74-75—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो डेबेभाई

रोड, राजकोट में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 (1) श्री नारणदास करसनजी,
2. श्री चूनीलाल नारणदास ।
3. श्री बंसंतराय नारणदास ।
4. श्री गुणवंतराय नारणदास आशापुरा रोड़, जामनगर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती विजयागौरी जयन्तीलाल शुक्ल ।
- (2) श्री किशोर चन्द, जयन्तीलाल शुक्ल ।
- (3) श्री महेशकुमार जयन्तीलाल शुक्ल,
- (4) श्री राजेन्द्र जयन्तीलाल शुक्ल,
- (5) श्री जीतेन्द्र जयन्तीलाल शुक्ल,
- (6) श्री शैलेश कुमार जयन्तीलाल शुक्ल, अपने अभिभावक श्री जयन्तीलाल वृजलाल शुक्ल-द्वारा
- (7) श्रीमती ज्योत्सना रश्मिकान्त शुक्ल ।
- (8) श्री विपिनकुमार रश्मिकान्त शुक्ल, तथा
- (9) श्री दीपककुमार रश्मिकान्त शुक्ल, अपने अभिभावक श्री रश्मिकान्त बी० शुक्ल द्वारा, आर० कान्त एण्ड कंपनी गोंडल रोड़, राजकोट ।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो जसाणी आयाल मिल के नामसे ज्ञात है और जो 295-2-36 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो डेबर भाई रोड़, राजकोट पर स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं।

पूर्व : डेबर भाई रोड़ ।

पश्चिम : गोरधनदास काकु भाई तथा दूसरों की सम्पत्ति ।

उत्तर : रास्ता ।

दक्षिण : शान्तीलाल हरिभाई की सम्पत्ति ।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-478(173)/16-6/74-75—यतः मुझ जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है जो डेवर रोड़, राजकोट में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिगाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नारणदास करसनजी
- (2) श्री चूनीलाल नारणदास।
- (3) श्री वसंतराय नारणदास।
- (4) श्री गुणवंतराय नारणदास आशापुरा रोड़, जामनगर।
(अन्तरक)
2. (1) श्री शान्तीलाल हरिलाल पटेल।
- (2) श्रीमती लाभुबेन शान्तीलाल पटेल के०/म० कनेरीया एन्जीनीयरिंग वर्क्स, डेवर भाई रोड़ राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो जसाणी आयल मिल के नामसे ज्ञात है तथा जो 289-6-108 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जो डेवर भाई रोड़, राजकोट पर स्थित है तथा जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्व: डेवर भाई रोड़।

पश्चिम: श्री गीरधरलाल काकु भाई और दूसरों की सम्पत्ति।

उत्तर: श्रीमती विज्यागौरी जयन्ती लाल और दूसरों की सम्पत्ति।

दक्षिण: हिन्द फर्मी कंपनी की सम्पत्ति।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 मई 1975

एफ० नं० अर्जन/136/आगरा/74-75/488—अतः मुझे,

एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो गांव अरटोनी तह० व जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-9-74 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनोहर लाल पुत्र श्री रीझा राम, 7, लाजपत कुंज सिविल लाइन, आगरा, वर्तमान पता दुकान नं० 5 खर्जा कर्मशाला 58/23 बरदाना रोड कानपुर (अन्तरक)

2. श्री हरी प्रकाश बंसल पुत्र श्री ओम प्रकाश बंसल, 9 नेहरू नगर, आगरा वेद प्रकाश पुत्र श्री ओम प्रकाश बंसल 9, नेहरू नगर आगरा-2

(अन्तरिती)

3. श्री बलराम पुत्र श्री रीझा राम, 7, लाजपत, कुंज, सिविल लाइन, आगरा ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि नौ बीघा खसरा नं० 97, प्लॉट नं० 607 ए, खाता नं० खाता नं० 98, प्लॉट नं० 607-बी०, स्थित गांव अरटोनी त० और जिला आगरा जिसका हस्तांतरण 90,000/-में हुआ है ।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख:—30-5-75.
मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कोचिन

कोचिन दिनांक:—16 जून 1975

निदेश सं० एन० सी० सं० 42/75-76—यतः मुझे,
 ए० ए० कुरूप, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा
 गया है।)

की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
 करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ट्रिचूर के वेल्लानिकरा विल्लेज में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 ओल्लूकरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, तारीख 19-9-74

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के अन्तरण के लिए
 तय पाया गया लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
 नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुकरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० कृष्ण अय्यर (अडवकेट) श्री महावेव पट्टर
 के पुत्र, पाटुशयकट ट्रिचूर

(अन्तरक)

2. श्री याकोब ननजनी तोमक्कुट्टी के पुत्र, ईस्ट चाल-
 क्कुडी, ट्रिचूर। (ii) श्री सेतपती भास्करन,
 नागमेश्वरमडम बैंक रोड, कालिकट।

(अन्तरिती)

4. श्री केरला वर्मा कुन्जिक्किडाव तपुरान, किरिमपट्टा
 हौस, ट्रिचूर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोह-
 स्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति
 में हित बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ट्रिचूर जिला के वेल्लानिककश विल्लेज माडक्कत्तारा
 पंचायत के सर्वेक्षण सं० 51/1, 51/2, 53/1, 53/2, 54/1,
 54/2, 55/1, 55/2, 56/1, 56/2, 56/3, 57/1,
 304/1, 305/1, 46/3 में 53.67 एकड़ रब्बर, सुपारी
 (अरीकानर) और तारियल (कोकनट) एस्टेट।

(ए० ए० कुरूप)

सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कोचिन

तारीख : 17-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक 29-5-1975

निदेश नं० सी० आर० 62/3181/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1 ब्लाक नं० 11-15, रजारकवनडे कावल,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4150/74-75 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) वेनकजम्मा (2) वी०
(3) नारायणप्पा (2) वी० एल्लप्पा, बोविपाल्या, बैंगलूर-10
(अन्तरक)
2. श्री (1) के० मुनिवेनकटप्पा ई-2, 1 क्रास, 11 मैनरोड,
ब्रह्मापुरा, बैंगलूर-21 (2) डी० शनमुगम, ई-282
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुशक जमीन सर्वे नं० 1 (ब्लाक नं० 11-15), 3
एकर, जारकवनडेकावल, बैंगलूर सिटी । दस्तावेज नं० 4150
/74-75 ता० 18-9-74

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 29 मई 75

निदेश नं० सी० आर० 62/3146/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 232/28 है, जो III क्रस, नागप्पा ब्लाक,
लक्ष्मीनारायणपुरम, बंगलूर-21 (डिवीजन नं० 10) में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम,
बंगलूर-21 दस्तावेज नं० 258 3/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्रीमती सावित्रम्मा W/o वि० जि० चक्रपानी नं०
19, लक्ष्मीनारायणपुरम, बंगलूर-21 ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती रामलक्ष्ममाल W/o वि० जे० श्रीनिवासुलु
24, II क्रस, साईबावानगर, बंगलूर-21 ।
(अन्तरिती)
3. श्री (1) के० केशवन (2) अनजनप्पा (3) सिद्दी
(4) राधाकृष्ण (5) मूर्ति (6) एम० एल० महा-
लिनगम (7) पुरुशोत्तम (8) डा० एच० एल०
नागराज (9) वि० के० प्रियस्वामी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 232/28, III क्रस, नागप्पा ब्लाक, लक्ष्मी-
नारायणपुरम (डिवीजन नं० 10) बंगलूर-21.

पू० प० 30' उ० द० 90' -2700' वर्ग फीट

सीमा: पू० पुलिस वेनकटप्पा का मकान

प० रामकिन्ना मुदलियार का मकान

उ० क्रस रोड

द० कनजरवेन्सी

दस्तावेज नं० 2583/74-75 ता० 10-1-74

आर कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-5-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 23 मई 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3204/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)
की धारा 269-ख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 94 है, जो मागडि रोड, कार्ड रोड
एक्सटेन्शन होसहल्ली, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, बैंगलूर दस्तावेज नं०
2709/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 का) के अधीन 21-20-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० तिप्पन्ना पुत्र श्री के० सिद्धप्पा मनडिपेट,
दावनगिरि-1 ।

(अन्तरक)

2. श्री टि० आर० श्रीनिवास मूर्ति एस०/ओ रुद्रय्या
जे-87, आनजनेथ ब्लाक एक्सटेन्शन सेशाद्रिपुरम,
बैंगलूर-20 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

सैट नं० 94, मागडि रोड, कार्ड रोड एक्सटेन्शन,
होसहल्ली, बैंगलूर ।

सीमा

पूर्वः सैट नं० 95

पश्चिमः सैट नं० 93

उत्तरः सैट नं० 114

दक्षिणः रास्ता

क्षेत्रफल 60' × 90' = 5400 वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 2709/74-75 ता० 21-10-74

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 23-5-75

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बंगलूर दिनांक 22 मई, 1975

निदेश नं० सि० आर० 62/3240/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे नं० 2308231 (भाग) है, जो 13 गुनटे,
डडिगुनटा, काक्स टौन बैंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2550/
74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 28-10-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एस० जानकि, 9, केमब्रिज रोड,
बैंगलूर-8। (अन्तरक)

2. श्री आर० समपतराज, 1056, VII क्रॉस
श्रीरामपुरम बैंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि 13 गुनटे सर्वे नं० 230 तथा 231 जो डडिगुनटा,
काक्स टौन, बैंगलूर में स्थित है। दस्तावेज नं० 2550/74-75 ता०
28-10-1974।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज- बैंगलूर

तारीख : 22-5-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० — — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 मई, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3260/74-75—यतः मुझे
आय० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खुशक खेती सर्वे नं० 7, 8 और 99-2 ए० है, जो
गांव मकाली, होबली दासनापुर, नेलमनगला तालुक बैंगलूर
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलमनगला
दस्तावेज नं० 2941/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बि० गोविन्दगौडा पुत्र श्री बि० ए० बसवेगौडा
बागमने एस्टेट, मलनडूर पोस्ट, चिकमगलूर जिला

(अन्तरक)

3—136GI/75

2. रोहिणी रघुनाथ राय माने, 46/123, V मैन रोड,
चामरजपेट, बैंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुशक खेती सर्वे नं० 7, 8 और 99-2 ए० (खाता नं० 52,
52 और 176) 11 एकर 21½ गुन्टे जो मकाली गांव, दासनापुर,
होबली नेलमनगला तालुक, बैंगलूर जिला।

ए० गु०

(1) 5-30

(2) 3-19

(3) 2-6½

11-21½

सीमा : (1) और (2) के लिए

पू : हेगददेवनपुरा

प : गनगथ्या की जमीन

उ : सर्वे नं० 7—क्रिष्ण गौडा और रामचन्द्र की जमीन

द : सर्वे नं० 9—मकाली गांव का

सीमा (3) के लिए

पू : गनगथ्या की जमीन

प : गनगथ्या की जमीन

द : " " "

उ : मकाली गांव का सर्वे नं० 6

दस्तावेज नं० 2941/74-75 ता० 21-10-74।

आर० क्रिष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर एस० ए० आर०

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3261/74-75—यतः मुझे

आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7 (खाता नं० 51) है, जो मकाली गांव, दासनापुर होबली नेलमनगला तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलमनगला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन (दस्तावेज नं० 2942/74-75) 21-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बी० रामचन्द्र सपुत्र श्री बी० ए० बसवैगौडा
(2) सीमा (3) रप्पी आरसीकेरी, हासन जिला (अन्तरक)

2. कुमारी रोहिणी रघुनाथराव माने 46/123, V मेन चामराजपेट, बंगलूर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुशक खेत 11 एकड़ सर्वे नं० 7 (खाता नं० 51)
मकाली गांव, दासनापुर होबली, नेलमनगला तालुक, बंगलूर जिला।

सीमा:

पू० : सर्वे नं० 7—गोविन्द गोडा की जमीन।

प० : सर्वे नं० 8—मकाली गांव।

द० : सर्वे नं० 9, 10—मकाली गांव।

उ० : टेगददेवनपुरा।

दस्तावेज नं० 2942/74-75 ता० 21-10-74।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश सं० सर्वे नं० 62/3262/74-75—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 8 (खाता नं० 53) है, जो मकाली गांव, दासना-
पुरा होली, नेलमनगला तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नेलमनगला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन (दस्तावेज नं०
2943/74-75) 21-10-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बि० कृष्णगौडा (2) पुष्पा
(अन्तरक)

2. कुमारी रोहिणी रघुनाथराव माने 46/123, बी० मेन
रोड, चामराजपेट, बेंगलूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

खुशक जमीन सर्वे नं० 8 (खाता नं० 53) — 5 एकड़,
मकाली गांव, दासनापुरा होली, नेलमनगला तालुक, बेंगलूर
जिला।

सीमा :

पू० : सर्वे नं० 7—मकाली गांव।

प० : सर्वे नं० 99—दासनापुरा।

द० : गनगथ्या और गोविन्द गौडा की जमीन।

उ० : सर्वे नं० 7—रामचन्द्रन की जमीन।

दस्तावेज नं० 2943/74-75 ता० 21-10-74

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री एम० जयदेव सपुत्र श्री एम० मल्लप्पा 663, चिकपेट
बैंगलूर-53 । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. कुमारी नाभा कृष्ण सेट्टी एंड सन्त शराफी, श्रीरामपेट,
मैसूर (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

3. श्री गुरुमहाराज फेम वर्क्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

बैंगलूर, दिनांक 29 मई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी
आक्षेप :—निर्देश सं० सर्वे नं० 62/3308/74-75—यतः मुझे, आर०
कृष्णमूर्ति(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 245 (एक भाग) है, जो चिकपेट बो० टी० सी०
रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुगृही में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी
नगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन (दस्तावेज नं० (3098/74-75)
21-01-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 245, बो० टी० सी० रोड, चिकपेट,
बैंगलूर-53 ।

पू० प० 27' 7" उ० द० 13'

सीमा :

पू० : आदि कामप्लेक्स की इमारत ।

प० : भावरलाल और सुमेरमल की इमारत ।

उ० : एम० विश्वनाथ का भाग ।

द० : एजम० शिवरुद्रप्पा का भाग ।

दस्तावेज नं० 3098/74-75 ता० 21-10-74 ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
में (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3309/74-75— यतः मुझे-
आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 245 (एक भाग) वो० टी० सी० रोड, चिकपेट
बंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी
नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन (दस्तावेज नं० 3099/74-75)
21-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० विरूपाक्षा सपुत्र श्री एम० मल्लप्पा 663,
चिकपेट, बंगलूर-53 (अन्तरक)
2. नाभा कृष्ण सेट्टी एंड सन्स शराफी, श्रीरामपेट मैसूर।
(अन्तरिती)
3. गुरुमहाराज फ्रेम वर्क्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 245 (एक भाग), वो० टी० सी० रोड,
चिकपेट, बंगलूर-53।

पू० प० 27' 7"

उ० द० 13"

सीमा:

पू० : आदि कामप्लेक्स इमारत।

प० : भावरलाल और सुमेरमल की इमारत।

उ० : एम० शिवशंकर की सम्पत्ति।

द० : एम० मल्लप्पा की सम्पत्ति।

दस्तावेज नं० 3099/74-75 ता० 21-10-74

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 29 मई 1975

सं० सी०आर० 62/3310/74-75—यतः मुझे, आर०
कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 245 (एक भाग) वी०टी०सी० रोड चिकपेट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 3100/74-75 दिनांक 21-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एक शिवशंकरा पुत्र श्री एम० मल्लप्पा नं० 663 चिकपेट बंगलूर-53।

(2) श्री नाभा कृष्ण सेट्टी एंड सन्त शराफी, श्रीरामपेट, मैसूर।

(अन्तरिती)

(3) श्री गुरुमहाराज फ्रेम वर्क्स।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति (एक भाग) नं० 245 वी०टी०सी० रोड चिकपेट, बंगलूर-53

पू०, प० —27' 7"

उ० द० —13'

सीमा :—पू०—आदि काम्पलेक्स इमारत

प० —भावर लाल और सुमेरमल की इमारत

उ० —एम० शिवरूद्रप्पा का भाग।

द० —एम० विरुपाक्ष का भाग।

दस्तावेज नं० 3100/74-75 ता० 21-10-1974।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3311/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 245 (एक भाग) है, जो वो० टी० सी० रोड,
चिकपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी
नगर बंगलूर (1) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 3101/74-75
में 21-10-74 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अम्व आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम० शिवरुद्रप्पा सपुत श्री एम० मल्लप्पा 663,
चिकपेट, बंगलूर-53 । (अन्तरक)

2. नाभाकृष्णा सेट्टी एंड सन्स जराफी, श्रीरामपेट, मैसूर ।
(अन्तरिती)

3. गुरुमहाराज फेम वर्क्स (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्थायर संपत्ति नं० 245 (एक भाग), वो० टी० सी०
रोड, चिकपेट, बंगलूर।

पू० प० 27' 7"

उ० द० 13'

सीमा :

पू० : आदि कामम्लेक्स इमारत ।

प० : भावरलाल और सुमेरमल की इमारत ।

उ० : एम० जयदेव का भाग ।

द० : एम० शिवशंकर का भाग ।

दस्तावेज नं० 3101/74-75 ता० 21-10-74 ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3312/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 245 (भाग) है, जो बो० टी० सी० रोड,
चिकपेट, बंगलूर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में
गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, (दस्तावेज नं० 3102/74-75)
21-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० मल्लप्पा 663, चिकपेट, बंगलूर-53।
(अन्तरक)
2. नाभा कृष्ण सेट्टी एंड सन्स शराफी, श्रीरामपेट, मैसूर।
(अन्तरिती)
3. गुरुमहाराज फ्रेम वर्क्स (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 245 (एक भाग) बो० टी० सी० रोड,
चिकपेट, बंगलूर।

पू० प० : 27' 7"

उ० द० : 27'

और : पू० प० : 10' 9" उ० द० 6'''

सीमा :

पू० : आदि कामप्लेक्स इमारत।

प० : भावरलाल और सुमेरमल की इमारत।

उ० : एम० विरुपाक्ष का भाग।

द० : मन्डी हरियन्ना की सम्पत्ति और कंजरवेन्सी।

दस्तावेज नं० 3102/74-75 ता० 21-10-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक: 29 मई, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3313/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 245 (एक भाग) बो० टी० सी० रोड, चिकपेट
बैंगलूर में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में गांधीनगर
बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन (दस्तावेज नं० 3103/74-75) 31-10-1974
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त-
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4-136GI/75

1. श्री एम० विष्णुनाथ नाबालिग द्वारा समरक्षक एम०
मल्लप्पा 663, चिकपेट बैंगलूर ।

(अन्तरक)

2. नाभा कृष्णसेट्टी एंड सन्स शाराफी, श्रीरामटपेट, मैसूर ।
(अन्तरिती)

3. गुरुमहाराज प्रेम वर्मस
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 245 का एक भाग, बो० टी० सी० रोड,
चिकपेट, बैंगलूर-53 ।

पू० प० 27' 7"

उ० द० 13'

और पू० प० 6' 2"

उ० द० 11' 3"

सीमा :

पू० : आदि कामप्लेक्स इमारत ।

प० : पारसमल और तेजराज की इमारत ।

उ० : चिकपेट रोड ।

द० : एम० जयदेव का हिस्सा ।

दस्तावेज नं० 3103/74-75 ता० 21-10-74

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक, 29 मई, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3335/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 250 है, जो "मूविलयान्ड" सूबेदार छत्रम रोड़,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 3393/74-75
16-10-1974 को पूर्वोक्त के सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सी० एन० गोपालन 2. सी० जी० जयसिमहन
3. सि० जे० जयवर्धन अवस्यक द्वारा समरक्षक सी० जी० जयसि-
महन, नं० 2, कुमारकृपा रोड़ बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती शोभा सुरेन्द्र पत्नी एस० सुरेन्द्र, 133/
23, रेलवे प्यारेलाल रोड़, शेषाद्रिपुरम, बंगलूर-20
(अन्तरिती)

3. श्री वै० एस० सुरेन्द्र 250, एस० सी० रोड़, बंगलूर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 250 "मूविलयान्ड", सूबेदार छत्रम रोड़,
बंगलूर (डिविजन नं० 14)

क्षेत्रफल 297'3" + 311' 155'2" - 156'11" + 47442 वर्ग-
फीट

2

2

सीमा :

पूर्व :— आर० के० पिल्लया की सम्पत्ति

पश्चिम :—सूबेदार छत्रम रोड़

उत्तर :—कार्पोरेशन आस रोड़

दक्षिण :—"रायल लाडज" सूबेदार छत्रम रोड़ पर

दस्तावेज नं० 3393/74-75 ता० 16-10-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक, 29 मई 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3246/74-75—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० 15, 16 और 17 है, जो (पुराना नं० 14, 14-ए
14 बी०) कनिंगहम रोड, सिविल स्टेशन बैंगलूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज
नं० 2614/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 4-11-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री विलियम सेंट जान मारले लेट मरियल आगनेस
फिलिप्स की वसीयत का निष्पादक, 14, रेस्ट हाउस फ्रेसेन्ट, बैंगलूर
(अन्तरक)

2. श्रीजी० रामय्या रेड्डी 2. आर० गुरु रेड्डी 3. राघवरेड्डी
4. आर० दशरथ 5. जी० रामय्य रेड्डी एण्ड सन्स, 157,
डोमलूर, बैंगलूर-7 (अन्तरिती)

3. कमाडिंग आफिसर नं० 11, मैसूर बी० एन० एन०
सी० बैंगलूर (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सी० नारायण 2. श्रीमती सी० नारायण 3. एस०
डब्ल्यू 4. मानियम 15, 16 और 17 कनिंगहम रोड, बैंगलूर
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन एतद्वारा
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 15, 16 और 17, (पुराने नं० 14,
14ए और 14बी०) कनिंगहम रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर 1,
डिविजन 591

क्षेत्रफल 60165 वर्ग फीट

इमारत : ग्राउन्ड फ्लोर—151.90 स्क्वयरस (नक्शे के अनुसार
फस्ट फ्लोर—10-80

सीमा :—

पूर्व : नं० 2, कनिंगहम फ्रेसेन्ट जो बोम्बेली महाराज का है।

पश्चिम :— नं० 15, कनिंगहम रोड जो मिस ला
फ्रेनेस का है।

उत्तर :— नं० 6 (पुराना 3 ए०) कनिंगहम फ्रेसेन्ट
जो लेट डाइसवर्त का है।

दक्षिण :— कनिंगहम रोड

दस्तावेज नं० 2614/74-75 तारीख 4-11-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 29-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक, 4 जून 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3021/74-75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 60 & 61 है, जो छारलेस क्याम्पबेल रोड, काकस
टोन, बैंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-
नगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2237/74-75 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1.) श्री बी० एस० सुन्दरमूर्ति ट्रस्ट द्वारा न्यासी (2.) नीलवेनी
अम्माल, 25 अन्नस्वामी मुदलियार रोड, बैंगलूर। (3.) श्रीमती
बी० ए० कृष्णमूर्ति, नं० 11, आसबर्न रोड, सिविल
स्टेशन, बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्रीर लीलावती W/O के० रनगन्ना 17 डामोदर मोदलियार
स्ट्रीट, अलसूर, बैंगलूर। (अन्तरिती)

3. (1.) डाक्टर जी० एल० शिरुनवुक्करसु

(2.) पी० राणा (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वो मंजिला मकान नं० 60 और 61 जो छारलेस क्याम्पबेल
रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलूर में स्थित है।

सीमा :— पूर्व नं० 59 छारलेस क्याम्पबेल रोड (80
फीट)

पश्चिम :— नं० 62, छारलेस क्याम्पबेल रोड (81' 5")

उत्तर :— छारलेस क्याम्पबेल रोड (81 फीट)

दक्षिण :— नं० 6, अब्दुल हफीफ़ रोड, (65 फीट)

क्षेत्रफल :— 5840 वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 2237/74-75 ता० 30-9-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

दिनांक : 4-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

एनेक्सर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 18 जून 1975

निर्देश सं० -III-88/अर्जन/75-76/367—यतः मुझे,
ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जमशेदपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन तारीख 10-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) जैनाब बीबी जीजे स्व० सैयद हसन अली (2)
एसैद अबिद अली एवं सैयद लियाकत अली बल्दान स्व०
सैयद हसन अली, 29, सक्की नई प्लानिंग एरिया थाना
सक्की, टाउन जमशेदपुर (4) आईसा खातून जीजे अब्दुल सुभान,
41, टी० आर० टाईप गंडक रोड थाना सक्की, टाउन जमशेदपुर
(5) कविज फातिमा जीजे अब्दुल हुसैन, 15 अम्बागन रोड, सक्की
थाना सक्की, टाउन जमशेदपुर (6) जुबैदा बेगम, जीजे स्व०
इस्माइल ताल घाट शीला, थाना घाट शीला जिला सिधभूमि (6)
नूर जहाँ जीजे सलाउद्दीन, अहमदी मंजिल, अम्बागन रोड, सक्की,
थाना सक्की, टाउन जमशेदपुर, सभी जिला सिधभूमि के
निवासी हैं। (अन्तरक)

(1) म० सिद्दीक हुसैन बल्द स्व० देलवर हुसैन (2)
स्व० म० इलियास बल्द स्व० जिन्नत हुसैन, चकुलिया, थाना चकु-
लिया, जिला सिधभूमि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष्य
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक पक्का दो मंजिला मकान जो 0.086 एकड़ जमीन
पर सक्की नई प्लानिंग एरिया में स्थित है और जिसका
प्लॉट नं०-29 है जो शहर जमशेदपुर में है तथा दस्तावेज
दिनांक 10-10-74 में वर्णित है।

ज्योतिन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख : 18-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1975

निदेश सं० -VI/15/13ए०—यतः मुझे, जी० बी०

झाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिवगिरिपट्टी गांव में भूमि जिसका सर्वे सं० 103/2बी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-1 पलनि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री वेंकटसुब्बरामस्वामी वानवरायर और
मुत्तुकुप्पन सतियवेल वानवरायर (अन्तरक)

(2) श्रीमती एल्लम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिवगिरिपट्टी गांव में एक एकर का भूमि जिसका सर्वे सं० 103/2-बी०। (डाकुमेंट सं० 696/74)।

जी० बी० झाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 12-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-VI मद्रास।

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1975

निदेश सं० -vi /15/13बी०—यतः मुझे, जी० बी०
झाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० सिवगिरिपट्टि गांव में भूमि जिसका सर्वे सं० 103/2बी० है तथा जो पलनि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस०आर०ओ०-पलनि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वैकटसुब्ब रामस्वामि वानवरायर और मुत्तु-
कृष्ण सनियवेल वानवरायर (अन्तरक)

(2) कुमारी कृष्णवेनि अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिवगिरिपट्टि गांव में एक एकड़ का भूमि जिसका सर्वे सं० 103/2बी०, (डाकुमेट सं० 697/74)।

जी० बी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास।

तारीख : 12-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1975

निदेश सं० VI /15/13सी०—यतः मुझे जी०बी० झावक
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० सिवगिरिपट्टि गांव में भूमि जिसका सर्वे सं०
 103/2 बी० है में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 जे०एस०आर०ओ० पलनि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
 बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
 1922 (1922 का 11) या उक्त
 अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम

की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
 व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वेकटसुब्ब रामस्वामी वानवरायर और मुत्तुकुशन
 सनियबेल वानवरायर।

(अन्तरक)

(2) ए० के० एन० दुरैसामि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सिवगिरिपट्टि गांव में एक एकर का भूमि जिसका सर्वे सं०
 103/2बी०।

(डाकुमेंट सं० 698/74)

जी० बी० झावक
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 12-6-1975
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० तारापूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरोजनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 12 जून 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० IX / 7/79—यतः मुझे, जी० बी० सावक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० डोर सं० 4 वासु स्ट्रीट किलपाक मद्रास 10 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० -II मद्रास
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 14-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-136GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, किलपाक वासु स्ट्रीट डोर सं० 4 में 2 ग्राउंड और
1440 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)
(आर० एस० सं० 154)

जी० बी० सावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती नमिता चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती बीना ए० हिरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

मद्रास, दिनांक, 12 जून 1975

निर्देश सं० 9/7/82/74-75---यत : मुझे, जी० बी०
झाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8/1 विक्टोरिया क्रीसेन्ट रोड, मद्रास-8
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० पश्चिम
मद्रास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 29-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास-8, एगमोर, डोर सं० 8/1 विक्टोरिया क्रीसेन्ट रोड
(टी० सर्वे सं० 1633/1 ए०) भूमि में 928/6557 स्क्वियर फीट
का अधिभू भाग और कस्तूरी मेन्शन पहला फ्लोर में प्लेट
सं० तीन (1298 स्क्वियर फीट)

जी० बी० झाबक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-6-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1975

निर्देश सं० 9/7/129—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० पालयम्कोट्टे गांव में भूमि, जिसकी सर्वे० सं० 679-4-0 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०, मद्रास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ए० तन्वैया नाडार; पी० करुप्पैया नाडार और ए० पी० धर्मराज (अन्तरक)

2. श्री धन सिंह; सुबसिंह, गुणसिंह, विजय सिंह, राजा सिंह, और राजेन्द्र सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालयम्कोट्टे गांव में भूमि जिसकी सर्वे० सं० 679-4-0 (डाकुमेंट सं० 3022/74-जे० एस० आर० ओ०, मद्रास)

जी० वी० झाबक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास-I

तारीख : 12-6-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1975

निर्देश सं० 9/7/130—यतः मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पालयम्कोट्टे गांव में भूमि और मकान जिसका सर्वे० सं० 679-4-08 है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मद्रास (डाकुमेंट सं० 3023/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ए० तन्वैया नाडार ; पी० करुप्पैया नाडार और ए० पी० धर्मराज (अन्तरक)

2. श्री धन सिंह, सुबसिंह; गुणसिंह; विजय सिंह; राजासिंह और राजेन्द्र सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालयम्कोट्टे गांव में मकान और भूमि जिसकी सर्वे० सं० 679-4-08 (डाकुमेंट सं० 3023/74-जे० एस० आर० ओ० मद्रास)

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 12-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 32/75-76—यतः मुझे, के०
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 8-2-351 बंजाराहिल्स है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती फरीदुन्नीसा बेगम 76, फेरफील्ड बेगमपेट,
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री लारवीचन्द सुराना, 14-2-332/18 ग्यान बाग,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 8-2-351 का निचला भाग, जिसका क्षेत्रफल 900 वर्ग गज है जो रोड़ नं० 3, बंजाराहिल्स हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 14-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 35/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3-6-222 हिमायतनगर है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुलाम दस्तगिर फजील 2. गुलाम कादर 3. गुलाम
गीस-तमाम निवासी 5-3-18 गोसा महल, हैदराबाद (अन्तरक)

2. 1. एम० ए० अलीम 2. एम० ए० सलीम, 3. एम० ए०
नईम, 4. ए० नौहत फातिमा पत्नी एम० ए० हाई, निवासी
5-9-303 गन फाऊन्डी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति-घर नं० 3-6-222—हिमायतनगर, हैदराबाद विस्तृत
1750 वर्ग यार्ड

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 14-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक, 17 जून 1975

सं० आर० ए० सी० 40/75-76—यतः मुझे, (के० एस०
वेंकटरामन)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 3-6-119 और 120 है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पकसुल्लाना बेगम के० 10-2-289/19 शनती-
नगर हैदराबाद (अन्तरक)

2. लायाकुनीसा नं० 74-ए हुमायुनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद।

दिनांक : 17-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज का कार्यालय

हैदराबाद दिनांक, 17 जून 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 37/75-76—यतः मुझे (के० एस० वेंकटरामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-322/28 और ऊमाबारा नामपती है जो है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सितारामबुवाल 2. राजशंकरबुवाल 6-3-1090
सीमाजीगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री रामदेव जनगप्पा जी० 5-8-322/28 ऊमाबारा
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 17-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद का कार्यालय

दिनांक, 14 जून 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 340/7576—यतः मुझे (के०
एस० वेंकट रामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० बाग 8-2-351 बनजारादिल है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात :—

6-136GI/75

1. श्री फरीदुनसा बेगम पती मुहम्मद परानुला 76-वेरफील्ड
बेगमपे हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री बदमबड़ी मुराना पती लकीचन्द मुराना रामानवारा
कालोनी 14-2-332/18 हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति बास नं० 8-2-351 रोड़ नं० 3 बंजारा हिल्स हैदरा-
बाद विस्तृत-1520 वर्ग मीटर

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद ।

दिनांक : 14-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना का कार्यालय

दिनांक, 13 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/अक्तूबर 74/अहमदनगर/204/75-76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० श० क्र० 494 है तथा जो केडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री माहनी गोविंद मोडवे
() श्री रंगनाथ गोविंद मोडवे
() श्री श्रीधर गोविंद मोडवे सभी रहनेवाले केडगांव, ता० अहमदनगर, जिला अहमदनगर (अन्तरक)

2. नियोजीन शिवाजीनगर गृह-बांधणी सोसायटी, केडगांव, अहमदनगर (अन्तरिती)

चीफ प्रमोटर :—श्री प्रभाकर दिनकर देशपांडे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन—सं० क्र० 494 मेंसे पश्चिम के तरफ केडगांव, जि० अहमदनगर

क्षेत्रफल हे० आर०

6 70

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1487 अक्तूबर 1974 में सब रजिस्ट्रार अहमदनगर में दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 13-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जून 1975

सं० आर० ए० सी० 33/75-76:—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है,) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बाग 8-2-351 बनजाराहील है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) परीकुवसा बेगम पत्नी महमद परात हुला 76-पैर पिल्ड -बेगम पट हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) पंण सनरावी पती विरेन्द्रमार सन्गवी भार्कत सुराना बेगम बजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बाराधर नं० 8-2-351 और जमीन 1100 बर्ग यार्ड रोड नं० 3 बनजारा हील हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 13 जून 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/अक्टोबर-74/अहमदनगर :—यतः
मुझे, एच० एम० औलख आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त
अधिनियम, कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० क्र० 3575 है तथा जो अहमदनगर में
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) दि अहमदनगर इमारत कंपनी लि० अहमदनगर,
प्रेसिडेंट श्री श्रीधर रंगनाथ नांबोली, अहमद-
नगर चेयरमैन (डायरेक्टर बोर्ड) श्री मदन-
लाल मुलचन्द सोनी अहमदनगर (अन्तरक)
- (2) श्री सीताराम भगवान सहाय खंडेलवाल नाथीदास
गली, अहमदनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वाडे नं० 6, म्यु० नं० 7293, सि० सं० नं० 3575
इस जायदाद में से कंपनी के रजिस्टर की दुकान जागा
रं० नं० 111, 112, 113, और पिछवाडा 155 दुकान
जागा क्षेत्र :- 26'. 3" + 14' × 27'. 6" + 14'

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1528 अक्टोबर 1974
में सब रजिस्ट्रार अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।

एच० एस० औलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज पूना

तारीख : 13-6-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 17-6-1975

सं० आर० ए० सी० 36/75-76:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-8-322/4 और 7 नामपली है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 29-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सीताराम बुपाल और (2) के० राजेश्वर
बुपाल 6-3-1090/ए सीमा जी गुडा हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री ई० रामा रेड्डी 5-8-322/4 ऊमाबरा नामपली
मकान नं० 5-8-322/4 हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 5-8-322/4 और 7 ऊमाबरा नामपली हैदरा-
बाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-6-75
मोहर :

आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय,

पुना, तारीख 16-6-1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/चोपड़ा / आक्टोबर 74/ 206/ 75-76:—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी संख्या गट नं० 81 है तथा जो देवगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चोपड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्मरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधी निम्नलिखित व्यक्तियों,

(1) श्री पंढरीनाथ सुपडू तोतले चोपड़ा, जि०-जलगांव (अन्तरक)

(2) श्री पद्मनाथ तथा पद्माकर नथुवाणी डांभूर्णी, जि० जलगांव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्वतंत्र शेषजमीन गट नं० 81, मौजे देवगांव, ता० चोपड़ा, जि० जलगांव क्षेत्रफल:— हे आर 4ब -25 कुआ और इलेक्ट्रीक पंप सहित

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 964, आक्टोबर 74 में सब रजिस्ट्रार, चोपड़ा के अप्पतर में लिखा है]

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 16-6-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-6-1975

सं० आर० ए० सी० 38/75-76:—यतः मुझे, के० एस० बेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-8-322/3 और 8 उमाबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री सीताराम बुपाल (2) के० राजेश्वर बुपाल
6-3-1090 सीमाजी गुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री गनदम टकिशना 5-8-322/8 उमाबाग
बामपली हैदराबाद (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-6-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जून 1975

सं० आर० ए० ए० सी० 39/75-76:—यतः मुझे,
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5-8-322/5 और 6 ऊमाबाग है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सीताराम बुपाल (2) के० राघेश्वर बुपाल मकान
नं० 6-3-1090 सीमाजीगुडी हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री ई० कुधारेडी 5-8-322/5 ऊमाबाग
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद् द्वारा कार्यवाहि शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-6-75

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 जून 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3116/74-75:—यतः

मुझे, आर० क्रिष्णमूर्ति आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 73 है, जो मठदहल्ली, यशवन्तपुर होब्ली, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर नार्थ तालुक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—136GI/75

(1) श्री पी० ननजप्पा सपुत्र लेट श्री पापय्या होसटल्ली, माजडि रोड बेंगलूर सिटी । (अन्तरक)

(2) श्री बी० क्रिष्ण रेड्डी सपुत्र लेट डोड्डवैरप्पा 49/2, सिर वेरोड, बेंगलूर मिटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 83, 4 एकड़ 4 गुनटे, मठदहल्ली, यशवन्तपुर होब्ली, बेंगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं० 4110/74-75 तारीख 11-10-74 ।

आर० क्रिष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 5-6-1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 जून 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3117/74-75:— मतः

मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 83 है, जो मठदहल्ली, यशवन्तपुर होब्ली बंगलूर नार्थ तालुक 4 एकड़ 30 नटे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं० 4110/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-10-1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री पी० ननजप्पा सपुत्र लेट पापप्पा होसहल्ली, मागडि रोड, बंगलूर सिटी । (अन्तरक)

(2) श्री के० प्रभाकर रेड्डी सपुत्र बी० कृष्ण रेड्डी 49/2 सिरसी रोड, बंगलूर सिटी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 83, 4 एकड़ 30 गुनटे, मठदहल्ली, यशवन्तपुर होब्ली बंगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं० 4111/74-75 तारीख 11-10-74 ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-6-75

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर 5 जून 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3229/74-75:-- यतः
मुख्य, आर० क्रिष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सैट नं० 10 (पुराना नं० 21) आधा
भाग जो केमग्रिज रोड, अलसूर, बंगलूर-8 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर
दस्तावेज नं० 2444/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
19-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री लीला मेरी आन पैस (2) हुनरी जेकब
पैस, 37, बेनसन क्रॉस रोड बंगलूर-46।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एच० एस० यशोदा 12/40, उदनी
ले आऊट, केमग्रिज रोड अलसूर, बंगलूर-8।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आगे:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 10 (पुराना नं० 21) आधा भाग
केमग्रिज रोड, अलसूर, बंगलूर - 8 में स्थित है।
पूर्व-पश्चिम :- 44 फीट
उत्तर-दक्षिण :- 110 फीट
क्षेत्रफल : 4840 वर्ग फीट
दस्तावेज नं० 2444/74-75 तारीख 10-19-74

आर० क्रिष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-6-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 मई 1975

निदेश सं० अमृतसर/83/75-76:— यतः मुझे,
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम',
कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो तरनतारन रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर,

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गुरदियाल सिंह सपुत्र श्री भोला सिंह कूचा,
तम्बाका कूटे, ढाब बस्ती राम, अमृतसर ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रकाश कौर विधवा श्री भोला सिंह
कूचा तम्बाका कूटे, ढाब बस्ती राम, अमृत-
सर ।
(अन्तरिती)
- (3) श्री जी० एस० चड्ढा मार्फत चड्ढा राइस मिल्स
तरनतारन रोड, अमृतसर । (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में एवि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में बर्ण-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2519 अक्टू-
बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-5-75
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/ 84 / 75-76 :— यतः मुझे
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो तरनतारन रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गुरदीप सिंह सगुन श्री भोला सिंह
कूचा तम्बाका कूटे, ढाब बस्ती राम, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर विधवा श्री भोला सिंह
कूचा तम्बाका कूटे, ढाब बस्ती राम, अमृत-
सर।
(अन्तरिती)

(3) श्री जी० एस० चट्ठा मार्फत चट्ठा राहस मिल्ज
तरनतारन रोड, अमृतसर। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2518 अक्टू-
बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-5-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई 1975

निदेश नं० अमृतसर/ए० पी० - 85/75-76:—यतः
मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो कपूर रोड अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पुनर्ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा की (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री लक्ष्मी नारायण सपुत्र गोकल चन्द नागपाल
कपूर रोड, अमृतसर । श्री कैलाश नाथ, अमरनाथ,
प्रवेश चन्द्र सपुत्रान श्री बाल मुकुन्द, न्यू मिसरी
बाजार अमृतसर । (अन्तरक)

(2) मैसर्ज धनपत राम एण्ड सन्ज, 29 हास बाजार
अमृतसर द्वारा श्री धनपतराम सपुत्र मियां दास
कुलजीत कुमार, सुभाष चन्द्र सपुत्रान श्री धनपत
राम । (अन्तरिती)

(3) सम्पत्ति में रहने वाले किराएदार (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कपूर रोड, अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 2542 अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश नं० अमृतसर /86/75-76:—यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो फ्रैन्ज कालोनी टेलर रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री वर्णन सिंह सपुत्र श्री करम सिंह वासी कटड़ा करम सिंह, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कृष्णावती पत्नी श्री ओम नाथ, सुदर्शन कुमार, जवाहर लाल, मधुसूदन सपुत्रान श्री ओम नाथ, कटड़ा शेर सिंह, (अव 13 चन्द्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर) (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फ्रैन्ज कालोनी टेलर रोड अमृतसर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2297 अक्टूबर, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-5-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 मई, 1975

निर्देशन० अमृतसर / 87/75-76:—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो, हाईड मार्केट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री वसन्त कुमार सपुत श्री किशन चन्द 6/हाईड मार्केट, अमृतसर । (अन्तरक)
- (2) श्री रत्न चन्द सपुत श्री हरी चन्द वासी लारेंस रोड, राधा स्वामी रोड, अमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) सेंट्रल बैंक आफ इंडिया अमृतसर । दोआबा ट्रेनिंग कारपोरेशन तथा श्री भूपिन्द्र सिंह सपुत हरबंस सिंह तथा कोई दूसरा किराएदार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची.

सम्पत्ति हाईड मार्केट अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2450 अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 मई, 1975

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई 1975

निदेशनं० अमृतसर/88/75-76:—पतः मुखे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

भूमि है तथा जो गांव बग्गा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—136G1/75

- (1) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह वासी बग्गा तहसील अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री गुलजारसिंह सपुत्र प्रीतम सिंह, पुरन कौर पत्नी श्री दीदार सिंह वासी जोड़ सिंह वासा तहसील पट्टी। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में मचापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1846 अक्टूबर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पट्टी में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31/5/75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई, 1975

निर्देश नं० बी० टी० डी०/ 89/ 75-76:—यतः मुझे बी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मानसा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टू-
बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री शामलाल, सुरिन्द्र कुमार सपुत्र रलदू
राम चौधरी सपुत्र श्री रामसरन दास वासी जवाहर
के रोड मानसा । (अन्तरक)

(2) श्री नौहर चन्द सपुत्र श्री मनीराम सपुत्र
श्री सरभामल श्री सतपाल, श्री अमृतपाल सपुत्र
श्री नौहर चन्द सपुत्र श्री मनीराम, कलाय मरच-
न्टस, नजदीक मन्दिर, मानसा मण्डी, मानसा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3493 अक्टू-
बर, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 31-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई, 1975

निर्देश नं० अमृतसर/90/75-76:— यतः मुझे, बी०

भार० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हाल बाजार अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बुध सिंह सपुत्र श्री करम सिंह, राम गली, चौक पासियां, अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्री विश्वामोहन सेठ सपुत्र श्री लछमन दास सेठ हाल बाजार, अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) श्री विश्वामित्र सुखदेव सिंह, शादी लाल, पुरुषोत्तम दास, श्रीमती सुरिन्द्र पुरी तथा दूसरे किरायेदार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 526, 527, तथा 474, 475, तथा 58, 59, 60, 61, /1-1 हाल बाजार अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 2494 अक्टूबर, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

बी० भार० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31-5-75

निदेश नं० बी टी डी / 91/75-76 :—यतः मुझे, बी०
आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो पुराना सट्टा बाजार
भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेज राम सपुत्र श्री गोपीराम तथा श्री सीताराम
सपुत्र श्री तेज राम वासी जैतो । (अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्रीपाल सिंह कृष्ण
काटन कैक्टरी, भटिंडा । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० बी-एक्स/300 पुराना सट्टा बाजार भटिंडा
में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4272 अक्टूबर, 1974
की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई 1975

निदेश नं० भटिंडा / 92/75-76:—यतः मुझे, बी०
आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।
की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो पुराना सट्टा बाजार भटिंडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तेजराम सपुत्र श्री गोपी राम तथा श्री सीता
राम सपुत्र श्री तेज राम वासी जैतो।
(अन्तरक)

(2) श्री पाल सिंह सपुत्र श्री रोशन सिंह वासी भटिंडा
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० बी-एक्स / 300 पुराना सट्टा बाजार
भटिंडा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 4280 अक्टू-
बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 मई 1975

निदेश सं० फग०/93/75-76 :—यतः मुझे, वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मोहल्ला किशनपुर
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रहमन सिंह सपुत्र श्री जगत सिंह रामगढ़िया
मोहल्ला किशनपुरा, फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्री लछमन सिंह सपुत्र श्री ज्वाला सिंह वासी
फगवाड़ा। (अन्तरिती)

* (3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1324 अक्टू-
बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 मई 1975

निदेश नं० फगवाड़ा / 94/75-76:—यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मोहल्ला किशनपुरा
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रदुमन सिंह सपुत्र श्री जगत सिंह रामगढ़िया
मोहल्ला किशनपुरा, फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती जोगिन्द्र कौर सपुत्री श्री मिर्खा सिंह
सपुत्र श्री मेहताब सिंह वासी फगवाड़ा।
(अन्तरिती)

* (3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* (4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1300 अक्टू-
बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 मई, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 मई 1975

निदेश नं० बटाला / 96 / 75-76 :— यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो फैजपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अवतू-
बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री अजीत सिंह सपुत्र श्री नत्था सिंह गांव फैजपुर तहसील
बटाला (अन्तरक)
2. श्री वेद प्रकाश सुदर्शन कुमार सपुत्र श्री तारा चन्द
बासी बटाला (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3925 अवतूबर 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31-5-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 मई, 1975

निर्देश सं० बी० टी० एल०/97/75-76—यतः मुझे बी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है और जो फैजपुर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

9—136GI/75

1. श्री अजीत सिंह सपुत्र श्री नत्या सिंह गांव फैजपुर सहसील बटाला (अन्तरक)
2. मैसर्स प्रीतम सिंह देस राज फैजपुर रोड, बटाला (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3849 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 31-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 29/75-76—यतः भस्मे के०
एस० वेकट रामन

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14/12 एण्ड 15/1 धर्मापली रोड है जो अनन्तापुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सन्यासरायन पिता ननजपा (2) श्रीमती बी० लक्ष्मय्यमा जिनयपली रावु अनन्तापुर (अन्तरक)
2. श्री यम-नारायन रेड्डी पिता बालानारायन नाथुपन-पली राय-मदीरा तालूक अनन्तापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एस० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 26-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 26/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसको सं० 9-1-127/4 पेस० डी० रोड है, जो
सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम 1961
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये
था, छिपान में सुविधा के लिए सुकर बनाना ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सी० जानम्मा (2) सी० श्रीराम भूपाल,
(3) रगुराम भूपाल (4) सी० रामेश्वर रेड्डी (5) श्रीमती
पी० जानकीदेवी 23/1, सिकन्द्राबाद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती यन-जयादेवी (2) कुमारी यन परनीता
(3) कुमारी यन-भारीरता (4) कू०-यन-सीता नं० 9-1-
127/4 यस डी रोड सिकन्द्राबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1975

निर्देश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-563(189)/18-5/
74-75—यतः मुझे पी० एन० मिसल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
से अधिक है (और जिसकी सं० वार्ड नं० 3, सिटी सर्वे नं० 451
पैकी है तथा जो उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृता
अधिकारी के कार्यालय, सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-10-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री भाईलाल केशवलाल वोरा
(2) श्रीमती मूरीबेन केशवलाल
(3) श्रीमती कीनाबेन इन्दुलाल मेन वाजार
सुरेन्द्रनगर । (अन्तरक)
2. मे० सद्गुरु इन्डस्ट्रीज, भागीदार काशीलाल
सोमचन्दभाई गोवानी, गुनवन्तराय सोमचन्दभाई गोवानी
उद्योग नगर, सुरेन्द्रनगर (अन्तरिती)
- (3) श्री (1) मे० सद्गुरु इन्डस्ट्रीज, सुरेन्द्रनगर (2)
मे० गुरुदेव एण्ड हजीनियर्स
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति, जमीन तथा बान्धकाम सहित जमीन का
कुलमाप 8051 वर्ग गज जिस में से 468 वर्ग गज बांध
काम, जो वार्ड नं० 3, सिटी सर्वे नं० 451 पैकी, जो
उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर में स्थित है ।

पी० एन० मिसल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद ।

तारीख : 26-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 मई 1975

निर्देश सं० राज/स० आयु० अर्जन/240—यतः मुझे,
एस० आर० वैश्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 17 ए० है तथा जो इण्डस्ट्रियल
एरिया श्रीकरनपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय श्रीकरनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री चाननमल 2. श्रीमति
जडियादेवी पत्नि श्री चाननमल, 3. श्रीमति शारदा देवी
पत्नि श्री रामगोपाल अग्रवाल । (अन्तरक)

(2) 1. श्री श्यामसुन्दर पुत्र श्री चौधमल अग्रवाल एवं
अन्य नीलम थियेटर श्रीकरनपुर के भागीदार 2. श्री गोपाल
पुत्र श्री अर्जनदास 3. श्रीमति रामकली पत्नि श्री ओमप्रकाश
4. श्रीमति संतोष कुमारी पत्नि श्री रतनलाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल एरिया श्रीकरनपुर जिला श्रीगंगानगर स्थित
प्लॉट नं० 17 ए० पर जमीन एवं इमारत ।

एस० आर० वैश्य,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-5-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 मई 1975

निर्देश नं० 8-टी०/अर्जन—अतः मुझे बिशम्बर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० के०-52/43 है तथा जो मो० दारा नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मृत्युन्जन प्रसाद सिंह व अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री तिरबेनी देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मजिल मकान नं० के०-52/43 जो कि मोहल्ला दारा नगर जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 19-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) डा० ग्रामन्द प्रकाश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हाजी जमीर अहमद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

लखनऊ, दिनांक 24 मई 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश नं० 1-जेड/अर्जन--अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० -- है तथा जो ग्राम निघड़ा तह० काशीपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

आराजी भूमि जिसका रकबा 11.58 एकड़ है।
जो कि ग्राम निघड़ा तह० काशीपुर जिला नैनीताल में स्थित
है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 24-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1975

निर्देश नं० 43-ए०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० --- है तथा जो ग्राम कुरैय्या डा० दरऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तह० हलदावनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्षिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती नानकी बाई (अन्तरक)

(2) श्री अगरेज सिंह व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजी भूमि जिसका रकबा 64 बिघा 16 बिस्वा (कच्चा बिघा) है। जो कि ग्राम कुरैय्या डा० दरऊ तह० किष्ठा जिला नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 20-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 28/75-76—यतः मुझे,
के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 107 पार्कलेन है

जो सिकिन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सिकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-10-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—136 GI/75

(1) 1. श्री राजेन्द्रा प्रसाद 2. श्रीमती शकुन्ताला देवी,
3. श्रीमती दापी बाई 4. उमादेवी, 4. कुमारी निरमल
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) 1. श्री विमल कुमार, 2. कैलास कुमार जी० पी०
ये० श्रीमती केसरी बाई 3. अमयरता बाई 4. मनजुला
बाई हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समपत्ती—घर नं० 107 पार्क लेन सिकिन्द्राबाद दिग्गती
नं० 908 वर्ग-गार्ड।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 26-5-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1975

सं० 38 बी अर्जन —यतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० डी०-53/10/बी० है तथा जो मी० लक्ष्मा में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 19— $\frac{10}{11}$ —1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती शान्ति पाल व अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री वलराम नाग व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जमीन न० डी० 53/10/बी० जिसका क्षेत्रफल
4700 वर्गफीट है जो प्लॉट न० 76/1 का आंशिक भाग है। मो०
लक्ष्मा शहर वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख :— 15-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्री बलराम नाग व अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई, 1975

निर्देश सं० 38/बी०अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डी०-53/101 है तथा जो चेतगडा मौ० लक्स में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बालकृष्ण सिंह

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक क़िता मकान दो मंजिला नं० डी०-53/101 चेतगडा मोहल्ला लक्सा शहर वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री भैरव दत्त सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भूपेन्द्र सिंह व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

लखनऊ, दिनांक 19 मई 1975

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश नं० 39-बी०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० — है तथा जो मो० बनकटवा निकट
सरस्वती शिशु मन्दिर गोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय गोन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-10-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम,
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

एक किता मकान रकबा 121' × 32' 6" 3932½
वर्ग फिट है। जो कि मो० बनकटवा निकट सरस्वती शिशु
मन्दिर जिला गोन्डा में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 19-5-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मिथलेश कुमारी व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुनील कुमार व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1975

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

निर्देश नं० 66-एस०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान 1, 2, 3, 4, है तथा जो मो०
रेलवे गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हरदोई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

मकान 1, 2, 3, और 4 का 2/3 भाग जो कि मोहल्ला
रेलवे गंज हरदोई में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जसमेर कुमारी व अन्य (अन्तरक)

(2) श्री विजय पाल सिंह रस्तोगी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 मई 1975

निर्देश नं० 13 वी०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० 4 है तथा जो किससैल छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 4 जिसका कुल आराजी 3977 वर्ग गज 7 वर्ग फिट है। जो कि किसरौल छावनी जिला मुरादाबाद में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 19-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती छोहड़ी कुंवरी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम शंकर पान्डे व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1975

निर्देश नं० 45-आर०/अर्जन—अतः मुझे बिशम्बर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० — है तथा जो बहोरवां प्र० सिकन्दरपुर
बलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
रसड़ा बलिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय जमीन जो मौजा बहोरवां प्रगना
सिकन्दर पुर जिला बलिया में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख : 15-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री द्वारिका प्रसाद कसुरी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री लाल जी जयसवाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश नं० 18-एल०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-7/32 है तथा जो बारा हरा भेलूपुर वार्ड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी है के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान तीन मजिल नं० बी-7/32 जिसका रकबा 2618-8 वर्ग फिट है। जो कि मोहल्ला बारा हरा भेलूपुरा वार्ड जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 17-5-1975
मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 27/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1-11-251 बेगमपेट है, जो हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं :—

11—136 GI/75

(1) श्री गोबिन्दबई बिनानी पत्नी गंगादास बिनानी
नं० 59 काटन गली कलकता नं० 7 (अन्तरक)

(2) श्री मैदम येलथ्या गुपता 16-2-140/4 दयानंद
नगर मलकपेट हैदराबाद (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति : नं० 1-11-251 रहने का बसती गृहा विस्तार :
1258 वर्ग यार्ड बेगम पेट में हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 26-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 31/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2-19-धरमारम है, जो नैजामाबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 28-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्ता—

(1) मैसर्स सबिनेनी राइसमिल (1) येस बुलम्या
(2) येस चिन्या (3) येम पापया (4) येम् मिनेसल
तमाम धरमावरम निजामाबाद तालूक (अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीभाग्या लकशमी रैस मिल (1)
इरकुला इश्यया (2) आई० शंकरय्या (3) आई० इशवरया
(4) आई० वेनकटेशम (5) कापरती विरेशम तमाम रहते हैं
धरमावरम में निजामाबाद तालूक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी,
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति : मैसर्स श्री भाग्या लकशमी रैस मिल धरमा-
वरम नैजामाबाद "तालूक" (बनगला, काली जगा गोडौन
विस्तर्तन : 10263 वर्ग मिटर) ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 26-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 25/75-76—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 6-1-277/4 पदमाराव नगर है, जो
सिकिन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिकिन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पलारेन्त वायलेट डि० प्रासा (2) हरेस
हटीवेल टी प्रारसर पदमाराव नगर में रहते हैं सिकिन्द्राबाद
(अन्तरक)

(2) श्री (1) दी० कलावती (2) बी० मनी (3)
टी० कला कुमारी एच० नं० 6-1-277/4 पदमाराव नगर
सिकिन्द्राबाद मिरस भी० गोमस 6-1-277/4 सिकिन्द्राबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : नं० 6-1-277/4 पदमाराव नगर सिकिन्द्राबाद।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 26-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई 1975

निर्देश सं० अ० ई० 11/1072/2833/74-75—अतः
 मुझे एम० जे० माथन सहायक
 आयकर अधिनियम 1961 (1961
 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
 अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 87, सर्वे नं० 244
 है, जो 21 बजाज रोड, विसूपारले (पश्चिम) बम्बई-56 में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाजी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार
 बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन 15-10-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
 के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
 या धन-कर अधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
 चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ए० आर० पटेल और डि० आर० पटेल
 मेसर्स डि० आर० पटेल और कं० के० भागीदार
 (अन्तरक)

(2) लक्ष्मी निवास नं० 1 को० आ० हाऊसिंग सोसायटी
 लिमिटेड, किराएदार
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
 भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो बजाज रोड, विले
 पारले (पश्चिम) बम्बई में रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा और
 बम्बई उपनगर जिला में स्थित है और माप में 646 वर्गगज
 समकक्ष 540-139 वर्ग मीटर या आसपास फाइनल टाउन
 प्लानिंग स्कीम के अनुसार और उक्त स्कीम के अंतर्गत मूल
 प्लॉट के अनुसार 685 वर्गगज समकक्ष 572-749 वर्ग-
 मीटर जिसके साथ में निवास गृह वाटिका या इनारत जो
 वहापर स्थित है और बम्बई यु० म्यु० कारपोरेशन द्वारा के
 वार्ड नं० 8370(1) और 8370 (2ए०) और गलोह नं०
 34 और 35 नये नं० 21 और 21 ए० सर्वेक्षण नं० 244
 जिसका मूल प्लॉट नं० 87 और फायनल प्लॉट नं० 87
 विले पारले, टी० पी० स्कीम नं० 6 के अंतर्गत निर्धारित है,
 और इस प्रकार से घिरा है: उत्तर की ओर से श्री पारीख
 की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ओर से श्री कनाकिया
 की जायदाद द्वारा, पूर्व की ओर से कस्तूरवाडी के नाम से
 शात जायदाद द्वारा, पश्चिम की ओर से बजाज रोड द्वारा।

एम० जे० माथन,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज 2, बम्बई।

तारीख: 7 मई 1975
 मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मई 1975

निर्देश सं० अर्जन/71/मवाना/74-75/405—अतः मुझे
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मौहल्ला
कल्यान सिंह, मवाना मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मवाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जयन्ती प्रकाश पुत्र श्रीराम नि० कावतो मेऽ
खुद व मुख्तारग्राम श्री जयन्ती प्रसाद नि० 917/39 ए०
/7-एच० धरमपुरा, गान्धी नगर दिल्ली-31, और शान्ती प्रसाद
नि० अखण्ड आश्रम ऋषिकेश तह० ऋषिकेश जि० देहरादून,
पुत्र श्री मुकुन्दलाल (अन्तरक)

(2) श्री मती चमेलीरानी पत्नी श्री जगदीश प्रसाद,
मवाना कलां, ग्राम कल्यान सिंह, पर० हस्तनापुर, तह०
मवाना, जि० मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति जिसमें 8 कमरे और बरामदा बने हुए हैं।
जो मौहल्ला कल्यान सिंह मण्डी एरिया तह० मवाना जिला
मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण 45000 रु० में किया
गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 20-5-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 3/एस० आर० 4 कैल०/75-76
—अतः मुझे एस० एस० इनामदार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० पी०-120, सी० आई० टी०, स्कीम,
6-एम० है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीआल्दाह, 24 परगना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16 अक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महादेव गांगुली, 23 जुगल किशोर वास
लेन कलकत्ता-6 (अन्तरक)

(2) श्री प्रणब घोष एवं दीलीप कुमार घोष 49,
बद्रीदास टेम्पल स्ट्रीट, कलकत्ता-4 (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

5 कट्टा 12 छटांक एवं 24 स्कवैर फीट जमीन सं०
पी०-120 सी० आई० टी० स्कीम, 6-एम० कलकत्ता।

एस० एस० इनामदार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5,
54, रफी अहमद क्विडवाई रोड,
कलकत्ता-160

तारीख : 17-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/11/820/74-75/
266—यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उत्तिन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 10 है, जो साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 26-10-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सुन्दर लाल एडवोकेट, पुसुपुत्र श्री नथू मल,
40, वाजीर बाग, श्रीनगर, काश्मीर (अन्तरक)

(2) श्री शिव दयाल मलिक, सुपुत्र श्री जेठा नंद,
18/31, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

(3) मै० गोकल चन्द रतन चन्द एण्ड कं० (प्रा०)
लि० (2) श्री आर० एस० मेहरा (3) श्री बी० एन०
सहगल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
अनुसूची

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुमंजीली जायदाद जो कि भूमि कि लोसहाल्ड प्लाट पर
जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है तथा नं० 10, साउथ
पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न सिमाओं से घिरा है :—

पूर्व : सरकारी बनी जायदाद।

पश्चिम : सरकारी बनी जायदाद।

उत्तर : सड़क।

दक्षिण : लेन।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11 अप्रैल 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/826/75(76/279)—यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०-53 है, जो किर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-10-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बंज नाथ, सुपुत्र श्री हरी चन्द, ई-53, किर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर, पत्नी एस० अरजन सिंह, 43/17, पंजाबी बाग, नई दिल्ली अब ई-53, किर्ती नगर नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसमें 3-कमरे एक ड्राईंग, जाईनिंग, रसोई, बाथ, लैंड्रीन बिजली पानी और फलश सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध है जोकि एक फोहोल्ड प्लॉट नं० ई०-53, है तथा जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, जोकि किर्ती नगर के गांव बसाए, दारापुर, म्युनिसिपल कारपोरेशन दिल्ली की सीमा के अन्दर है और जिसकी सीमाएँ निम्न प्रकार से है:—

पूर्व: प्लॉट नं० ई०-54 पर मकान

पश्चिम: प्लॉट ई०-51/52

उत्तर: सविस् लेन

दक्षिण: सड़क

सी० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 11 अप्रैल 1975

मोहर:

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मई 1975

निर्देश सं० राज० आयु० हसहायक अर्जन/237—यतः
मुखे वी० पी० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए०-30 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9 अक्टूबर 1974
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12 -136GI/75

(1) श्री कन्हैया लाल बराया पुत्र श्री भौरी लाल
बराया खण्डेलवाल ए०-45, शान्ति पथ, तिलक नगर, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती (1) मैनादेवी पत्नि श्रीरामेश्वर लाल
जोहरी निवासी दोलतगंज, लणकर (खालियर) (मध्यप्रदेश)
(2) श्रीमती उमादेवी पत्नि श्री सत्यनारायण जोहरी निवासी
दोलतगंज, लणकर, खालियर (म० प्र०) (अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित/
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए०-30, रमनमार्ग मोती डूंगरी स्कीम, जयपुर
प्लॉट का क्षेत्रफल 1495.3 वर्ग गज । निमित्त क्षेत्र
सहित ।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख : 3-5-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 5 बम्बई

बम्बई 5, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/182/11/75-76—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पांच बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 104 (नया) प्लॉट 2 और 10 है, जो कांजूर गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1974 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री रतनसी करसनदास और अन्य (अन्तरक)
- (2) श्री केशवनन्दन सहाया और अन्य (अन्तरिती)
- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री सरदार प्रतापसिंग लक्ष्मीदास
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के खाली पड़े प्लॉट के वे सभी टुकड़े जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) का गांव कान्जूर भाण्डूप (अभी बृहतर बम्बई में) पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में एक भाग है जिसका बम्बई महानगर निगम द्वारा स्विकृत निजी नक्सा योजना का प्लॉट नं० 2 और 10 है और माप में 29 26-25 वर्गमीटर (3500 वर्गगज) और 2508-39 वर्गमीटर (3000 वर्गगज) क्रमशः है और उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० 104 (नया अंश) की जमीन द्वारा दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 11 द्वारा पूर्व की ओर से प्लॉट नं० 3 और 4 फीट चौड़े निजी मार्ग और उसके बाद उक्त योजना के प्लॉट नं० 4 द्वारा और पश्चिम की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 1 और 16 द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 5 बम्बई।

तारीख : 30-4-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रतनसी करसनदास और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पांच बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/184/13/75-76—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 7 (जून) है, जो कान्जूर न्हिलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-करी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री सरदार प्रतापसिंग लक्ष्मीदास इस्टेट इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के खाली पड़े प्लॉट के वे सभी टुकड़े जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) गांव कान्जूर भाण्डूप (अभी बृहतर बम्बई) पहले रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर और अभी रजिस्ट्रेशन उपजिला और बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में एक भाग है जिस निजी नक्शा योजना का प्लॉट नं० 7 बम्बई महानगर निगम द्वारा स्विकृत है और माप में 2533.46 वर्गमिटर (3030 वर्गगज) क्रमशः है और पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 180 हिस्सा नं० 5 द्वारा पश्चिम की ओर से 44 फीट चौड़े निजी मार्ग और उसके बाद उक्त योजना के प्लॉट नं० 13 और 14 द्वारा दक्षिण की ओर से प्लॉट नं० 8 द्वारा और उत्तर की ओर से उक्त योजना नं० सी० टी० एस० नं० के प्लॉट नं० 6 द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5 बम्बई।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1975

सं० आर० ए० सी० 30/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन नं० 14/12 और 15/1 चेन्नमपली है,
जो अननतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अननतापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री ए० सत्यानारायन राव, पिता ननजपा और
(2) बी० लक्ष्मम्मा, पत्नी रामपा चिनम पली शाड अननतापुर
तालुक (अन्तरक)

(2) श्री नासम नागी रेडी ली बालनारायन नमनमपली गाँव
अमलाडाईन, मैदिरा ताड़पात्ती, तालुक, जिला अननतापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद ।

तारीख : 26-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री रतनसी करसनदास और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री सरदार प्रतापसिंग लक्ष्मीदास इस्टेट इन्वस्टीज
प्रा० लि० (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पांच, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो:—

निर्देश सं० अ० ई० 5/185/14/75-76—अतः मुझे
ज० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज पांच बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 8 (जून)
है, जो कान्जूर व्हिलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16-10-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों
अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के खाली पड़े प्लॉट के वे सभी टुकड़े जो सर्वेक्षण
नं० 104 (नया) गांव कांजूर भाण्डूप (अभी बृहतर बम्बई)
पहले रजिस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर और
अभी रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई, नगर
और बम्बई उपनगर में एक भाग है, जिसे निजी
नक्शा योजना का प्लॉट नं० 8 बम्बई महानगर
निगम द्वारा स्वीकृत है और माप में 2508-39 वर्ग मीटर (3000
वर्ग गज) है और पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 180 हिस्सा नं० 5
की जमीन द्वारा, पश्चिम की ओर से 44 फीट चौड़े निजी मार्ग
और उसके बाद उक्त योजना के प्लॉट नं० 14 और 15 द्वारा,
दक्षिण की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 7 द्वारा और उत्तर
की ओर से उक्त योजना नं० सी० टी० एस० नं० 9 द्वारा
घिरा हुआ है।

ज० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

2. श्री सरदार प्रताप सिंह लक्ष्मीदा इस्टेट इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अ०ई० 5/186/15/75-76—अतः मुझे जे०एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पांच बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० प्लॉट नं० 104 (नया) प्लॉट नं० 18 है जो कांजूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतनसी करसनदास और अन्य (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के खाली पड़े प्लॉट का सभी टुकड़ा जो सर्वेक्षण नं० 104 (नया) गांव कांजूर, भाण्डूप (अभी बृहतर बम्बई) पहले रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में एक भाग है जिस निजी योजना का प्लॉट नं० 18 बम्बई महानगर निगम द्वारा स्वीकृत है और भाग में 2508-39 वर्ग मीटर (3000 वर्ग गज) या आसपास है और पूर्व की ओर से उक्त योजना में प्लॉट नं० 12 और 13 द्वारा पश्चिम की ओर से जंगलमंगल रोड द्वारा, दक्षिण की ओर से उक्त योजना के प्लॉट नं० 19 द्वारा और उत्तर की ओर से उक्त योजना नं० सी० टी० एस० नं० के प्लॉट नं० 17 द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 5 बम्बई।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सहायक आयुक्त अर्जन/233—यतः मुझे
वी० पी० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1 अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

1. सर्वश्री छगन लाल पुत्र श्री चुष्ठी लाल (2) कालीचरण
पुत्र श्री मानक चन्द (3) स्वलाल पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द
(4) जयनारायण पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण (5) श्रीमती
फूल देवी पत्नी श्री दुर्गा प्रसाद जी निवासी वारहगणशौर
का रास्ता चोकडी विश्वेश्वर जी जयपुर। (अन्तरक)

2. सत्यभामा गोयनका पत्नी श्री कृष्ण लाल गोयनका वेश्य
अग्रवाल निवासी 51-रामचन्द्र लेन मलार बम्बई-64
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

देवीकुंज, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम जयपुर का उत्तरी
पूर्वी कोने का एक प्लॉट। प्लॉट का क्षेत्रफल 90' × 100'।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 29 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० राज० सं० आयुक्त अर्जन/234—यतः मुझे,
वी० पी० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी०-61/ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम', 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारायण दास चन्दनानी पुत्र स्व० श्री रालू-मल 505-आदर्श नगर जयपुर (अन्तरक)

(2) सर्वश्री भगवती प्रसाद अग्रवाल (2) वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल (3) सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल (4) प्रदीप कुमार अग्रवाल द्वारा उसके पिता एवं संरक्षक श्री श्रीगोपाल अग्रवाल निवासी सी०-18 सवाई जयसिंह हाइवे जयपुर डाकतता-राजस्थान इन्डस्ट्रीज 126, इन्डस्ट्रीयल एरिया झोटवागा जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माधोसिंह सैकिल, स्कीम ई० बनीपार्क जयपुर स्थित प्लॉट नं० डी०-61/ए जिसका कि क्षेत्रफल 1169 वर्ग गज है मय उक्त प्लॉट के साथ लगी जमीन की स्त्रीय जिसका क्षेत्रफल 474 वर्ग गज है।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० राज० सं० आयुक्त अर्जन/235—यतः मुझे,
बी० पी० मिस्तल

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 20 बी है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31 अक्टूबर 1974

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सहायता :—

13-136GI/75

(1) श्री केशरी सिंह मेहरा पुत्र श्री गोरधन प्रसाद
निवासी छावनी कोटा (अन्तरक)

(2) श्री गोपाल कृष्ण सेनी पुत्र श्री गुरु चरण दास
सेनी निवासी ग्राम अडीला, पोस्ट बलकासा तहसील केशवराय
पाटन जिला बूंदी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिविल लाइन नयापुरा स्थित प्लॉट नं० 20 बी मय
उस पर निर्मित मकान जो मालती निवास के नाम से जाना
जाता है।

बी० पी० मिस्तल,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 30 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० राज०स०आयु०अर्ज/236—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सत्य प्रेम कुमारी पत्नी श्री जैशामराज आफ मैसूर द्वारा मुख्तार खास श्री महेन्द्र सिंह पुत्र स्व० श्री हरि सिंह जी आफ अचरोल, हरिभक्त जैकब रोड, सिविल लाइन, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री अंगदराज निवासी ग्राम लीलानवाली जिला श्रीगंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैकबरोड, सिविल लाइन चौकड़ी हवाली शहर जयपुर स्थित मैसूर हाऊस का प्लॉट नं० 6 कुछ निमित्त क्षेत्र सहित। प्लॉट का क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 30-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 7 मई, 1975

निर्देश सं० एल०डी०एच०/सी०/445/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सिनेमा मार्ग लुधियाना पर नौलखा थियेटर मशीनरी, ईमारत, कैप्री रेस्टोरेण्ट और नौकरों के कमरों का 1/64 भाग है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इकबाल कौर बेदी पत्नी कंवर सुरिन्द्र सिंह बेदी, निवासी जलन्धर शहर (अन्तरक)

2. श्री इन्द्र सिंह नलवा पुत्र श्री नरायण सिंह नलवा 330, नलवा रोड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिनेमा मार्ग लुधियाना पर नौलखा थियेटर सारी मशी-नरी, ईमारत, कैप्री रेस्टोरेण्ट और नौकरों के कमरों का 1/64 भाग।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6141, अक्टूबर, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 7-5-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई, 1975

निर्देश सं० एयू०-23-1-483(178)/1-1/74-75—

यतः मुझे, जे० कथूरिया

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 96/2, एस०पी० नं० 3, एफ० पी० नं० 234, टी०पी० एस० नं० 20 है तथा जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-10-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सविताबेन चिमनलाल पटेल, पटेल चैम्बर्स, कामर्स कालेज, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9 (अन्तरक)

(2) नील कमल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कामर्स कालेज के पीछे, नवरंगपुरा, अहमदाबाद, निम्नलिखित द्वारा :—चेयरमैन :—श्री रेवाशंकर हरमोहनदास पंड्या, अमरीश सोसायटी, राणीय, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

(3) श्री रणछोड़ लाल शंकरलाल पटेल चांदलोडिया अहमदाबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 418 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 96/2, सब प्लॉट नं० 3, फायनल प्लॉट नं० 234 तथा टी० पी० स्कीम नं० 20 है और कोचरब अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 8-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई, 1975

निर्देश सं० एक्यु० 23-1-484(179/1-1/74-75—
यतः मुझे, जे० कथूरिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 517-2बी० टी० पी० एस०
नं० 3 है तथा जो नेहरू ब्रिज के निकट, आश्रम रोड, अहमदा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 24-10-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे घटने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स साधु राम गोरधनलाल फर्म के हेतु तथा
उसकी ओर से—(1) श्री साधुराम बी० अंदाजी, (2) श्री
गोरधनलाल एस० अंदाजी, (3) श्री किशनलाल साधुराम
अंदाजी, (4) कुमारी भाग्यवती एस० अंदाजी, नेताजी क्लार्क
मार्केट, कालूपुर, कोटनीरांग, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) मैसर्स राजेश ट्रेडिंग कंपनी, लालभुवन वसंत चौक
बैंक आफ महाराष्ट्र के निकट, भद्र, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका आफिस नं० ए-55 है और
जो कैपिटल कामिथियल सेन्टर की चौथी मंजिल पर ब्लॉक
ए में स्थित है और जिसका फायनल प्लॉट नं० 517-2-
बी०, टी० पी० एस० नं०-3 है और जो नेहरू पुल के निकट
आश्रम रोड, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 8 मई, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 फरवरी 1975

निदेश सं० ए०सी०क्यू० 23-1-386(139)/1-1/74-75-

यतः मुझ, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 4023, म्युनिसिपल सैंसस नं०
1344/1, 1344/2, 1344/10, 1344/11, 1344/12,
1344/13, 1345 है, तथा जो कराका कम्पाउण्ड, कालुपुर वार्ड-
3, सलापस रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी का कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती चान्दन बेन जमशेदजी कराका, सुखशांति
नवरोजी हाल के निकट शाहीबाग अहमदाबाद

(2) सर्वोदय कमर्शियल सेंटर शाप्स एण्ड आफिस
ओनर्स एसोशिएशन के हतु तथा उसकी ओर से उस के प्रमुख
पटल मोहनभाई जोइताराम, 9, स्वाती सोसाइटी नवरंगपुरा,
अहमदाबाद-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 860 वर्ग गज
और जिसका सर्वे 4023 म्युनिसिपल सैंसस
नं० 1344/1, 1344/2, 1344/10, 1344/11, 1344/12,
1344/13 तथा 1345 है, और जो कराका कम्पाउण्ड, सलापस
रोड, कालुपुर वार्ड-3, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 मार्च, 1975

निर्देश सं० आर०ए०सी०-145/74-75—यतः मुझ, के०
एस० वेंकट रामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 11-2-555/2 आगापुरा है, जो हैदराबाद
में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 26-10-1974
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साहबजादा मीर अहमद अलीखान, 11-2-
555/2 आगापुरा, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती इखबाल बेगम 11-2-555/2 आगापुरा
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—घर नं० 11-2-555/2 का भाग जो आगा-
पुरा, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं० 208/ए०सी०क्यू० 23-367/74-75—यतः
मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 59 टीका नं० 18 है, तथा जो केर-सास्प रोड, लुन्सी कुई, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-10-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ठाकोर भाई केवलराम पटेल शिवदास जवेरी
पोल, सगरामपुरा, सूस्त (अन्तरक)

(2) श्री अंबिका एपार्टमेंट को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से उसके प्रेसीडेंट :—छगनलाल जीवनजी पटेल, सैक्रेटरी : धीरूभाई मणीभाई नाईक देना बैंक के सामने, टावर रोड, नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 59 टीका नं० 18 जिसका कुल माप 855 वर्ग मीटर, जो केरसास्प रोड, लुन्सी कुई, नवसारी जिला बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अक्टूबर 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2575 और 2576 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 20-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

(1) 1. Sri G. Ramachandra Rao, 2. Sri G. Satyanarayana
3. G. Tammeswara Prasad—Being or by guardian
father G. Ramachandrarao, Rajahmundry.

(अन्तरक)

(2) Sri Kotla Venkatarajamaj.
Partner in M/s Kotla Venkataramaiah & Co.,
Penugonda.

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 1st March 1975

Acq. File No. 164/74-75/J. No. (380)/74-75.—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Door No. S. 91 Korukollu Panchayat, Gummaladoddi है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kakinada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

14—136GL/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

East Godavari Dist.—Rajahmundry Taluk Korukonda Sub—Registrar Korukonda Samiti—Gummaladoddi Panchayat area—Gummaladoddi village M/s Sri Ramakrishna Sugars Khandasari Mills—Panchayat Board—Door No. S. 91—Tiled House—Shed with all its construction etc.

BOUNDARIES

East: Sugar Mill of S. Ramakrishnaiah.
South: Tank Bund
West: Public Road.
North: Rinta.

K. SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 1-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 5th May 1975

Acq. File No. 195/74-75/J. No. I(KR.381/74-75).—

यतः, मुझे, Saroj Kumar

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं०

27-21-18, Kaleswara Rao Road, Governorpet, VZA-2.

है और इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-1974
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
होया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा
269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) Sri Vempati Subbarama Sarma, Mudunivari St. Near
Urvasi Talkies, Gandhinagar, Vijawada.

(अन्तरक)

(2) Sri Uppalapati Satyanarayana Raju, Sri Pandurganga,
Printing Works, Kaleswara Rao Road, Governorpet,
VZA.

(अन्तरिती)

(3) 1. Neekkanti Venkatanarayana, Cement Dealer, S. K.
Mohiddin, Street, Arudhalpet, Vijawada-2. 2. P.
Subramanyam, C/o M. Srinivasa Rao Durga Cafe
Kaleswara Rao Rd Governorpet, VZA-2. 3. Kodali
Madusudana Rao, Lakshmi Enterprises, Block
Making business, Museum Rd, VZA-2.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) Sri Bommisetty Narayana Murthy
Sri Durga Coffee Genl. Stores, Besant Road, VZA-2.

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The property schedule as per the sale deed dt. 11-10-74
vide document No. 3639 dt. 19-10-74 of the SRO, VZA.

SAROJ KUMAR,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

Kakinada

Date: 5-5-75

Seal:

प्ररूप आइ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1975

निदेश सं० ए० सी०-4/अर्जन) आर०-V /75-76/362---

अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसी सं० 202/3 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस
रोड कलकत्ता-47 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-9-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र मोहन राय, 397, जी० ब्लाक, न्यू आसिपुर,
कलकत्ता-53।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरजू देवी, 1/76 नाकतला, कलकत्ता-47।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस सं० 202/3 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड,
कलकत्ता-47 में 10 कट्टा परिमाण जमीन और उस पर मकान।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

तारीख : 2-6-1975

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, दिसम्बर, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1975

सं० एफ० 7/1/75-ई I (बी) :— भारत के राज-पत्र दिनांक 5 जुलाई, 1975 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या 12, दिनांक 27 मई, 1975 के अनुसार नेशनल डिफेंस एकेडेमी के थल, जल और वायुसेना पक्षों में प्रवेश हेतु, जुलाई, 1976 से प्रारंभ होने वाले 56वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, तथा त्रिवेन्द्रम में 16 दिसम्बर, 1975 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केंद्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को समय सारिणी तथा परीक्षा के स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा II (देखिए उपाबंध ii पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या थल सेना के लिए 163, नौसेना के लिए 32 तथा वायु सेना के लिए 55 होगी।

इन संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जनवरी, 1958, से पूर्व का तथा 1 जुलाई, 1960 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को मनी ऑर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीऑर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीऑर्डर के स्थान पर पोस्टल ऑर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबंध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) मुख्यालय बंगाल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैट/पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल

प्रदेश एरिया, अम्बाला कैट/उत्तर-प्रदेश एरिया, बरेली/मध्य प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बम्बई/तमिलनाडु, कर्नाटक तथा केरल एरिया, सेंट टामस माउंट, 101 कमान जेड एरिया केम्प आफ 99 ए० पी० ओ०।

- (ii) मुख्यालय, इलाहाबाद सब-एरिया, इलाहाबाद/बम्बई सब-एरिया, बम्बई/लखनऊ, सब-एरिया, लखनऊ/मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पुणे सब-एरिया, पुणे/कलकत्ता सब-एरिया, कलकत्ता/एम० पी० सब-एरिया, भोपाल/जालन्धर सब-एरिया, जालन्धर/कर्नाटक सब-एरिया, बंगलौर/आन्ध्र सब-एरिया, सिकन्दराबाद/बिहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, दीनापुर/अम्बाला सब-एरिया, अम्बाला/देहरादून सब-एरिया, देहरादून/तमिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, मद्रास/उत्तरी बंगाल सब-एरिया/21 सब-एरिया 31, 41 तथा 51 सब-एरिया/मुख्यालय 61 स्वतंत्र सब-एरिया।
- (iii) स्टेशन मुख्यालय-बंगदुबी बागडोगरा (प० ब०) पठानकोट, श्रीनगर (ज० तथा क०), धर्मनगर, आसाम, गोहाटी।
- (iv) सभी भर्ती कार्यालय।
- (v) फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौ-सेना कमान, बम्बई।
- (vi) फ्लैग अफसर कमांडिंग, दक्षिणी नौ-सेना एरिया, कोचीन।
- (vii) फ्लैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापट्टनम्।
- (viii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, कलकत्ता।
- (ix) नेवल अफसर-इन-चार्ज, गोआ।
- (x) नेवल अफसर-इन-चार्ज, मद्रास।
- (xi) नेवल अफसर-इन-चार्ज, अंजमान तथा निकोबार।
- (xii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, काठियावाड़।
- (xiii) वायु सेना मुख्यालय (पर्सनल अफसर 3), नई दिल्ली।
- (xiv) सभी नेशनल केडेट कोर यूनिटें।

वायु सेना के भर्ती कार्यालय :—

- (क) द्वारा एयर फोर्स स्टेशन, नई दिल्ली-3।
- (ख) 48 मैसफ्रील्ड रोड, अम्बाला कैट।
- (ग) मुकजी कैम्प, कानपुर कैट।
- (घ) पश्चिमी बंगाल जोन, ओएसिस नं० 3, एन० एस० सी०, बोस रोड, पो० रिजेंट पार्क, कलकत्ता-40।
- (ङ) निरंजन विल्डिंग (चौथी मंजिल), 99 मेरीन लाइन्स। (पश्चिम), मेरीन लाइन्स रेलवे स्टेशन के सामने, बम्बई-2।
- (च) वायु सेना स्टेशन, तार्वरम (मद्रास)।

- (छ) नं० 1 कबूत रोड, बंगलौर-1 ।
 (ज) असम जोन, ऊज्जैन बाजार, गोहाटी ।
 (झ) अनुग्रह नारायण पथ, कदम कुआं, नया एरिया,
 पटना-3 ।
 (ञ) ओल्ड पाली रोड, जोधपुर ।
 (ट) वायु सेना स्टेशन, बेगमपेट, सिकंदराबाद ।
 (ठ) वायुसेना भर्ती दफ्तर, भुवनेश्वर ।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, विसम्बर, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, विसम्बर, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 1 सितम्बर, 1975 (1 सितम्बर, 1975 या उसके पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 15 सितम्बर, 1975) को या उसके पूर्व आवश्यक प्रलेखों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट :—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबद्ध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या देरी हो तो उन्हें उपर्युक्त पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित विधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त करने के लिए सामयिक कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट विधि से अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्र के साथ इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उसे एक वस अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाबंध-I के पैराग्राफ 2 तथा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने के सम्बन्ध में उससे प्राप्त किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार जो नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश के लिए मई 1975 में आयोजित परीक्षा में बैठा हो अब यहाँ अधिसूचित परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा परिणाम या नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि यह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह मई, 1975 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर एकेडेमी में प्रवेश के लिए अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध I के पैरा 4 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता, बशर्ते कि उम्मीदवारी को रद्द करने और शुल्क की वापसी का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1 मार्च, 1976 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।

एभ० एस० प्रुथी
 उपसचिव,

संघ लोक सेवा आयोग, नि० द० श०
 उपाबंध-1

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या स्टेट बैंक आफ इन्डिया नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्टों द्वारा भुगतान करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, किसी अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. थल सेना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों, नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों के अफसरों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायु-सेना में उनके समकक्ष रैंकों के अफसरों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों के भूतपूर्व अधिकारियों और भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में उनके समकक्ष रैंकों के अधिकारियों के बच्चे यदि निम्नलिखित शर्तें पूरी करते हैं तो उन्हें निर्धारित शुल्क नहीं देना होगा।

- (i) यदि वे मिलिटरी स्कूलों (पहले जिनका नाम किंग जार्ज स्कूल था)/सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों में पढ़ रहे हैं तथा
- (ii) उनके आवेदन-पत्र सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रसारित किए जाते हैं कि उन्हें लिखित प्रपत्र पत्रों के कुल अंकों में से कम से कम 30 प्रतिशत अंक मिलने की आशा है।

3. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रजनन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवंबर, 1964, को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

4. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4, 00) की राशि वापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि अधिसूचना के पैराग्राफ 8 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर रद्द कर दिया जाए कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 9 में की गई व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस परीक्षा से संबंधित नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित विधि द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जाएगी।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र और पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। जो आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा होगा उसे रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र और पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अन्तिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में बा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहे उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 1 सितम्बर, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान, एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो, उसे अपना आवेदन-पत्र संबंधित विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संकशन 'बी') को भर कर आयोग को भेज देगा।

थल सेना, नौसेना या वायु सेना में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग अफसर की मार्फत भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संकशन 'बी') को भर कर आयोग को भेज देगा।

भारत नौसेना के नाविकों (बाल एवं शिप्सी अटेंडेंसों सहित) को अपनी प्रथम वरीयता भारतीय नौसेना के लिए ही देनी चाहिए। उनके आवेदन-पत्रों पर तभी विचार किया जाएगा जबकि वे उनके कमांडिंग अफसरों द्वारा विधिवत् अनुशंसित हों।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालेज (जिसका नाम पहले सैनिक स्कूल था), देहरादून, के कैडेट, मिलिटरी स्कूलों (जिसका नाम पहले किंग जार्ज स्कूल था) तथा सैनिक स्कूल सोसाईटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों के विद्यार्थी अपने आवेदन-पत्र संबंधित कालेज/स्कूल के प्रिंसिपल की मार्फत भेजें।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्थापित वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अन्तिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

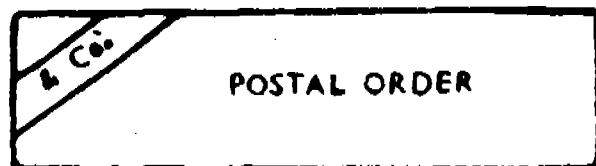
- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबन्ध I) ।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iii) ईश्विक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां ।
- (v) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 5) ।
- (vi) शुल्क की माफी से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता होता हो (देखिए नीचे पैरा 6) ।

नोट :—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मर (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही भेजें और वे प्रतिलिपियां सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभि-प्रमाणित हों अथवा उम्मीदवार द्वारा स्वयं सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सफल घोषित हो जाएंगे उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने के शीघ्र बाद ही उपर्युक्त मूल प्रमाण-पत्र भेजने होंगे। परीक्षा परिणाम के मार्च, 1976 में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद इन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं कर पाते उनके उम्मीदवारी रद्द की दी जाएगी और ये उम्मीदवार आगे विचार किए जाने का बाधा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण नीचे दिया गया है और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 5 और 6 में दिया गया है :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टर आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



और इस प्रकार भरा जाए :

Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

समस्त पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किए बिना या सचिव संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल पोस्ट आफिस में देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहा हो, वह निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाएँ और उनसे कहें कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051—Public Service Commission Examination fees" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेज दे।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्रों में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजने में असमर्थ हो तो उसे उसके न भेजे जाने का उचित स्पष्टीकरण भी अवश्य देना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ पैरा 3 (iii) के नीचे दिए गए नोट में निर्धारित फार्म पर उस संस्था के प्रिंसिपल/हेडमास्टर से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा में बैठा हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी आयु जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि यथाशीघ्र प्रस्तुत करनी होगी। यदि आगे चल कर उसके द्वारा आवेदन-पत्र में लिखी गई जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष प्रमाण-पत्र में दर्ज की गई जन्म की तारीख से भिन्न पाई गई हो और इस बारे में संघ लोक सेवा आयोग के लिए संतोषजनक प्रतीत होने वाला कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो, तो उसे अनर्ह घोषित कर दिया जाएगा।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—**उम्मीदवार को अपने किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि अधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि नहीं भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य ऐसा साक्ष्य भेजना चाहिए जो वह प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस साक्ष्य पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो, अथवा वह इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है किन्तु उसे संबद्ध विद्यालय के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें भी परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी। इन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी यदि वे परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी, और हर हालत में 30 जून, 1976 तक प्रस्तुत नहीं करते हैं तो रद्द कर दी जाएगी।

ऐसे उम्मीदवारों को चाहे वे इस परीक्षा के लिखित भाग में सफल हों या न हों, अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-उपर्युक्त तारीख तक प्रस्तुत करना होगा। यदि वे इस अनुदेश का पालन नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तथा वे अपना परीक्षा परिणाम जानने के अधिकारी नहीं होंगे।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

*प्रमाणित किया जाता है कि श्री-----

सुपुत्र श्री-----

द्वारा संचालित-----परीक्षा

में—मास, 19—में
बैठने वाले/बैठ* चुके हैं।

2. **विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज उनकी जन्म की तारीख—है। इस तारीख की स्थानांतरण प्रमाणपत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिल के समय उसकी और से प्रस्तुत किए गए विवरण से पुष्टि कर ली गई है।

(प्रिसिपल/डीन/रजिस्ट्रार* के हस्ताक्षर),

तारीख—
स्थान—

(कालेज/विश्वविद्यालय/संस्था* का नाम),

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० X 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नट्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (II), 3 (III), और 3 (IV), में लिखे प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हो, तो यह आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3 (iii) के नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के समय उन प्रलेखों में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियां उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे निर्दिष्ट है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में

15—136 GI/75

प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री—

सुपुत्र श्री—

जो गांव*/कस्बा—जिला*/

मंडल—राज्य*/संघ राज्य

क्षेत्र—के निवासी

हैं—जाति*/जन जाति के हैं, जिसे अनु-

सूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950/संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950/संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951/संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951 के अधीन अनुसूचित जाति*/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (बाबरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (बाबरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री—

और★/या उनका परिवार आम तौर से गांव /कस्बा—

—जिला★/ मण्डल—

—राज्य★/सब राज्य क्षेत्र

में रहते हैं।

राज्य

हस्ताक्षर—

संघ राज्य क्षेत्र

**पदनाम—

स्थान—

(कार्यालय की

तारीख—

मुहर सहित)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "आम तौर से रहते हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्ज़्यूटिव असिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम श्रेहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रैवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर वहां उन्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डैवलपमेंट अफसर (लक्षद्वीप)।

6. (i) उपाबन्ध-I के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रवाजन कर भारत आया है:—

(1) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाबन्ध-I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबन्ध-I के पैरा 3 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे इंडियन मिलिटरी एकेडेमी में प्रशिक्षण के लिए अपना चयन होने जाने के बाद अभीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-पत्र भरते समय कोई भी त्रुटि ब्यौर न दें और न ही किसी आवश्यक सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण दिया जाए।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछले पांच वर्षों में ली गयी परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006, के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग "सी०" ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्फ़िसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन अधिकारियों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने दो विनिबंध (Monographs) प्रकाशित किए हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है। इन विनिबंधों को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार उन बुद्धि परीक्षणों से परिचित हो जाएं जो सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं।

1. पी० आर० डब्ल्यू०-I तथा पी० आर० डब्ल्यू०-II वाले बुद्धि-परीक्षण बी०टी०आई० का फ़ॉर्म।

2. पी०आर०डब्ल्यू० 24 तथा आई०एस०पी० 45 वाले बुद्धि-परीक्षण बी०टी०आई० का फ़ॉर्म।

ये विनिबंध समूह्य प्रकाशन हैं और इनकी विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, "सी०" ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग नई दिल्ली (110001) (ii) प्रकाशन शाखा का सेल काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली (110001) और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौर अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

1. परीक्षा का नाम.....
2. परीक्षा का महोना और वर्ष
3. रोल नंबर (यदि रोल नंबर उम्मीदवार को सूचित नहीं किया गया हो तो उम्मीदवार की जन्म की तारीख).....
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में).....
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता.....

ध्यान दें :—जिन पत्रों आवि में यह ब्यौर नहीं होगा हो सकता है उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए।

यदि आयोग द्वारा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवार ने परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद अपने पते में परिवर्तन किया है तो उसे लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद, बदले हुए पते के बारे में सेना मुख्यालय ए० जी० ब्रांच, खार० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ब्लाक 3, डिग 1, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली (110022), को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस आवेदन का पालन नहीं करेगा वह, सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त न होने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, किन्तु इस विषय में वे कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते।

15. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए कर दी गई हो उन्हें अपने साक्षात्कार से संबद्ध पूछताछ या अनुरोध, यदि कोई हो, सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०), वेस्ट ब्लॉक-3, विंग 1, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली (110022), को भेजना चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो, उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद, विश्वविद्यालय की परीक्षा की तारीखों के बारे में सेना मुख्यालय को सूचित कर देना चाहिए जो, यदि

संभव हुआ तो, साक्षात्कार की तारीखें निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अंतिम वरीयता सूची में सम्मिलित हों यदि उनके पहले ही दिए गए पते में कोई परिवर्तन हो तो उन्हें योग्यता-क्रम के समाचार-पत्रों में प्रकाशन के तुरंत बाद, सेना मुख्यालय आर० टी० बी०, 6 (एस० पी०) (ए०) (1) वेस्ट ब्लॉक-3, आर० के० पुरम् नई दिल्ली (110022) को अपना नवीनतम पता सूचित करना चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा प्रेषित कार्य भार ग्रहण करने से संबद्ध अनुदेश ठीक समय पर उनके पास पहुंच जाएं। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार ग्रहण करने से संबद्ध अनुदेश प्राप्त न होने की पूरी जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th May 1975

No. 16-17/74-SI.—The President of India, is pleased to appoint Shri M. Ravikant, Assistant Secretary, Indian Pharmacopoeia Committee, Directorate General of Health Services as Deputy Assistant Director General (MS) in the Medical Store Organisation on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 11th April, 1974 at the Govt. Medical Store Depot, Hyderabad and until further orders.

SANGAT SINGH
Dy. Director Admn.

New Delhi, the 1st May 1975

No. 9-26/74-Admn. I.—On attaining the age of superannuation, Shri Karam Chand, Administrative Officer, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 31st March, 1975.

The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. H. Hot Chand to the post of Administrative Officer at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of the 31st March, 1975.

S. P. JINDAL
Dy. Director Admn.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 10th April 1975

No. F. 2 (6)/71-Estt. (I).—Shri K. L. Issar will continue to officiate as Special Officer (Projects), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial) in the scale of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) on *ad-hoc* basis beyond 28th February, 1975 to 30th June, 1975 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

N. K. DUTTA
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 040, the 12th May 1975

No. NFC/Adm./34/19/649.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex appoints Shri S. Lakshminarayana, a temporary Supervisor (Electrical) as Scientific Officer/Engineer-Grade SB, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 17th May 1975

No. NFC/Adm./22/13 (1)/672.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Ch. V. S. N. Sarma, Stenographer (Sr.), to officiate as Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from 5-5-1975 to 23-6-1975 or until further orders, whichever is earlier.

No-NEC/Adm/22/13(1)/ 674 : The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri M.S. Haranadha Sarma, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from 19-5-1975 to 2-7-1975 or until further orders, whichever is earlier.

S P. MHATRE
Senior Admn. Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 21st May, 1975

No. AMD/1/13/74.—The Director, Atomic Minerals Division hereby appoints the following permanent/officiating Sr. Mine Surveyors in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, as Scientific Officers Grade SB (Officer Surveyor) in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of 1st August 1974 until further orders:

1. Shri G. Sen Gupta
2. Shri Ajoy Sarkar.
3. Shri H. S. Mehta.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 3rd May 1975

No. MAPP/3 (341)/67-Adm./P-4901.—Shri N. H. Venkatakrishnan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Maharashtra and officiating Assistant Accounts Officer in the Madras Atomic Power Project is appointed as Accounts Officer with effect from the forenoon of December 27, 1973 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Bombay 400 085, the 26th May 1975

No. S./2939/Estt. V/435.—In continuation of this Research Centre Notification No. S/2939/Est. V/278 dated 18-11-1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Chandra Deva Singh, a permanent Hindi Teacher in the office of the Hindi Teaching Scheme, Ministry of Home Affairs to officiate as Assistant Personnel Officer (Hindi) in the Bhabha Atomic Research Centre for a further period of one year with effect from the forenoon of March 30, 1975.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th April 1975

No. A. 32013/5/73-EC—The President is pleased to appoint the undermentioned officers in the Civil Aviation Department to the post and with effect from the date shown against each on a purely *ad-hoc* basis until further orders :—

S. No.	Name and designation	Post to which appointed	Date from which appointed	Station to which posted
1.	Shri A. Jagdesan Asstt. Tech. Officer	Technical Officer	4.3.1975	A.C.S., N. Delhi.
2.	Shri D. S. Shrivastava Asstt. Tech. Officer	Technical Officer	4.3.1975	A.C.S., Delhi Airport, Palam.
3.	Shri J. C. Gupta Asstt. Tech. Officer	Technical Officer	3.3.1975	A.C.S., Delhi Air port, Palam

No. A-38013/1/75-E. C.—Shri P. C. Saxena, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st March, 1975 (A.N.), on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 1st May 1975.

No. A. 32014/4/73-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistant as Assistant Communication Officer on an *ad-hoc* basis as per the detail indicated against each :—

S. No.	Name and Designation	Station of posting	Date of appointment	Vice
1.	Shri T. V. Natarajan, Asstt. Comm. Officer	A.C.S., Bombay	12.5.74	Shri N. S. S. Money, A.C.O. granted leave for 50 days w.e.f. 12.5.1974.
2.	Shri N. S. Pillai, Asstt. Comm. Officer	A.C.S., Bombay	15.4.74	Shri K. K. Siddhartha, A.C.O. granted leave for 75 days w.e.f. 15.4.1974.

No. A-38013/1/75-EC.—Shri Dalip Singh, Senior Communication Officer in the Office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st March, 1975 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 6th May 1975

No. A-32013/1/74-E.C.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Srivastava, Assistant Technical Officer in Central Radio Stores Depot, New Delhi, as Technical Officer on an *ad hoc* basis for the period from 13-12-1974 to 7-2-75 in the leave vacancy of Shri S. P. Jain, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 24013/98/74-E.C.—The President has been pleased to permit Shri K. Muthukrishnan, Asstt. Comm. Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay to retire from Government Service in terms of the provisions of F.R. 56 (K) with effect from the 31-3-1975 (A.N.).

The 24th May 1975

No. A. 31014/2/75-E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Assistant Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 1st May, 1975 :—

1. Shri B. S. Ahluwalia
2. Shri R. Adishesan
3. Shri B. K. Vatsa
4. Shri P. S. Venkataraman
5. Shri T. R. Shastri
6. Shri M. Aruldoss
7. Shri T. N. Mehta
8. Shri Jia Lal Suri
9. Shri K. Chandra Chudan
10. Shri R. P. Mohindra
11. Shri R. C. Sharma
12. Shri N. R. N. Iyengar
13. Shri C. L. Malik
14. Shri S. Thirumalai

15. Shri H. A. Shetty
16. Shri K. N. S. Mani
17. Shri B. K. Dey
18. Shri A. Shanmugham
19. Shri K. R. Ramanujam
20. Shri O. P. Chhabra
21. Shri V. S. Mitra
22. Shri K. Rangachari
23. Shri M. L. Dhar
24. Shri Venguswamy Subramaniam
25. Shri P. D. Khanna
26. Shri B. N. Chawla
27. Shri S. D. Bansal
28. Shri K. S. Narayanaswamy
29. Shri G. B. Damle
30. Shri H. S. C. Rao
31. Shri S. P. Sahni
32. Shri D. S. Gill
33. Shri Sarwan Kumar (SC)
34. Shri P. V. Subramaniam
35. Shri R. N. Datt
36. Shri R. S. Sandhu
37. Shri S. Rajaraman
38. Shri C. D. Gupta

The 28th May 1975

No. A. 32014/1/74-EC—The President is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officers on a purely *ad-hoc* basis with effect from the date shown against each and until further orders :—

S. No.	Name	Date from which appointed	Aeronautical Communication Station to which posted.
1.	Shri P.K. Sengupta	14-8-1974	A.C.S., Lilabari N. Lakhimpur, Assam.
2.	Shri Manohar Singh	5-4-1975	A.C.S., Kud

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 8th May 1975

No. A-12025/4/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Das Gupta as Pilot in the Calibration Unit, Civil Aviation Department, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the fore-noon of the 28th January, 1975 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

The 24th May 1975

No. A-12025/4/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. B. Mulherkar as Co-Pilot in the Calibration Unit of the Civil Aviation Department Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the fore-noon of the 4th April, 1975 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 15th May 1975

No. A. 31013/3/74-EH.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Thirumalai, Officiating Dy. Director General, in a substantive capacity in the grade of Director of Aeronautical Communication with effect from the 3rd April, 1974, in the Civil Aviation Department.

No. A-31013/4/74-EH.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan Director, Research and Development, in the grade of Director, Research and Development, in a substantive capacity with effect from 22-8-1974, in the Civil Aviation Department.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 5th May 1975

No. A-32013/8/74-EA.—The President is pleased to appoint Shri B. G. Sindhi, Aerodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer in an officiating capacity, in the Civil Aviation Department with effect from the 28th April, 1975 and until further orders. He is posted at Civil Aerodrome, Ahmedabad.

The 7th May 1975

No. A. 26015/1/74-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby appoints Sarvashri K. R. Verma and William Minz to the post of Assistant Aerodrome Officer, Class II, Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 in a temporary capacity with effect from the 1st July, 1974 and until further orders.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi 22, the 10th June 1975

No. A-24015/1/70-EC.—Notice of termination of Service under rule 5 (1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

In pursuance of sub-rule 1 of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri K. S. Chawla, Radio Technician, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him.

G. R. KATHPALIA
Deputy Director General of Civil Aviation
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

India Meteorological Department

New Delhi-3, the 9th May 1975

No. E. (I) 06389.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ram Sanchi, Professional Assistant, Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eightynine days with effect from the afternoon of 7-3-1975.

Shri Ram Sanchi, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi with effect from the afternoon of 7-3-1975.

NOOTAN DAS
Meteorologist
for Director General of Observatories

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
AND CUSTOMS
WEST BENGAL

Calcutta, the 25th April 1975

No. 24.—On abolition of Inspector Group No. 2 of Calcutta IV Division Shri Jajneswar Bhattacharjee, Superintendent, Class II assumed charge of Fort William Range at Konnagore (newly created) under the above Division on 1-3-75 F.N.

No. 25.—On transfer from Dinhata Customs Circle Shri G. L. Bhowmick, Superintendent Class II took over charge of Raiganj Customs Circle on 22-3-75 A.N. vice Shri I. N. Guha, Superintendent, Class II transferred to Dinhata Customs Circle.

No. 26.—On abolition of Inspection Group, Chandernagore Division Shri S. M. Guha, Superintendent transferred to Sahaganj Range under the above Division and took over charge of Sahaganj Range on 19-3-1975 F.N. relieving Shri S. M. Malo, Superintendent, of the additional charge.

N. N. ROY CHOUDHURY
Collector

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE KANNAVARITHOTA

Guntur-4, the 19th March 1975

Central Excise Establishment

No. 1—Shri J. Venkata Rao, permanent Superintendent of Central Excise, Class II, M.O.R. II. Rajahmundry of I.D.O. Rajahmundry has retired from service with effect from 28th February, 1975 A.N. on attaining the age of superannuation.

S. K. SRIVASTAVA
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 28th May 1975

No. 7/1975. —1. Shri K. K. Bhatia, lately posted as Assistant Collector Foreign Post Office, New Delhi, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I, in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi on 16-5-75 (Forenoon).

2. Shri K. K. Sharma, Superintendent of Central Excise, Class II of Allahabad/Kanpur Central Excise Collectorate, lately posted to the Tobacco Excise Tariff Committee, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II, in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi on 17-5-1975 (Forenoon).

B. S. CHAWLA
Director of Inspection.
Customs & Central Excise

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 22nd May 1975

No. 32014/2/70-Adm. V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee 9 (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri A. K. Mukherjee in the grade of EAD/AE/ARO (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200, in an officiating capacity with effect from the 21st December, 1973.

Shri Mukherjee will be on probation in the grade of EAD/AE/ARO (Engg.) for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 23rd May 1975

No. A-19012/207/70-Adm. V.—Consequent upon his promotion on ad hoc basis as Assistant Director, Central Water Commission, New Delhi, Shri R. P. Sawhney, Extra Assistant Director Central Water Commission, New Delhi, relinquished charge of the post of Extra Assistant Director in the Central Water Commission in the forenoon of 18-2-1975.

The 24th May 1975

No. A-19012/540/75-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. L. Mulla, Senior Professional Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Statistics) in the Central Water Commission on ad hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-40-1000-E.B.-40-1200 from 18-2-1975 to 26-4-1975.

Shri M.L. Malla took over charge of the office of Extra Assistant Director (Statistics) Central Water Commission with effect from 18-2-75 (F.N.) and relinquished charge of that post on 26-4-75 (A.N.) reverting to the post of Senior Professional Assistant.

K. P. B. MENON,
Under Secy.
for Chairman, C. W. Commission

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-4, the 15th April 1975

No. A41013(1)/75-Admn./1715.—The Chief Engineer & Administrator, Port of New Tuticorin, is pleased to appoint Shri N. Devarajan, as Fire-cum-Assistant Safety Officer in the Port of New Tuticorin in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st April, 1975, and until further order.

D. I. PAUL,
Chief Engineer & Administrator

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 22nd May 1975

No. GMA/GS/8(Med.)—The following Doctors of this Admn. are confirmed provisionally as Asstt. Medical Officers in Class II service in the cadre of Medical Department of the Chittaranjan Locomotive works with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Design of the post against which provisionally confirmed	Date from which provisionally confirmed	
1.	Dr. A. B. Roy	AMO (Genl)	1-1-66	(FN)
2.	Dr. M. C. Sarkar	AMO (Genl)	1-1-66	(FN)
3.	Dr. D. B. Sen	AMO (Radio-logy)	1-1-66	(FN)

S. C. Misra
General Manager

INTEGRAL COACH FACTORY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

Madras-38, the May 1975

No. P.B./CG/9/Misc. II. — Shri V. Parthasarathy, Officiating Assistant Production Engineer/Planning/Shell (Class II) who has been selected for secondment to Zambia has been relieved on the afternoon of 11-4-1975.

Shri R. C. Tandon, Officiating Additional Chief Mechanical Engineer (S.A.) (Level-II) has been relieved from this Administration on the forenoon of 7-4-1975 and transferred to Southern Railway in the same capacity.

Shri P. V. Ramamurthy, Officer on Special Duty/Coach Manufacturing Project, Izatnagar, reported for duty in this administration on 7-4-1975 F.N. and was posted as Additional Chief Mechanical Engineer (S.A.) (Level-II).

Shri C. S. Venkataraman, Officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) was promoted to officiate as District Controller of Stores/Purchase/Fur. (S.S.) on *ad hoc* basis from 28-4-1975.

Shri S. Balasubramanian, Stores Inspector (Class III) is promoted to officiate as Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) with effect from 28-4-1975.

S. SUBRAMANIAN,
Dy. Chief Personnel Officer
for General Manager

Office of the Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jivanlal Girdharlal and Company Pvt. Ltd.

Ahmedabad, the 19th May 1975

No. 119/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Jivanlal Girdharlal and Company Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

M. V. SHAH,
Registrar of Companies.
Gujarat.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Friend & Co. (Agency) Private Limited.

Calcutta, the 24th May 1975

No. 12000/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Friend & Co. (Agency) Private, Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Overcics Agencies (India) Private Limited.

Calcutta, the 24th May 1975

No. 13450/560 (3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Overcics Agencies (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR,
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal.

Notice under section 445(2) of the Companies Act, 1956

In the matter of M/s. Auto Complex Private Limited. (In Liquidation).

Delhi, the 22 May 1975

Notice under section 445 (2) of the Companies Act, 1956.

No. —By an order of Hon'ble High Court of Judicature of Delhi dated 30/11/1973 in C. P. No. 4 of 1972 it has been ordered that M/s. Auto Complex Private Limited of No. 206, Greater Kailash, New Delhi be wound up.

S. KUMAR,
Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

In the matter of Companies Act, 1956 and Ideal Agents and Distributors Private Limited.

Cuttack, the 1975

No. L. 491/75.—Notice is hereby given pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on—15-4-1975 in Company Act Case No. 5 of 1973 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

In the matter of Companies Act, 1956 and B. Patnaik Mines Private Limited.

Cuttack, dated 1975

No. L. 311/75.—Notice is hereby given pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 9-4-1975 in Company Act Case No. 1 of 1973 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

S. N. GUHA
Registrar of Company,
Orissa.

OFFICE OF THE
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 11th April, 1975

No. E-I/Promotion/ITOs(II)/75-76/837 — The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officers, Class-II in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the date they take over as such :

1. Shri R. P. Sharma.

2. Shri Govind Ram

They would note that they are liable to reversion at any time if after review of the vacancies it is found that the promotion is in excess of the vacancies available.

Consequent upon their promotions, the following postings and transfers are ordered with immediate effect :—

Sl. No.	Name of the Officer	From	To	Remarks
	S/Shri			
1.	R. P. Sharma	Newly appointed I.T.O.	I.T.O., (Org. & Coord-I)	Relieving Shri A.L. Garg of the additional charge.
2.	Govind Ram	Do.	I.T.O., P.S.C-IV	Vice Shri N. K. Jain transferred.
3.	N. K. Jain	I.T.O., P.S.C.-IV.	I.T.O., Distt. II (9)	Relieving Shri K. K. Malhotra of the additional charge.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income Tax

FORM ITNS—

(2) Sada Bahar Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 28th May 1975 _

Ref. No. ARI/981-8/Oct/74.—Whereas, I, G. S. RAO, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. 1619 of Byculla Division situated on the Northern side of Maratha Mandir Marg (known as Club Road) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 17-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohamed Husein Ebrahim & Ors.

(Transferor)

- *(3) Members of the Society.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land of Leasehold Tenure the Lessors whereof are the Trustees for the City of Bombay Improvement Trust containing 595 sq. metre or thereabout and registered under New Survey No. 3527(1) and bearing C.S. No. 1619 of Byculla Division together with message tenement or building standing thereon and known as "Bahaar" and assessed by the Municipality of Bombay under E Ward No. 4108(4) formerly Street No. 12 but now No. 8 all which premises are situated at and on the Northern side of Maratha Mandir Marg formerly known as Club Road, Byculla, Bombay-8 and are bounded on the East by the property of Suleman Lakdawala & Ors., on the West by the property of White Angel Co-operative Housing Society Ltd., on the North by a service passage and on the South by the said Maratha Mandir Marg.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 28th May, 1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 5th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-358(172)/16-6/74-75.—Whereas I, J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Dhebharbhai Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Narandas Karsanji,
2. Shri Ghunilal Narandas,
3. Shri Vasantrai Narandas,
4. Shri Gunvantrai Narandas,
Ashapura Road, Jamnagar. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Vijaygauri Jayantilal Shukla,
2. Shri Kishorechandra Jayantilal Shukla,
3. Shri Maheshkumar Jayantilal Shukla,
4. Shri Jitendra Jayantilal Shukla,
(Minor, through Guardian, Jayantilal Vrajilal Shukla)
5. Shri Rajendra Jayantilal Shukla,
(Minor, through Guardian, Jayantilal Vrajilal Shukla)
6. Shri Saileshkumar Jayantilal Shukla,
(Minor, through Guardian, Jayantilal Vrajilal Shukla)
7. Smt. Jyotsana Reshmikant Shukla,
8. Shri Bipinkumar Reshmikant Shukla,
9. Shri Dipakkumar Reshmikant Shukla,
(Minors, through Guardian Reshmikant V. Shukla)
C/o R. Kant & Co.,
Gondal Road, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as 'Jasani Oil Mill', standing on a land admeasuring 295-2-36 situated on Dhebharbhai Road, Rajkot and bounded as under :—

East : Dhebharbhai Road,
West : Property of Gordhandas Kakubhai & Others
North : Road
South : Property of Shantilal Haribhai

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5-5-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 5th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-478(173)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Dhebharbhai Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Narandas Karsanji,
2. Shri Chunilal Narandas,
3. Shri Vasantraai Narandas,
4. Shri Gunvantraai Narandas,

Ashapura Road, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shantilal Harilal Patel,
 2. Smt. Labhuben Shantilal Patel,
- C/o Kaneriya Engineering Works,
Dhebharbhai Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as 'Jasani Oil Mills', standing on a land admeasuring 289—6—108 sq. yards, situated on Dhebharbhai Road, Rajkot and bounded as under :—

East : Dhebharbhai Road.

West : Property of Shri Girdharlal Kakubhai & Others

North : Property of Smt. Vijayagauri Jayantilal & Others.

South : Property of Hind Farms.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur. the 30th May 1975

Ref. No. F. Acq./137/Agra/74-75/488.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Village Artoni, Teh & Distt. Agra

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 11-9-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Manohar Lal S/o Sri Rijha Ram,
7, Lajpat Kunj, Civil Lines, Agra-2,
Present address : Shop No. 5, Khattri Dharamshala
58/23, Birhana Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Prakash Bansal,
S/o Sri Prakash Bansal,
9, Nehru Nagar, Agra-2,
Sri Ved Prakash S/o Sri Om Prakash Bansal,
9, Nehru Nagar, Agra-2 and
Sri Balram, S/o Sri Rijha Ram,
7, Lajpat Kunj, Civil Lines,
Agra-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring nine bighas out of Khasra No. 97, Plot No. 607-A and Khata No. 98 Plot No. 607-B situated in Village Artoni, Tehsil and District Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 90,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.Date : 30-5-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
'JYOTHI BUILDING', GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 16th June 1975

Ref. L. C. No. 42/75-76.—Whereas, I, M. M. KURUP being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. as per Schedule situated at Vellanikara Village in Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Othikkara on 19-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Krishna Iyer (Advocate),
S/o Sri Mahadeva Pattar, Patturaickal,
Trichur.
(Transferor)
- (2) 1. Sri Yacob, S/o Nangani Thomakutty,
East Chalakudy, Trichur.
2. Sri Sethu Pathi Bhaskaran,
Nagameswara Madom,
Bank Road, Calicut.
(Transferee)
- (4) Shri Kerala Varma Kunjikidavu Thanpuran Karim-patta House, Trichur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

53.67 acres Rubber, arrecunut and Cocoanut Estate in Sy. No. 51/1, 51/2, 53/1, 53/2, 54/1, 54/2, 55/1, 55/2, 56/1, 56/2, 56/3, 57/1, 304/1, 305/1, 46/3 in Madakkathara Panchayat in Vellanikara Village in Trichur District.

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 16-6-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3181/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a dry land measuring 3 acres in S. No. one situated at Jaraka Bunde Kavalu Block No. 11-15, Bangalore city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore-10, Doc. No. 4150/74-75 on 18-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Venkajamma,
2. Shri V. Narayanappa
3. Shri V. Yellappa
Bovipalya, Bangalore-10.

(Transferor)

- (2) 1. Shri K. Munivenkatappa,
E-2, I Cross, II Main Road, Brahmapura,
Bangalore-21.
2. Shri D. Shanmugam,
No. E-282, Brahmapura,
Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a dry land measuring 3 acres in S. No. one situated at Jaraka Bunde Kavalu Block, No. 11-15, Bangalore city.

Document No. 4150/74-75, dated 18-9-74

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 29-5-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3146/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 232/28, 3rd Cross, Nagappa Block, Lakshmi Narayanapuram situated at Bangalore-21 (Corporation Division No. 10)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at

Srirampuram, Bangalore-21, Doc. No. 2583/74-75 on 10-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Savitramma W/o V. G. Chakrapani,
No. 19, Lakshmi Narayana Puram,
Bangalore-21.

(Transferor)

- (2) Shrimati Ramalakshammammal,
W/o B. J. Srinivasulu,
No. 24, II Cross, Saibabnagar,
Bangalore-21

(Transferee)

- (3) S/Shri
 1. K. Keshvan;
 2. Anjanappa,
 3. Sidda,
 4. Radhakrishna,
 5. Murthy,
 6. M. L. Mahalingam,
 7. Purushotam,
 8. Dr. H. L. Nagaraj,
 9. V. K. Pryaswamy.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 232/28, 3rd Cross, Nagappa Block, Lakshmi Narayanapuram (Corporation Div. No. 10), Bangalore-21.

East to West—30°
North to South—90°

Site area=2,700 sq. ft.

BOUNDARIES

EAST : Police Venkatappa's House
WEST : Ramalingam Mudaliar's House
NORTH : Cross Road
SOUTH : Conservancy

Doc. No. 2583/74-75 dated 10-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore.

Date : 29-5-75

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri K. Thippanna S/o Shri K. Siddappa,
Mandipet, Davangere-1.

(Transferor)

(2) Shri T. R. Sreenivasa Murthy,
S/o Shri Rundaiah,
No. J-87, Anjeneya Block Extension,
Sheshdripuram, Bangalore-20.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd May 1975

No. CR. 62/3204/74-75/ACQ/(B).—Whereas, 1. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The Property being a vacant site bearing No. 94, Magadi Road, Chord Road Extension, situated at Hosahalli, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sreeramapuram, Bangalore-21 Document No. 2709/74-75 on 21-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—136GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site bearing No. 94, Magadi Road, Chord Road Extension, Hosahalli, Bangalore.

BOUNDARIES

East by site No. 95

West by site No. 93

North by site No. 114

South by Road

'Total site area=60'×90'=5400 sq. ft.'

Document No. 2709/74-75/dated 21-10-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 23-5-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati S. Janaki,
No. 9, Cambridge Road, Bangalore-8.
(Transferor)

(2) Shri R. Sampathraj,
No. 1056, 7th Cross, Sreeramapuram,
Bangalore-21.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd May 1975

No. CR. 62/3240/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a plot of land measuring 13 guntas in Survey Nos. 230 and 231 situated at Doddigunta, Cox Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2550/74-75 on 28-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a plot of land measuring 13 guntas in Survey Numbers 230 and 231, Doddigunta, Cox Town, Bangalore.

Document No. 2550/74-75/dated 28-10-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 22-5-75

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd May 1975

No. CR. 62/3260/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a dry land measuring

$$\frac{A}{5} \frac{G}{36} + \frac{A}{3} \frac{G}{19} + \frac{A}{2} \frac{G}{6\frac{1}{2}} = 11 \text{ Acres } 21\frac{1}{2} \text{ guntas,}$$
 belonging to the S. Nos. 7, 8 and 99-2A (Khala Nos. 52, 52 and 176 respectively) situated at Makali village and Dasanapura, Nelamangala Taluk, Bangalore Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Nelamangala Document No. 2941/74-75 on 21-10-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri B. Govindagowda, s/o Shri B. A. Basavegowda, Bagamane Estate, Malandoor Post, Chikmagalur District.

(Transferor)

(2) Miss Rohini Raghunath Rao Maanay, No. 46/123, V. Main road, Chamarajapet, Bangalore city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a dry land measuring :—

i) $\frac{A}{5} \frac{G}{36} +$ ii) $\frac{A}{3} \frac{G}{19} +$ iii) $\frac{A}{2} \frac{G}{6\frac{1}{2}} = 11 \text{ Acres } 21\frac{1}{2}$

guntas, belong to the S. Nos. 7, 8 and 99-2A (K' 52, 52 and 176 respectively), situated at Makali village, Dasanapura, Nelamangala Taluk, Bangalore

BOUNDARY

(i) and (ii)
 East : Hegadur
 West : G.
 South :
 North :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd May 1975

No. CR. 62/3261/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a dry land bearing 11 acres, in S. No. 7 (Khata No. 51) Makali village, Dasanapura Hobli, Nelamangala situated at Taluk, Bangalore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Nelamangala Document No. 2942/74-75 on 21-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) (1) Sri B. Ramachandra s/o B. A. Basave gowda,
(2) Miss Seema
(3) Miss Rashmi Daughters of Shri B. Ramachandra acting minors by their Gurardian and father Arsikere, Hassan Dist.

(Transferor)

- (2) Miss Rohini Raghunath Rao Maanay, No. 46/123, V Main road, Chamarajapet, Bangalore city.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a dry land measuring 11 acres in S. No. 7 (Khata No. 51) situated at Makali village, Dasanapura Hobli, Nelamangala Taluk, Bangalore District.

BOUNDARIES

East : by land beaing S. No. 7 belonging to Govinda Gowda.

West : by land bearing S. No. 8 of Makali village.

South : by land bearing S. Nos. 9 and 10 of Makali village.

North : by Hegadadevanapura.

Document No. 2942/74-75 dated 21-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-5-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd May 1975

No. CR. 62/3262/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a dry land measuring 5 acres in S. No. 8 (Khata No. 53) Makali village, Dasanapura Hobli, Nelamangala Taluk, Bangalore District.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Nelamangala Document No. 2943/74-75 on 21-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri B. Krishna Gowda s/o Sri B. A. Basave Gowda

(2) Miss Pushpa d/o B. Krishne Gowda, minor by her guardian and father, No. 346/1, O.T.C. Road, Cotton pet, Bangalore.
(Transferor)

(2) Miss Rohini Raghunath Rao Maanay, No. 46/123, V Main road, Chamarajapet, Bangalore city.
(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a dry land measuring 5 acres in S. No. 8, (Khata No. 53) situated at Makali village, Dasanapura Hobli, Nelamangala Taluk, Bangalore District.

BOUNDARIES

East : by land in S. No. 7 of Makali village.

West : by land in S. No. 99 of Dasanapura village.

South : by land in S. No. 99 belonging to Gangaiah and Govinda Gowda's share.

North : by land in S. No. 7 belonging to Ramachandra.

Document No. 2943/74-75 dated 21-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M. Jayadev, S/o. Shri M. Mallappa
No. 663, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nabha Krishna Setty and Sons, Jewellers,
Srirampet, Mysore.

(Transferee)

"(3) M/s. Gurumaharaj Frame Works.
[Person(s) in occupation of the property].

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3308/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, situated at Bangalore City, (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore-9,

Doc. No. 3098/74-75 on 21-10-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, Bangalore.

East to West = 27'7"

North to South = 13' (including the common passage).

BOUNDARIES

East : Adi Complex buildings.

West : Bhavarlal and Sunermal's buildings.

North : M. Viswanatha's Portion.

South : M. Shivarudrappa's portion.

Doc. No. 3098/74-75 dated 21-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-5-75

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Nabha Krishna Setty and Sons, Jewellers,
Srirampet, Mysore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3309/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, situated at Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Doc. No. 3099/74-75 on 21-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) N. Virupaksha, S/o. M. Mallappa,
No. 663, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(3) M/s. Gurumaharaj Frame Works.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, Bangalore.

East to West = 27' 7"

North to South = 13' (including the common passage).

BOUNDARIES

East : Adi Complex buildings.

West : Bhavarlal and Sunermal's buildings.

North : M. Shivashankara's property.

South : M. Mallappa's property.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-5-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Nabha Krishna Setty and Sons, Jewellers,
Srirampet, Mysore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3310/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, situated at Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Doc. No. 3100/74-75 on 21-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Shivashankara, S/o. Shri M. Mallappa,
No. 663, Chickpet, Bangalore-53.
(Transferor)

- (3) M/s. Gurumaharaj Frame Works,
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, Bangalore.

East to West = 27'7"

North to South = 13' (including the common passage).

BOUNDARIES

East : Adi Complex buildings.

West : Bhavarlal and Sunermal's buildings.

North : M. Shivarudrappa's building.

South : M. Virupaksha's portion.

Doc. No. 3100/74-75 dated 21-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nabha Krishna Setty and Sons, Jewellers, Srirampet, Mysore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3311/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, situated at Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Doc. No. 3101/74-75 on 21-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Shivarudrappa, S/o Shri M. Mallappa, No. 663, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

- (3) M/s. Gurumaharaj Frame Works.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, Bangalore.

East to West = 27'7"

North to South 13ft. (including common passage).

BOUNDARIES

East : Adi Complex buildings.

West : Bhavarlal and Sunermal's buildings.

North : M. Jayadev's portion.

South : M. Shivashankara's portion.

Doc. No. 3101/74-75 dated 21-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3312/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing Portion of premises bearing Door No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, situated at Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 3102/74-75 on 21-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. Mallappa, S/o. Late Shri M. Mallesettappa, No. 663, Chickpet, Bangalore-53,
(Transferor)
- (2) M/s. Nabha Krishna Setty and Sons, Jewellers, Srirampet, Mysore.
(Transferee)
- (3) M/s. Gurumaharaj Frame Works.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hind projected corner portion of premises No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, Bangalore City.
East to West = 27'7"
North to South 27' (including common passage) and
East to West 10'9".
North South : 6'.

BOUNDARIES

West : Bhavarlal and Sunermal's buildings.
East : Adi Complex buildings.
North : M. Virupaksha's portion.
South : Mandi Hariyanna and Conservancy.

Document No. 3102/74-75 dated 21-10-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-5-1975,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Vishwanath, Minor by Guardian Shri M. Mallappa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27(2) M/s. Nabha Krishna Setty and Sons, Jewellers,
Srirampet, Mysore.
No. 663, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferee)

(3) M/s. Gurumaharaj Frame Works,
[Person(s) in occupation of the property].Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3313/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Pial Portion of premises No. 245, Old Taluk Couchery Road, Chickpet, situated at Bangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore-9,

Document No. 3103/74-75 on 21-10-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pial portion of premises No. 245, Old Taluk Couchery road, Chickpet, Bangalore City.

East to West = 27'7"

North to South = 13' (including the common passage).

East to West : 6'2"

North to South : 11'3"

BOUNDARIES

East : Adi Complex buildings.

West : M/s. D. Parasmal and B. Tejraj buildings.

North : Chickpet road and Sri B. L. Prabhakar.

South : M. Jayadeva's portion.

Document No. 3103/74-75 dated 21-10-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri C. N. Gopalan, S/o. Late Shri C. V. Narasimha Tycngar,

(2) Shri C. G. Jaisimhan S/o. C. N. Gopalan.

(3) Shri C. J. Jayavardhan S/o. C. G. Jaisimhan (Minor) represented by his father and natural Guardian, Shri C. G. Jaisimhan, No. 2, Kumar Krupa Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shrimati Shoba Surendra W/o. Shri Y. S. Surendra, No. 133/23, Railway Parallel Road, Seshadripuram, Bangalore-20.

(Transferee)

(3) Shri Y. S. Surendra. No. 250 S.C. Road, Bangalore. [Person(s) in occupation of the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3335/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being the land buildings in the form of a Theatre called 'Movie Land' situated at No. 250, Subedar Chatram Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore-9,
Document No. 393/74-75 on 16-10-1974,
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being the land and buildings in the form of a Theatre called 'MOVIE LAND', No. 250, Subedar Chatram Road, Bangalore.

(Corporation Division No. 14).

East : Shri R. K. Pillaiiah's property.

West : Subedar Chatram Road.

North : Bangalore Corporation Cross Road.

South : 'ROYAL LODGE' in Subedar Chatram Road.

Site area = $297'3" + 311' \times 155'2" + 156'11" = 4,442\text{sq. ft.}$

2

2

With main Theatre building and building situated in the rear.

Doc. No. 3393/74-75 dated 16-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-5-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th May 1975

No. CR. 62/3246/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being the land landbuilding (measuring site area as per plan 60,165 sq. ft.) situated at bearing Corporation Nos. 15, 16 and 17 (Formerly Nos. 14, 14/A and 14/B) Cunningham Road, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore,

Document No. 2614/74-75 on 4-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri William St. John Marley the sole Executor with probate of the will of the late Muriel Agnes Philips, No. 14, Rest House Crescent, Bangalore.

(Transferor)

- (2) (1) Shri G. Ramaiya Reddy S/o. Gurappa Reddy.
- (2) Shri R. Guru Reddy.
- (3) Shri Raghava Reddy.
- (4) Shri R. Dasarath Ss/o. Shri G. Ramaiya Reddy.
- (5) M/s. G. Ramaiya Reddy and Sons.

No. 157, Domlur, Bangalore-7.

(Transferee)

(3) Officer commanding, No. 11, Mysore Bn, N.C.C. Bangalore.
[Person(s) in occupation of the property].

- (4) (1) Shri C. Narayan.
- (2) Mrs. C. Narayan.
- (3) Shri S. W. Manikyam.

No. 15, 16 and 17 Cunningham Road, Bangalore-1.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land together with the main building and the other buildings thereon now bearing Corporation Nos. 15, 16 and 17 (formerly Nos. 14, 14/A and 14/B respectively) Cunningham Road, Civil Station, Bangalore, Division No. 59 and bounded on the North by No. 6 (old 3/A) Cunningham Crescent belonging to the late Mr. Dods-worth; on the South by Cunningham Road; on the East by No. 2, Cunningham Crescent belonging to the Maharaja of Bobbili and on the West by Old No. 15, Cunningham Road belonging to Miss. La Frenais.

Site Area as per plan 60,165 sq. ft.

Builtup Area :

Ground floor=151-90 squares. } As per plan,
First floor =10-80 squares.

Document No. 2614/74-75 dated 4-11-74.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati R. Leelavathi W/o. Shri Ranganna,
No. 17, Damodara Mudaliar Street, Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th June 1975

No. CR. 62/3021/74-75/ACQ(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential promises bearing Nos. 60 and 61 Charles Campbell Road, Cox Town, Bangalore-5, situated at Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 2237/74-75 on 30-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. 'Sri V. S. Sunder Murthy Trust' represented by its Trustees,
2. Smt. S. Neelaveni Ammal W/o. Late Sri V. S. Sunder Murthy No. 25, Annaswamy Mudaliar Road, Civil Station, Bangalore.
3. Shri V. A. Krishnamoorthy S/o. Shri V. S. Arunachala Mudaliar, No. 11, Osborne Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

- (3) (1) Dr. G. L. Shirunavukkarasu,
 - (2) Shri P. Rana.
- [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land together with the double storeyed building bearing Municipal Nos. 60 and 61 Charles Campbell Road, Civil Station, Bangalore bounded on the North by Charles Campbell Road, South by premises No. 6, Abdul Hafeez Road, East by premises No. 59, Charles Campbell Road, and West by Premises No. 62, Charles Campbell Road, and measuring on the East—80 feet (Eighty feet) West—81 feet 5 inches (Eighty one feet five inches). North—81 feet (Eighty one feet). and South—65 feet (Sixty five feet). together with all rights, privileges and appurtenances belonging thereto reputed to belong to the same compound walls on all the four sides belong to this property.
Site Area = 5840 sq. ft.
Document No. 2237/74-75 dated 30-9-74.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR. CENTRAL REVENUE BLDG.,
PATNA

Patna, the 18th June 1975

Ref. No. III-99/Acq/75-76/367.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 29 situated at Sakchi, town Jamshedpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 10-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Jainab Bibi Widow of Late Syed Hasan Ali, (2) Aved Abid Ali, and Syed Liaquat Ali both sons of Late Syed Hasan Ali of 29 Sakchi new planning area, P. S. Sakchi town, Jamshedpur (4) Aisha Khatoon W/o. Abdul Subhas of 41, T. R. Type Gandek Road, Sakchi, P. S. Sakchi, town Jamshedpur (5) Kaniz Fatima W/o. Abdul Hussain of 15 Ambagan Road Sakchi, P. S. Sakchi town, Jamshedpur (6) Jubeda Begum, W/o. Sk. Ismail of Ismail Tal. Ghatshila, P. S. Ghashila, Dt. Singhbhum (7) Noor Jahan W/o. Salauddin of Ahmadimanzil, Ambagan Road, Sakchi, P. S. Sakchi, Town Jamshedpur all in the district of Singhbhum.
(Transferors)
- (2) 7. Md. Siddique Hussain S/o. Late Delwar Hussain (2) Sk. Md. Ilias, S/o Late Jinnat Hussain of Chakulia, P. S. Chakulia, Dt. Singhbhum.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A pucca double storied building on a plot of 0.086 acre more or less situated in the Sakchi new planning area bearing Plot No. 29 in the town of Jamshedpur.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 18-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Ellammal W/o Shri N. Duraisami, Karadi-kootam Neikarapatti village, Palani Tk.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th June 1975

Ref. No. VI/15/13A.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 103/2-B, situated at Sivagiripatti village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSRO I, Palani on 15-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Venkatasubbaramasami, Vanavarayar & 2. Shri Muthukrishna Sakthivel Vanavarayar, Zamindars of Samathur village, Pollachi Tk.
(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre (S. No. 103/2B) in Sivagiripatti village. (Document No. 696/74).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 12-6-75.
Seal :

FORM I.T.N.S

(1) Shri Venkatasubbaramasami Vanarayar & Shri Muthukrishna Sakthivel Vanavarayar, Zamindars of Samathur village, Pollachi Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishnaveni Ammal, D/o Shri A. Narayanasami Naicker, Kaaradikootam, Naikarapatti village, Palani Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th June 1975

Ref. No. VI/15/13-B.—Whereas, I G. V. JHABAKH, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 103/2B, situated at Sivagiripatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Palani, on 15-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
19—136GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring one acre (S. No. 103/2-B) in Sivagiripatti village (Document No. 697/74).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 12-6-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Venkatasubbaramasami Vanavarayar & Shri Muthukrishna Sakthivel Vanavarayar, Zamindars of Samathur village, Pollachi Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. K. N. Duraisami, Karudikootam, Naikarapatti village, Palani Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th June 1975

Ref. No. VI/15/13-C.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 103/2-B situated at Sivagiripatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSRO, Palani on 15-10-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring one acre (S. No. 103/2-B) in Sivagiripatti village. (Document No. 698/74).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 12-6-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri J. H. Tarapore, 12, Landons Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sarojini Plot No. 5, Door No. 496 Poonamalee High Road, Madras-84.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th June 1975

Ref. No. F. No. IX/7/79.—Whereas, I G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at JSR I, Madras (Doc. No. 2962/73) on 14-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds & 1440 Sft. (with building) Situated at Door No. 4, Vasu Street, Kilpauk, Madras-10 (R.S. No. 154).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 12-6-75.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Namita Chaudhuri, W/o Shri K. D. Chaudhuri, No. 42B, Theatre Road, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veena I. Hira, Mr. I. L. Hira 8/1 Victoria Crescent Road, Madras-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th June 1975

Ref. No. IX/7/82/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/1, situated at Victoria Crescent Road, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, West Madras on 29-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 3 (1298 Sft.) in the 1st floor of the building known as 'Kasturi Mansions' and 928/6557 Sft. undivided share in the land situated at No. 8/1 Victoria Crescent Road, Madras-8 (R.S. No. 1633/1-A) (Document No. 1245/74).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 12-6-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madrass-6, the 12th June 1975

Ref. No. IX/7/129.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 679-4-0, situated at Palayamkottai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras on 17-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri A. Thangiah Nadar, Shri P. Karupiah Nadar, and Shri A. E. Dharmaraj; partners of M/s. Bell Amorses Manufacturing Co., Palayamkottai.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dhanasingh; 2. Shri Suba Singh; 3. Shri Guna Singh; 4. Shri Vijaya Singh; 5. Shri Raja Singh and 6. Rajendra Singh, S/o Shri Chellathurai Nadar, St. Mark St., Palayamkottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 679-4-0 in Palayamkottai village (Document No. 3022/74-JSRO, Madras).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madrass-6.

Date : 12-6-75.
Seal :

FORM ITNS—

- (2) 1. Shri Dhanasingh; 2. Shri Suba Singh; 3. Shri Guna Singh; 4. Shri Vijaya Singh; 5. Shri Raja Singh; and 6. Shri Rajendra Singh, S/o Shri Chellathurai Nadar, St. Mark St. Palayamkottai.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th June 1975

Ref. No. IX/7/130.—Whereas, I G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-- and bearing No. S. No. 679-4-08 situated at Palayamkottai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3023/74) on 17-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. Thangiah Nadar, Shri P. Karuppiah Nadar; and Shri A. E. Dharmaraj. Partners of M/s. Bell Amorses Manufacturing Co., Palayamkottai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) bearing S.No. 679-4-08 in Palayamkottai village (Doc. No. 3023/74-JSRO, Madras).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 12-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1975

Ref. No. 32/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-351 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad. on 21-10-1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Farreedunnisa Begum, H. No. 76, Fair Field, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Lakhichand Surana H. No. 14-2-332/18 at Gyan Bagh Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Ground floor portion of a house bearing M. No. 8-2-351 and land admeasuring about 900 Sq. Yards, situated at Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range,

Hyderabad.

Date : 14-6-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1975

Rcf. No. RAC. No. 35/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-Raman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-222 situated at Himayatnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 22-10-1975.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ghulam Dastagir Fazil, Advocate, 2. Ghulam Qader, 3. Ghulam Ghouse all residing at 5-3-11, Ghosha Mahal, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri M. A. Aleem, 2. M. A. Saleem, 3. M. A. Naeem, 4. Nuzhat Fatima W/o M. A. Hai, all residing at 5-9-303, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Building No. 3-6-222, Himayatnagar, Hyderabad. Area : 1750 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Hyderabad.

Date : 14-6-1975.

Seal :

FORM ITNS(1) Smt. Fakhar Sultana Begum, R/o 10-2-289/19
Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Smt. Laigunissa R/o 74-A Humayangar, Hyderabad.
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 17th June 1975

Ref. No. RAC. No. 40/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-119 & 120 situated at Hyderguda, Himayatnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 20-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

20—136 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 3-6-119 and 120 Hyderguda, Himayatnagar, Hyderabad, Area : 819.11 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 17-6-1975,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1975

Ref. No. RAC. No. 37/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-322/28 & 9 situated at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Seetha Ram Bhoopal, 2. Sri Rajeswar Bhoopal, residing at 6-3-1090 at Somajiguda, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Sri Gandham Jangaiah, H. No. 5-8-322/28 at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-8-322/28 and 5-8-322/9 at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-6-1975,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1975

Ref. No. RAC. No. 34/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 8-2-351 situated at Banjara Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Faredunnisa Begum. W/o Mr. Mohd. Farhat Ulla, residing at 76 Fair Field Begumpet, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Badam Bai Surana W/o Sri Lakhichand Surana, residing at Gyan Bagh Colony, No. 14-2-332/18 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Piece and parcel portion of house No. 8-2-351 a Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring about 1520 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Proposed Shivajinagar Griha Bandhani Society, at
Kedgaon, Dist. Ahmednagar Chief Promoter : Shri
Prabhakar Dinkar Deshpande,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, POONA-411004

Poona-411004, the 13th June 1975

Ref. No. C.A. 5/October'74/Ahmednagar/204/75-76,—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. S. No. 494 situated at Kedgaon,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Regist-
ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Ahmednagar on 21-10-74,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Shri Maruti Govind Modhave, Shri Ranganath
Govind Modhave, and Shri Shridhar Govind
Modhave, all residing at Kedgaon, Dist. Ahmed-
nagar.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land—Survey No. 494, at West side, Kedgaon,
Dist. Ahmednagar. Area : 6 Hectares, 70 Are.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1487
of October, 1974 of the Registering Authority, Ahmednagar).

H. S. AULKAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 13-6-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th March 1975

Ref. No. RAC. No. 33/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion, No. 8-2-351 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Fareedunnisa Begum, W/o Sri Mohd. Farat Hullah, H. No. 76 Fair Filed Begumpet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Megha Sanghavi W/o Sri Virendra Kumar Sanghavi, C/o Surana & Co, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of house No. 8-2-351 and land admeasuring about 1100 Sq. Yds. at Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-3-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004.

Poona-411004, the 13th June 1975

Ref. No. C.A. 5/October '74/Ahmednagar/205/75-76,—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 3575, situated at Ahmednagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmednagar on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
following persons namely :—

(1) The Ahmednagar Imarat Company Ltd.,
Ahmednagar.
President : Shri Shridhar Ranganath Tamboli,
Ahmednagar.
Chairman : (Director Board) Shri Madanlal Mul-
chand Soni, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Sitaram Bhagwansahay Khandelwal,
Tapidas Galli, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Ward No. 6, Municipal No. 7293, C.S. No. 3575,
Out of this property of the Company's registered shop
places.

R. Nos. 111, 112, 113 and Pichawada, 155, shop place,
Ahmednagar.

Area : 26'. 3" + 14' × 27'. 6" + 14'

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1528
of October, 74 of the Registering Authority, Ahmednagar).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 13-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1975

Ref. No. RAC.No. 36/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-322/4 & 7 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Scetaram Bhupal, and 2. Sri K. Rajeshwar Bhupal, residing at 6-3-1090/A Somajiguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri E. Rama Reddy, H. No. 5-8-322/4, Uma Bagh, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 5-8-322/4 and 5-8-322/7 at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad, (Three rooms Lavatory, Bath courtyard, and Varandha).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 17-6-1975

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Pandharinath Supdu Totale, Chopda, Dist. Jalgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Padmanath alias Padmakar Nathuwani, Dambhurni, Dist. Jalgaon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004.

Poona-411004, the 16th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.A. 5/Chopda/October '74/206/75-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 81, situated at Deogaon, Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chopda, on 4-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Freehold agricultural land Gat No. 81, Mouje Deogaon, Tal. Chopda, Dist. Jalgaon.

Area : 4 Hectres and 25 Ares with well and electric pump.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 964 of October, 1974 of the Registering Authority, Chopda).

H. S. AULAKH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona.

Date : 16-6-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1975

Ref. No. RAC No. 38/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-322/3 & 8 situated at Uma Bagh, Nampally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
21—136 GI/75

(1) 1. Sri Seeta Ram Bhoopal, 2. K. Rajeswara Boopal, both residing at 6-3-1090 at Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Gandham Krishna R/o 5-8-322/8 at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-8-322/3 and 5-8-322/8 at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 17-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri E. Kucha Reddy, S/o E. Venkat Reddy, H. No. 5-8-322/5 at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th June 1975

Ref. No. RAC No. 39/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-322/5 & 6 situated at Uma Bagh, Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Sectarama Bhupal, and K. Rajeshwara Bhupal, both residing at H. No. 6-3-1090 at Somajiguda, Hyderabad,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-8-322/5 and 5-8-322/6 at Uma Bagh, Nampally Hyderabad.

Area : 572.12 Sq. Yds,

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-6-1975,

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri B. Krishna Reddy, S/o Late Shri Doddabappa
No. 49/7 Sirsi Road, Bangalore city.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 5th June 1975

No. CR. 62/3116/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a revenue land measuring 4 acres and 4 guntas out of S. No. 83 of Mattadahalli, situated at Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk, Doc. No. 4110/74-75 on 11-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Nanjappa, S/o Late Shri Papaiah,
Hosahalli, Magadi Road, Bangalore city.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 4 acres and 4 guntas out of S. No. 83 of Mattadahalli, Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk,

Doc. No. 4110/74-75 dated 11-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Nanjappa, S/o Late Shri Papaiah,
Hosahalli, Magadi Road, Bangalore city.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Prabhakara Reddy, S/o B. Krishna Reddy,
No. 49/2, Sirsi Road, Bangalore city.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 5th June 1975

No. CR. 62/3117/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a revenue land measuring 4 acres and 30 guntas out of S. No. 83 of Mattadahalli, situated at Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk Doc. No. 4111/74-75 on 11-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a revenue land measuring 4 acres and 30 guntas out of S. 83 of Mattadahalli, Yeshwantpur Hobli, Bangalore North Taluk.

Doc. No. 4111/74-75 dated 11-10-1974.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 5th June 1975

No. CR. 62/3229/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of building site (old No. 21) New No. 10, Cambridge Road, situated at Ulsoor, Bangalore-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 2444/74-75 on 19-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Miss Lela Mary Ann Pais,
2. Mr. Henry Jacob Pais, No. 37, Benson Cross Road, Bangalore-46.
(Transferor)
2. Smt. H. S. Yashoda, No. 12/40, Udanj Lay-out, Cambridge Road, Ulsoor, Bangalore-8.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of building site (old No. 21) New No. 10, Cambridge Road, Ulsoor, Bangalore-8.

East to West 44'

North to South 110'

Site Area = 4840 sq. ft.

Doc No. 2444/74-75 dated 19-10-74.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-6-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. ASR/83/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Tarn Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in October, on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Bhola Singh, Kucha Tambaka Kute, Dhab Wasti Ram, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Parkash Kaur Wd/o Shri Bhola Singh, Kucha Tambaka Kute, Dhab Wasti Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) Shri G. S. Chatha c/o Chatha Rice Mills, Tarn Taran Road, Amritsar.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2519 of October, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. ASR/84/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Tarn Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in October on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Gurdeep Singh s/o Shri Bhola Singh Kucha Tambaka Kute, Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Kaur wd/o Shri Bhola Singh, Kucha Tambaka Kute, Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferee)

(3) Shri G. S. Chatha c/o Chatha Rice Mills, Tarn Taran Road, Amritsar.

[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2518, of October, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. ASR/AP-85/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Cooper Road Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Lachhmi Narain s/o Shri Gokal Chand Nagpal, Cooper Road, Amritsar. S/Shri Kailash Nath, Amar Nath Parvesh Chander ss/o Shri Balmukand New Misri Bazar, Amritsar.
(Transferee)
- (2) M/s Dhanpat Ram & Sons, 29 Hall Bazar, Amritsar through Shri Dhanpat Ram s/o Shri Mian Dass, Kuljit Kumar Subhash Chander ss/o Shri Dhanpat Ram
- (3) Tenant occupying the property.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2542 of October, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-75,
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Darshan Singh s/o Shri Karam Singh r/o Kt. Karam Singh, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref No. ASR/86/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Friends Colony Taylor Road, Amritsar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar, in October on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—136 GI/75

- (2) Shri Krishna Wati w/o Shri Om Nath, Sudarshan Kumar, Jawahar Lal, Madhu Sudan ss/o Shri Om Nath Kt, Sher Singh (now 13 Chanderpuri Taylor Road, Amritsar).

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Friends Colony, Taylor Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2297 of October, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. ASR/87/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Hide Market, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Basant Kumar s/o Shri Kishan Chand, 61 Hide Market, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Rattan Chand s/o Shri Hari Chand r/o Lawrance Road, Radha Swami Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) Central Bank of India, Amritsar. Doaba Trading Corporation & Shri Bhupinder Singh s/o Shri Harbans Singh & any other tenant.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms
in as are
the said A
as given in

THE SCHEDULE

Property in Hide Market, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2450 of October, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-75.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. ASR/88/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Bagga (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patti in October, on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarjit Kaur w/o Joginder Singh r/o Bagga Teh. Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Gulzar Singh s/o Pritam Singh, Puran Kaur w/o Shri Didar Singh r/o Jaur Singh Wala Teh. Patti.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1846 of October, 1974 of the Registering Authority, Patti.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. BTD/89/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in October, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Sham Lal, Surinder Kumar s/o Ruldu Ram Chowdhary S/o Shri Ram Saran Dass r/o Jawahar Ke Road, Mansa.
(Transferor)
- (2) Shri Nohar Chand s/o Shri Mani Ram s/o Shri Sarbha Mal, Sh. Sat Pal Shri Amrit Pal s/o Shri Nohar Chand s/o Shri Mani Ram, Cloth Merchants, Near Mandir, Mansa Mandi, Mansa.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3493 of October, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. ASR/90/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Hall Bazar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in October, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Budh Singh s/o Shri Karam Singh, Ram Gali Chowk Passian, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Vishwa Mohan Seth s/o Shri Lachhman Dass Seth, Hall Bazar, Amritsar.
(Transferee)

(3) S/Shri Vishwa Mitter Sukhdev Singh, Shadi Lal, Parshotam Dass, Smt. Surinder Puri and other tenant occupying the property.

[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 526, 527 & No. 474, 475 & 58, 59, 60, 61/1-1 Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2494 of October, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref No. BTD/91/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Old Satta Bazar Bhatinda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in October, on 1974, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tej Ram s/o Shri Gopi Ram and Shri Sita Ram s/o Shri Tej Ram r/o Jaito.

(Transferor)

- (2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Pal Singh Krishna Cotton Factory, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-X/300 in old Satta Bazar, Bhatinda as mentioned in the Registered Deed No. 4272 of October, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-5-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.

*(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested
in the property].

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. BTD/92/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Property situated at Old Satta Bazar, Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-
tering Officer at
Bhatinda in October on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Shri Tej Ram s/o. Shri Gopi Ram and Shri Sita Ram
s/o. Shri Tej Ram, r/o. Jaito,

(Transferor)

(2) Shri Pal Singh s/o. Shi Roshan Singh r/o Bhatinda,

(Transferee)

Date : 31-5-1975.

Seal :

THE SCHEDULE

Property bearing No. B-X/300 in old Satta Bazar, Bhatinda
as mentioned in the Registered Deed No. 4280 of October,
1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. Phg/93/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mohalla Kishanpura, Phagwara has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in October on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parduman Singh s/o Shri Jagat Singh,
Ramgaria Mohlla Kishanpura, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Lachhman Singh s/o. Shri Jawala Singh r/o.
Phagwara.
(Transferee)

* (3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

* (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1324 of October 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Joginder Kaur d/o Shri Milkha Singh s/o. Shri Mehtab Singh r/o. Phagwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. Phg/94/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Mohalla Kishanpura, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in October on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Parduman Singh s/o. Shri Jagat Singh, Ramgarhia Mohalla Kishanpura, Phagwara.

(Transferor)

- *(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

- *(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1300 of October, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31-5-1975.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. BTL/96/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Faizpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Batala in October on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh s/o. Shri Natha Singh V. Faizpur Teh. Batala.
(Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash, Sudershan Kumar s/o. Shri Tara Chand, r/o. Batala.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3925 of October, 1974 of the Registering Authority, Batala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31-5-1975,
Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Pritam Singh Des Raj, Faizpur Road, Batala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st May 1975

Ref. No. BTL/97/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. Land situated at Faizpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in October on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh s/o. Shri Natha Singh V. Faizpur Teh. Batala.

(Transferor)

¹(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

²(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3849 of October, 1974 of the Registering Authority, Batala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sri A. Satyanarayana, S/o Nanjappa, 2. Smt. B. Laxmamma, W/o Ramiahpa both are residing at Chinnampally village, hamlet of Kurugunta Village, Ananthapur Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Sri N. Narayanareddy, S/o Bala Narayana, R/o Narayanakapally, village, Amaldema, Madira Tadpatri, Tq., Ananthapur District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 26th May 1975

Ref. No. RCA No. 29/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 14/1 & 15/1 situated at Chempalli village, Ananthapur, Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908

(15 of 1908) in the office of the Registering Officer Ananthapur on 30-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : Agricultural land Survey Nos. 14/1 and 15/1 at Chennampalli Village, Hamlet of Kugugunta Village, Ananthapur Tq. Ananthapur District, Total Area : 17.12 Acres..

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th May 1975

Ref. No. RAC. No. 26/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-
raman,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-
perty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

No. 9-1-127/4 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Secunderabad on 30-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

- (1) 1. Smt. C. Janamma, 2. Sri C. Sree Rama Bhoopal,
3. Sri C. Raghuram Bhoopal, 4. Sri C. Rameshwar
Reddy, 5. Smt. P. Janaki Devi. All residing at 23/1
St. John's Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. N. Jaya Devi, W/o N. V. Raja Reddy, Kum. N.
Pranitha, Kum. N. Bhagirath, Kum. N. Sita, All
residing at H. No. 9-1-127/4 at Plot No. 2 and 3
Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : No. 9-1-127/4 at Plot Nos. 2 and 3 at Sarojini
Devi Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bhailal Keshavlal Vora, Smt. Bhurben Keshavlal and Smt. Vinaben Indulal, Main Bazar, Surendranagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) M/s. Sadguru Industries, Partners : Kantilal Somchandbhai Govani, Gunvantrai Somchandbhai Govani, Udhog Nagar, Surendranagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION-RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

- (3) 1. M/s. Sadguru Industries, Udhog Nagar, Surendranagar. 2. Gurudev Engg., Udhog Nagar, Surendranagar. (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 26th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-563(189)/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Ward No. 3, City Survey No. 451 (Part) situated at Udhog Nagar, Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surendranagar on 4-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being land with structure bearing Ward No. 3, City Survey No. 451 (Part) and admeasuring 8541 sq. yd.—the built up area of the structure being 468 sq. yards—situated at Udhog Nagar, Surendranagar.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (i) Mahavir Prasad s/o Shri Chanan Lal, (ii) Smt. Jadia Devi w/o Shri Chanan Lal, (iii) Smt. Sharda Devi w/o Shri Ramgopal Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th May 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq)/240.—Whereas, I. S. R. Vaish, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 17A, situated at Industrial Area Srikanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Srikanpur on Nov. 11, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 2) Shyam Sunder s/o Shri Chauthmal Agarwal & other Partners of Neelam Theatre, Srikanpur [viz. (i) Shri Gopal Dass s/o Shri Arjan Dass (ii) Smt. Ram Kali w/o Shri Omprakash (iii) Smt. Santosh Kumari w/o Shri Rattan Lal].

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 17 A, Industrial Area, Srikanpur, District : Sriganganagar.

S. R. VAISH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 30-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mertunjan Prasad Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Terbeni Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th May 1975

Ref. No. 8-T/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K-52/43 situated at Mohalla Dara Nagar Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 22-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house double storied No, K-52/43 situated at Mohalla Dara Nagar Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 19-5-1975
Seal ;

FORM ITNS

(1) Dr. Anand Prakash.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haji Zamir Ahmad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 24th May 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1-Z/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Village Nighra Teh. Kashipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 6-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural land measuring 11.58 Acres situated at Village Nighra Teh. Kashipur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—136GI/75

Date : 24-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nanki Bai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Angrez Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1975

Ref. No. 43-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Village Kurraiya P.O. Darau (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Haldwani on 25-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 Bigha 16 Biswa (Kuchcha Bigha) situated at Village Kurraiya P.O. Darau Teh. Kichha District Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th May 1975

Ref. No. RAC. No. 28/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107 situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 25-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Rajendra Pershad, R/o Osmangunj, Hyderabad, 2. Smt. Shakuntala Devi, R/o Osmangunj, Hyderabad, 3. Smt. Dhapi Bai, R/o Pheelkana, Hyderabad, 4. Smt. Uma Devi R/o St. Mary's Road, Secunderabad, 5. Kumari Nirmal R/o Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Vimal Kumar R/o Bogulkunta, Hyderabad, 2. Sri Kailash Kumar G.P.A. Smt. Kesari Bai, R/o Bogulkunta, Hyderabad, 3. Smt. Ambarta Bai, R/o U.S.A., 4. Smt. Manjula Bai, R/o Bogulkunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 107 at Park Lane, Secunderabad.
Area : 908 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shanti Pal and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Balram Nag and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1975

Ref. No. 38-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. D-53/101 B situated at Mohalla Laksa Distt. Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
registering officer
at Varanasi on 19-10-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. D-53/101 B measuring 4700 Sqr. Fts.
his portion of plot No. 76/1 situated at Mohalla Laksa Shahr
Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bal Krihan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Balram Nag and others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1975

Ref. No. 38-B/Acquisition.—Whereas, 1, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. D-53/101 situated at Moh. Laksa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 19-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house double storied No. D/53/101 situated at Mohalla Laksa Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhairin Dutt Singh,

(Transferor)

(2) Shri Bhupendra Singh and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th May 1975

Ref. No. 39-B/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Moh. Banketwa situated at Near Saraswati Shishu Mandir Moh. Banketwa, Distt. Gonda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gonda, on 26-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring $121' \times 32' 6'' = 3932\frac{1}{2}$ Sqr. Fts. situated at Mohalla Banketwa, Near Saraswati Shishu Mandir Distt. Gonda.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 19-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mithlsh Kumari & others.

(Transferors).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil Kumar Singh & others.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1975

Ref. No. 66-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House 1, 2, 3, 4 situated at Moh. Railway Ganj, Hardai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardai on 4-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3 portion of House 1, 2, 3 and 4 situated at Moh. Railway Ganj Hardai.

BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-5-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Jasmer Kumari and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Pal Singh Rastogi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th May 1975

Ref. No. 13-V/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 4 situated at Kisroll Chhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Moradabad on 17-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 4, measuring 3997 Sqr. Yds. & 7 Sqr. Fts. situated at Kisroll Chhavani Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 19/5/75

Seal :

FORM ITNS— — —

(1) Shri Chhohari Kunwari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ram Shanker Pandey and others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 15th May 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 45-R/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Village Bahrawana Pargana Sikenderpur Ballia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 14-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house alongwith land situated at Mauza Bharawana Bargana Sikenderpur Distt. Ballia,

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—136GI/75

Date : 15-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dwarika Prasad Kasuri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laljee Jaiswal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 17th May 1975

Ref. No. 18-L/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-7/32 situated at Bagh Hara Bhelupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 3-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house three storied No. B-7/32 measuring 2618-8 Sqr. Fts. situated at Bagh Hara Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow,

Date : 17-5-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th May 1975

Ref No. RAC. No. 27/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-11-251 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 28-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Govind Bai Binani, W/o Gangadas Binani, H. No. 59 Cotton Street, Calcutta-7.
(Transferor)
- (2) Sri Mydam Yellaiah Gupta, S/o Maraiiah Gupta, H. No. 16-2-140/4 at Dayanand Nagar, Malakpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Premises bearing Municipal No. 1-11-251 consisting of a Guest House constructed on an area 1258 Sq. Yds. situated at Begumpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-5-1975
Seal :

FORM ITNS

2. M/s. Sri Bhagyalaxmi Rice Mill, P/rs. 1. Sri Irukula Iswaraiah, 2. I. Shankariah, 3. I. Iswaraiah, 4. I. Venkatesham, 5. Kaparathi Veeresham, all residing at Dharmaram, Nizamabad District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th May, 1975

Ref. No. RAC. No. 31/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-19 situated at Dharmaram, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 28-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sabbineni Rice Mills, P/rs. 1. S. Budaiah, 2. S. Chinnaiah, 3. S. Papaiah, 4. Sri M. Michesal, All residing at Dharmaram, Nizamabad District.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : M/s Sri Bhagyalaxmi, Rice Mill, Dharmaram, Nizamabad, Distt. (Rice Mill building, Godown open place) area 10,263 Sq. Meters.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-5-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th May 1975

Ref No. RAC. No. 25/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-277/4 situated at Padmarao-nagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-10-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Florence Violet D'Praser, 2. Sri Horace Ottiwell D' Praser both are residing at Padmarao-nagar, Secunderabad.

(Transferor)

2. 1. Smt. T. Kalavathi, 2. T. Mani, 3. Smt. T. Kalamkumari, all are residing at 6-1-277/4 at Padmarao-nagar, Secunderabad.

(Transferee)

- (3) Mrs. B. Gomes, 6-1-277/4 Padmarao-nagar, Secunderabad. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Premises bearing No. 6-1-277/4 at Padmarao-nagar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-5-1975
Seal :

FORM ITNS

(2) Laxmi Niwas, No. 1, Co-op. Housing Society Ltd.

(3) Tenants. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 7th May 1975

Ref. No. II-1072/2833/74-75.—Whereas, I, M. J. Mathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 87 Survey No. 244 situated at 29, Bajaj Road Vile Parle, Bombay-56 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registration, Bombay on 15-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri A. R. Patel & D. A. Patel partners of M/s. D. A. Patel & Company.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE ABOVE REFERRED TO

All that piece or parcel of land or ground situate at Bajaj Road, Vile Parle (West), Bombay in the Registration sub-district of Bandra and Bombay Suburban District and containing by admeasuring 646 sq. yds. equivalent to 540.139 Sq. meters or thereabouts according to final Town Planning Scheme and 685 Sq. Yards equivalent to 572.749 Sq. meters according to the original plot under the said scheme together with message tenements or dwelling house standing thereon and assessed by the Bombay Municipal Corporation under 'K' Ward No. 8370(1) and 8370(2A) and Street Nos. 34 and 35 (New Nos. 21 and 21A) Survey Nos. 244, bearing original plot No. 87 and final Plot No. 87 of the Vile Parle T. P. Scheme No. VI (varied) and bounded as follows :

On or towards the North by property belonging to Mr. Parekh; on or towards the South by property belonging to Mr. Kanakia; on or towards the East by property known as Kastur Wadi on or towards the West by Bajaj Road.

M. J. MATHAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th May 1975

Ref. No. Acq/71/Mawana/74-75/405.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Moh. Kalyansingh, Mawana, Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 19-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Jayanti Prakash S/O Sri Ram, R/O Kawligate, self and on behalf of Sri Jayanti Prasad R/O 917/39A/7-H, Dharampura, Gandhi Nagar, Delhi 31; and, Shanti Prasad, R/O Akhand Ashram, Rishikesh, Teh. Rishikesh, Distt. Dehradun S/O Sri Mukand Lal.

(Transferor)

- (2) Shrimati Chameli Rani W/O Sri Jagdish Prasad, Mawana Kalan, Vill. Kalyan Singh, Parg. Hastnapur Teh. Mawana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property consisting eight rooms and a courtyard, situated in Mandi area in Mohalla Kalyan Singh, Mawana, Distt. Meerut, which has been transferred for apparent consideration of Rs. 45,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 20-5-75

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. Mahadev Ganguly, 23, Jugal Kishore Das Lane, Cal-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE V, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 17th May 1975

Ref. No. AC-3/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I S. S. Inamdar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P/120 C.T.T. Scheme, VI-M situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sealdah, 24-Pgs, on 16-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Pranab Ghosh & Dilip Kr. Ghosh, 49, Badridas Temple Street, Cal-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 cottahs 12 chattaks & 24 sft. of land at P-120 C.T.T. Scheme VI-M, Calcutta.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Acquisition Range Calcutta-16

Date : 17-5-75

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/820/74-75/266.—Whereas, I, C. V.
Gupte,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 10 situated at South Patel Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred as per deed
registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
Delhi on 26-10-1974,for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sunder Lal, Advocate, s/o Shri Nandhu Mal
r/o 40 Wazir Bagh, Siri Nagar, Kashmir.
(Transferor)

(2) Shri Shiv Dayal Malik, s/o Shri Jetha Nand, r/o
18/31, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

(3) M/s Gokal Chand Rattan Chand & Co. Pvt. Ltd.
Shri R. S. Mehra and Shri V. N. Sehgal.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold plot of land measuring 1000 sq. yds at No. 10
situated in South Patel Nagar, New Delhi, with the double
storeyed building constructed thereon and bounded as
under :—

North : Road
South : Lane
East : Govt. Build property.
West : Govt. build property.

C. V. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date : 11-4-1975

Scal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balj Nath s/o Shri Hari Chand, r/o E-53, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parkash Kaur, w/o S. Arjan Singh r/o 43/17 Punjabi Bagh, New Delhi at present E-53, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II

NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/826/75-76/279.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-53 situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-10-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house comprising of three bed rooms, one drawing dining, kitchen bath, latrine, electric water and flush system installed in running condition built on a piece of free-hold plot of land bearing plot No. E-53, measuring 300 sq. yds. situated in the Colony known as Kirti Nagar, area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

North : Service Road
South : Road
East : House on plot No. E-54
West : Plot No. E-51/52

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 11-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Kanhaya Lal Baraya s/o Shri Bhoori Lal Bharaya Khandelwal, A-45 Shanti Path, Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (i) Shrimati Maina Devi w/o Shri Rameshwar Lal Johari R/o Daulat Ganj, Lashkar, Gwalior (M.P.)
(ii) Smt. Uma Devi w/o Shri Satya Narain Johari, R/o Daulat Ganj, Lashkar Gwalior (M.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 3rd May 1975

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/237.—Whereas, J. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A-30, situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 9-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. A-30, Raman Marg, Moti Doongri Scheme, Jaipur. Area of the plot 1495.3 sq. yards with constructed portion.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 30th April 1975

Ref. No. ARV/182/11/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 104 (New), Plot Nos. 2 & 10 situated at Kanjur Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ratansey Karsondas & Ors. (Transferor)
- (2) Keshavandan Sahaya & Ors. (Transferee)
- (3) Unauthorised occupants 7 to 10.
[Person in occupation of the property]
- (4) Sardar Pratapsingh Laxmidas.
*[Person whom the undersigned knows to the interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of vacant plots of land being a part of the survey No. 104 (New) of Village Kanjur Bhandup (now in Greater Bombay) formerly in the registration Sub-District Bandra, District Bombay Suburban and now in registration sub-district and District Bombay city and Bombay Suburban being Plot Nos. 2 and 10 of the private layout scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and admeasuring 2926.65 sq. metres (3500 sq. yards) and 2508.39 sq. metres (3000 sq. yards) respectively and bounded on or towards the North by land bearing survey No. 104 (new part) on the South by Plot No. 11 on the East by Plot No. 3 and 4 feet wide private road and thereafter by plot No. 4 of the said scheme and on the west by Plot No. 1 and 16 of the said scheme.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-4-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Ratansey Karsondas & Ors.

(Transferor)

(2) Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate Industries P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 30th April 1975

Ref. No. AR V/184/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra,
13

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 104 (new) Plot No. 7 (old) situated at Kanjur Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16.10.1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant plot of land being a part of the survey No. 104 (new) of Village Kanjur Bhandup (now in greater Bombay) formerly in the registration sub, District, Bandra, District Bombay Suburban and now in registration sub-district and District Bombay City and Bombay Suburban being Plot No. 7 of the Private Layout Scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and measuring 2533.46 sq. metres (3030 sq. yards) respectively and bounded On or towards the East by land being survey No. 180, Hissa No. 5 On the West by 44 feet wide private Road and thereafter by Plot Nos. 13 and 14 of the said Scheme, On the South by Plot No. 8 and On the North by Plot No. 6 of the said scheme No. C.T.S. No.

J. M. MEHRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 30-4-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th May 1975

Ref. No. RAC No. 30/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land S, Nos. 14/1 & 15/1 situated at Chennampalli, Ananthapur Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ananthapur on 8-10-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. Satyanarayana Rao, S/o Nanjappa, and
2. Shri B. Laxamma, W/o Ramappa, both are residing at Chinmapalli, Village, Ananthapur Tq.
(Transferor)

- (2) Sri Nasam Nagireddy, W/o Balanarayana, Namanamkapali village, Ammaladine, medira, Tadpatri, Tq. Anantapur. Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Agricultural land Survey Nos. 14/1 and 15/1 at Chennampalli, Village, Ananthapur Tq. Ananthapur Dist.
Area : Acre. 17.12 Guntas.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 26-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ratansey Karsondas & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate Industries P.
Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Bombay-20, the 30th April 1975

Ref. No. ARV/185/74,—Whereas I, J. M. Metrh,
14
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. S. No. 104 (new) Plot No. 8 (old) situated at Kanjur
village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at

Bombay on 16-10-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any Income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the fol-
lowing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'Said Act', shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant Plot of land being a
part of the survey No. 104 (New) of Village Kanjur
Bhandup (now in Greater Bombay) formerly in the Registra-
tion sub-district Bandra, Dist. Bombay Suburban and now in
registration sub-Dist. and District Bombay City and Bombay
Suburban being plot No. 8 of the private layout scheme—
sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and ad-
measuring 2508.39 (sq. metres) (3000 sq. yards) and bounded.
On or towards the East by land being survey No. 180 Hissa
No. 5 On or the West by 44 feet wide private Road and
thereafter by Plot Nos. 14 and 15 of the said scheme On the
South by Plot No. 7 of the said scheme and On the North
by plot No. 9 of the said scheme No. C.T.S. No.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 30-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ratansey Karsondas & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Pratapsingh Laxmidas Estate Industries P. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG.
BOMBAY-20

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay-20, the 30th April 1975

Ref. No. AR. V/186/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, 15

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 104 (new), Plot No. 18 situated at Village Kanjur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-10-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant plot of land being a part of survey No. 104 (new) of Village Kanjur Bandup (now in Greater Bombay) formerly in the Registration sub-district and Dist. Bombay City and Bombay Suburban being plot No. 18 of the private Layout Scheme sanctioned by the Bombay Municipal Corporation and admeasuring 2508.39 sq. metres (3000 sq. yards) or thereabouts and bounded On or towards the East by Plot No. 12 and 13 of the said Scheme on the West by Jungle Mangal Road, On the South by plot No. 19 of the said scheme and On the North by Plot No. 17 of the said scheme No. C.T.S. No.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 30-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Satya Bhama Goyanka W/o Shri Kishan Lal Goyanka R/o 51 Ram Chandra lane, Malar, Bombay-64.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 29th April 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/233.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot, situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1st Oct. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chagan Lal S/o Shri Chuni Lal, 2. Kali Charan S/o Shri Manak Chand, 3. Swa Lal S/o Shri Laxmi Chand, 4. Jaya Narain S/o Shri Laxmi Narain and 5. Smt. Phool Devi D/o Shri Laxmi Narain W/o Durga Prasad R/o Rasta Bara Gangore, Chowkri Wisweshwerji, Jaipur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East North Cornered plot of Devi Kunj, Sardar Patel Marg, 'C' Scheme Jaipur, Area of the plot is 90' x 100'.

V. P. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 29-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narain Dass Chandnani s/o Late Shri Ralimal,
505, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Svs. Bhagwati Prasad Agarwal, 2. Birendra Kumar
Agarwal, 3. Surender Kumar Agarwal and 4. Pradeep
Kumar Agarwal through his father and guardian
Shri Sreegopal Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 30th April 1975

Ref No. Raj/IAC (Acq)/234.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D61/A, situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15 Oct. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. D-61/A measuring 1169 sq. yards situated on Madho Singh Circle in Bani Park Scheme E, Jaipur and a strip of land adjoining the said plot and measuring 474 sq. yards.

All residents of C-18, Sawai Jai Singh Highway, Jaipur-6. Postal address is C/o Rajasthan Industries, 126 Industrial Area, Jhatwara, Jaipur.

V. P. MITTAL,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Keshri Singh Mehra s/o Shri Gordhan Prasad
resident of Chhawani, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Krishna Saini s/o Shri Gurucharan Dass
Saini, resident of Village Adila, Post Balkasa, Teh.
Keshavrai Patan, Distt. Bundi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 30th April 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq)/235.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20-B, situated at Kota, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kota on 31 Oct. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 20-B, Civil Lines, Nayapura, Kota together with constructed house known as 'Malti Niwas'.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Shrimati Shanti Devi w/o Shri Angad Raj, resident of Village Lilanwali, Distt. Sriganganagar, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 30th April 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/236.—Whereas, J. V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6, situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Jaipur on 15 Oct. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Satya Prem Kumari w/o Shri Jai Chamraj of Mysore through Shri Mahendra Singh s/o late Shri Hari Singh, Hari Bhawan, Jacob road, Civil Lines, Jaipur, holding special power of attorney for her.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 of Mysore house situated on Jacob Road, Civil lines, Choukri Hewali Shahr, Jaipur with some constructed portion. Area of the plot is 1000, sq. yards.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 30-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Inder Singh Nalwa, S/o Shri Narain Singh
Nalwa, 330-Nalwa Road, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CHANDIGARH

Chandigarh, the 7th May 1975

Ref. No. LDH/C/445/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 1/64th share in Naulakha Theatre Cinema Road, including all machinery and building, Capri Restaurant and Servant's quarters, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Iqbal Kaur Bedi, w/o Kanwar Surinder Singh Bedi, Resident of Jullundur City.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/64th share in Naulakha Theatre including all machinery and building, Capri Restaurant, and Servant's quarters, Cinema Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6141 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 7-5-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th May 1975

Ref. No. Acq. 23-1-483(178)/I-I/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 96/2, S. P. No. 3, F. P. No. 234, of T. P. S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 10-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Savitaben Chimanlal Patel, Commerce College, Patel Chambers, Navrangpura, Ahmedabad-9.
(Transferor)
- (2) Nilkamal Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Behind Commerce College, Navrangpura, Ahmedabad. Through Chairman, Shri Revashankar Hargovandas Pandya, Ranip. Amrishi Society, Ahmedabad.
(Transferee)
- * (3) [Person in occupation of the property]
- * (4) [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]
- (4) Shri Ranchhodlal Shankarlal Patel, Village Chandlodia, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Survey No. 96/2, Sub-Plot No. 3, Final Plot No. 234, of T.P. Scheme No. 20 situated at Kochrab, Ahmedabad, having an area of 418 sq. yards.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 8-5-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th May 1975

Ref. No. Acq. 23-I-484(179)/1/1/74-75.—Whereas, I, J. Kuthuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 517-2-B, T.P.S. No. 3 situated at Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadhuram V. Andani,
2. Shri Gordhanlal S. Andani,
3. Shri Kishanlal Sadhuram Andani,
4. Kumari Bhagyawanti S. Andani,
For & on behalf of the firm of
M/s. Sadhuram Gordhanlal, Netaji Cloth
Market, Kalupur Kotnirang, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) M/s. Rajesh Trading Co.,
Lalbbuvan, Vasant Chowk,
Near Bank of Maharashtra, Bhadra,
Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property being office No. A-55 in Block No. A on fourth floor of Capital Commercial Centre, bearing F.P. No. 517-2-B, T.P.S. No. 3, situated Near Nehrubridge, Ashram Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 8-5-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Chandaben Jamshedji Karaka,
Sukhshanti, Near Navroji Hall, Shahibaug,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohanbhai Joitaram Patel (President)
for & on behalf of Sarvodaya Commercial Centre
Shops & Office Owners Association,
9, Swati Society, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 11th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acq. 23-I-386(139)/1-1/74-75.—Whereas, I,
J. Kathuria,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Survey No. 4023, Muni. Cen. No. 1344/1, 1344/2, 1344/
10, 1344/11, 1344/12, 1344/13 & 1345 situated at Karaka
Compound, Kalupur Ward-III, Salapas Rd, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 14-10-1974

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with construction admeasuring 860 sq. yds. bearing
Survey No. 4023, Municipal Census No. 1344/1, 1344/2,
1344/10, 1344/11, 1344/12, 1344/13 & 1345, Kalupur
Ward-III, and situated at Karaka Compound, Salapas Road,
Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 11-2-1975

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th March 1975

Ref. No. RAC.No. 145/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-2-555/2 situated at Agapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 26-10-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

28—136GI/75

(1) Sri Sahabzada Mir Ahmed Ali Khan, R/o House No. 11-2-555/2 at Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Begum, House No. 11-2-555/2 at Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion : House No. 11-2-555/2, at Agapura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 26-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakorbhai Kevalram Patel,
Shivdas Zaveri Pole, Sagrampura, Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ambika Apartment Co-operative Housing
Society Ltd., through—
President, Chhaganlal Jeevanji Patel
Secretary, Dhireubhai Manibhai Naik—(Opp. Dena
Bank, Tower Road, Navsari).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th March 1975

Ref. No. PR.208/Acq.23-367/7-4/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 59—Tika No. 18 situated at Kersasp Road, Lunsikui, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 29-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 59 Tika No. 18 admeasuring 855 Sq. Mts. situated at Kersasp Road, Lunsikui, Navsari, Dist. Bulsar as—mentioned in the registered deeds No. 2573 and 2576 of October 1974 of the Registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20-3-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 5th May 1975

Ref. No. Acq. File No. 195/74-75—J. No. I(KR-381)KR/74-75.—Whereas, I, Saroj Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing no.

27-21-18, situated at Kaleswara Rao Road, Governorpeta, VZA-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Vempati Subbarama Sarma, Mudunirivari Street, Near Urvasi Talkies, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Uppalapati Satyanarayana Raju, Sri Panduranga Printing Works, Kaleswara Rao Road, Governorpeta, VZA.

(Transferee)

(3) 1. Nekkanti Venkatanarayana, Cement Dealer, Sk. Mohiddin Street, Arundalpetta, Vijayawada-2.

2. P. Subramanyam, C/o M. Srinivasa Rao, Durga Cafe, Kaleswara Rao, Rd, Governorpeta, Vijayawada-2.

3. Kodali Madhusudana Rao, Lakshmi Enterprises, Block Making business, Museum Rd, VZA-2.

(4) Sri Rommisetty Narayana Murthy Sri Durga Coffee Genl. Stores, Beasant Road, VZA-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property schedule as per the sale deed dated 11-10-74 vide document no. 3639 dt. 19-10-74 of the S.R.O., Vijayawada.

SAROJ KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-5-1975
Seal :

FORM ITNS-----

(2) Shi Kotla Venkataramaiah, Partner M/s Kotla Venkataramaiah & Co., Penugonda,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 1st March 1975

Ref. No. Acq. File No. 164/74-75—J. No. (380)/74-75—Whereas, J. K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. S, 91 situated at Gummaladoddi Korukollu Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri G. Ramachandrarao
2. Sri G. Satyanarayana
3. Sri G. Tammeswara Prasad being minor by guardian father G. Ramachandrarao.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari District—Rajahmundry Taluk—Korukonda Sub-Registrar—Korukonda Samithi—Gummaladoddi Panchayat area—Gummala-Doddi village—M/s. Sri Ramakrishna Sugars Khandasari Mills—Panchayat Board—Door No. S. 91—Tiled House—Shed with all its constructions etc.

BOUNDRIES

East : Sugar Mill of S. Ramakrishnaiah.
South : Tank Bund.
West : Public Road.
North : Rinta.

K. SUBBARAO

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 1-3-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Saraju Debi,
1/76, Naktola, Calcutta-47.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16. the 2nd June 1975

Ref. No. AC-4/Acq.R-V/75-76/362.—Whereas, I, S. S. Inamdar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 202/3 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-47, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 4-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandra Mohan Rao,
397 'G' Block, New Alipore,
Calcutta-53.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 cottahs and building thereon at premises No. 202/3, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Cal—47.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Date : 2-6-1975

Seal :

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
DECEMBER 1975**

New Delhi, the 5th July, 1975

No. F.7/1/75-El(B).—An examination for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy for the 56th Course commencing in July, 1976 will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR, GAUHATI, HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG AND TRIVANDRUM, commencing on the 16th December, 1975 in accordance with the Notification No. 13 dated 27th May, 1975 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India dated the 5th July, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 163 for the Army, 32 for the Navy and 55 for the Air Force.

These numbers are liable to alteration.

3. A candidate must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd January, 1958 and not later than 1st July, 1960. These are limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below:—

- (i) Headquarters, Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Haryana and Himachal Pradesh Area, Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area, Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area, Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area, Bombay/Tamilnadu, Karnataka and Kerala Area St. Thomas Mount 101 Comm. Area c/o 99 A.P.O.
- (ii) Headquarters, Allahabad Sub-Area, Allahabad/Bombay Sub-Area, Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area, Meerut/PUNE Sub-Area, PUNE/Calcutta Sub-Area, Calcutta/MP Sub-Area, Bhopal/Jullundur Sub-Area, Jullundur/Karnataka Sub-Area, Bangalore/Andhra Sub-Area, Secunderabad/Bihar and Orissa Sub-Area, Dinapore/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamilnadu and Kerala Sub-Area Madras/North Bengal Sub-Area/21 Sub-Area/31, 41 & 51 Sub-Area/HQ 61 Indep Sub-Area.
- (iii) Station Headquarters Bengdubi Bagdogra (WB), Pathankot, Srinagar (J&K), Dharma Nagar, Assam, Gauhati and Jaipur (Raj.)
- (iv) All recruiting offices.
- (v) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay.
- (vi) Flag Officer Commanding, Southern Naval Area, Cochin.

- (vii) The Flag Officer, Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.
- (viii) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.
- (ix) The Naval Officer-in-Charge, Goa.
- (x) The Naval Officer-in-Charge, Madras.
- (xi) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.
- (xii) The Naval Officer-in-Charge, Kathiawar.
- (xiii) Air HQ (Personnel Officer 3), New Delhi.
- (xiv) All National Cadet Corps Units.

Air Force Recruiting Offices:—

- (a) C/o Air Force Station, New Delhi-3.
- (b) 48, Mansfield Road, Ambala Cantt.
- (c) Mukherjee Camp, Kanpur Cantt.
- (d) West Bengal Zone, OASIS. No. 3, NSC, Bose Road, P.O. Regent Park, Calcutta-40.
- (e) Niranjan Building (4th Floor), 99, Marine Lines (West), Opposite Marine Lines Rly. Station Bombay-2.
- (f) Air Force Station, Tambaram (Madras).
- (g) No. 1 Cubbon Road, Bangalore-1.
- (h) Assam Zone, Uzan Bazar, Gauhati.
- (i) Anugrah Narain Path, Kadam Kuan, New Area, Patna-3.
- (j) Old Pali Road, Jodhpur.
- (k) Air Force Station, Begumpet, Secunderabad.
- (l) Air Force Recruiting Office, Bhubaneswar.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1975 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1975 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 1st September, 1975 (15th September, 1975 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 1st September, 1975), accompanied by necessary documents. *No Application received after the prescribed date will be considered.*

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above, must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid*.

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form, the fee prescribed in Annexure 1 in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPHS 2 AND 3 OF ANNEXURE 1.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

9. If any candidate who took the examination held in May, 1975 for entry to the National Defence Academy wishes to apply for admission to the examination notified here, he must submit his application so as to reach the Commission's office

by the prescribed date without waiting for the result or an offer of admission to the National Defence Academy. If he is recommended for admission to the Academy on the results of May, 1975 Examination his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 4 of Annexure I, provided the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 1st March, 1976.

M. S. PRUTHI,

Dy. Secy.

Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.,

(i) They are studying in the Military Schools (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and

(ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

4. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form, the Candidate should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2(i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, or in Lakshadweep from a date prior to 1st September, 1975.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, or as a work-charged employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

A candidate employed in Army, Navy or Air Force must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 5 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 6 below).

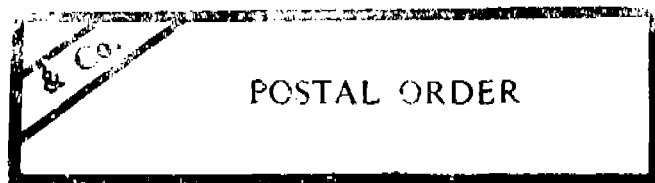
NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii) (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE

RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH, 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 5 and 6 :—

(i) (a) **CROSSED** Indian Postal Orders for the prescribed fee—

each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other post office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED** Bank draft for the prescribed fee

Bank draft should be obtained from any branch of the State Bank of India, and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission, payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank draft drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—A candidate residing abroad at the time of submitting his application may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be in that country who should be asked to credit the amount to the amount head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in the part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and

months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

If a candidate is unable to submit an attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate with his application, he must give a reasonable explanation for its absence. Such a candidate should further submit along with his application an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed under the Note below para 3 (iii) from the Principal/Headmaster of the institution from where he appeared at the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent examination showing his age/date of birth as recorded in the Admission Register of the institution. The candidate will be required to submit an attested/certified copy of his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate as soon as possible. He will be disqualified if later on it is found that the date of birth claimed by him in the application differs from that entered in his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent certificate, unless the discrepancy is explained to the satisfaction of the Union Public Service Commission.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) **Certificate of Educational Qualification.**—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, or who intends to appear at such a qualifying examination may apply for admission to this examination, but he must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Headmaster/Principal of the School concerned. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th June, 1976.

Such candidates are required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above date whether they qualify or not at the written part of the examination. If they fail to comply with this instruction, their candidature will be cancelled, and they will not be entitled to know their result.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

*This is to certify that Shri
son of Shri is expected to
appear/has appeared* at
Examination conducted by
..... in the month of
..... 19

*(2) His date of birth as recorded in the Admission Register of this School is..... This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his admission to the School.

(Signature of Principal/Dean/Registrar)*

(Name of the College/University/Institution)*

Date.....

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in the Note under-paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the original of any documents, copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of _____ of _____ Village*/town in _____ District*/Division of the _____ State*/Union Territory of _____ belongs to the _____ Caste*/Tribe _____ which is recognised as a Scheduled Caste*/Scheduled Tribe under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950 the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950 the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951 the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation), Act, 1971.*

the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri _____ and*/or his amily ordinarily reside(s) in _____ Village*/Town of _____ District*/Division of the State*/Union Territory of _____ State

Union Territory

Place.....

Date.....

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

(2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training at the National Defence Academy.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of the application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published two monographs as mentioned below. The purpose of publishing these monographs is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards:—

- (1) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW I and PRW II.

- (2) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW 24 and ISP 45.

The monographs are priced publications and are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi-110006, and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba 'Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 (ii) Sale counter of the Publications Branch Udyog Bhawan New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. *Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 13 above.*

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION, NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH, RTG. 6(SP) (a), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

15. *Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch, Rtg. 6(SP)(a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishna Puram, New Delhi-110022.*

Candidates who have to appear for any university examination should immediately after the announcement of the result of the written examination intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible take this into consideration before fixing the dates of interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ Rtg. 6(SP) (a)(i), West Block 3, R. K. Puram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the news papers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.